

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1]
No. 1]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 4, 1992/पौष 14, 1913
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 4, 1992/PAUSE 14, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह दस्तावेज संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (Other than the
Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचनाएं

नई दिल्ली, 11 नवम्बर, 1991

का. शा. 1—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री
प्रकाश साभाजीत सिंह ठाकुर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को
उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन दस बात के
लिए दिया है कि उक्त चिन्चोली, मावाड (पश्चिम बंबई) में
व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी
भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन
के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(89)/91-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTICES

New Delhi, the 11th November, 1991

S.O. 1.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Prakash Sabhajeet Singh Thakur,

Advocate for appointment as a Notary to practise in Chin-choli, Malad (West Bombay).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(89)/91-JudL.]

का. शा. 2—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में
सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री श्रवण
कुमार नोहाल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के
नियम 4 के अधीन एक आवेदन दस बात के लिए दिया है
कि उसे सरदार शहर, चूरु (राजस्थान में) व्यवसाय करने के
लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का
आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित
रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(88)/91-न्या.]

2.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Shrawan Kumar Nohal for appointment as a Notary to practise in Sardarshahr, Churu (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(88)/91-JudL.]

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1991

का.आ. 3—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि बीना वर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अजमेर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(94)/91-न्या.]

New Delhi, the 12th November, 1991

S.O. 3.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Miss Veena Verma Advocate for appointment as a Notary to practise in Ajmer (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(94)/91-Judl.]

का.आ. 4—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भागीरथ सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अजमेर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(95)/91-न्या.]

S.O. 4.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Bhagirath Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ajmer (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. 5(95)/91-Judl.]

का.आ. 5—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री हेन राम बिण्णोई एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे राय सिंह नगर, जिला श्री गंगा नगर (राज.) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(92)/91-न्या.]

S.O. 5.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Het Ram Bishnvi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Rai Singh Nagar, District Sriganga Nagar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(92)/91-Judl.]

का.आ. 6—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामा नन्द शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(93)/91-न्या.]

S.O. 6.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Rama Nand Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jaipur (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(93)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1991

का.आ. 7—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पीजुष कान्ति घोष एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिलीगुड़ी, जिला दार्जिलिंग (बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(96)/91-न्या.]

New Delhi, the 14th November, 1991

S.O. 7.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Pijush Kanti Ghosh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Siliguri, District Darjeeling (W., Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(96)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1991

का.आ. 8—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मनैय्या एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए

दिया है कि उसे सिन्धानूर, जिला रायचूर (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(98)/91-न्या.]

New Delhi, the 19th November, 1991

S.O. 8.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Mallaya, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sindhanoor, District Raichur (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(98)/91-Judl.]

का. आ. 9—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री पी. एम. अप्पा जी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बंगलूर (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (99)/91 - न्या.]

S.O. 9.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri P. M. Appaji, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bangalore (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(99)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1991

का. आ. 10—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जी. एम. डंकी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे एवेन्यू रोड बंगलूर में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (100)/91 - न्या.]

New Delhi, the 20th November, 1991

S.O. 10.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri G. S. Donki, Advocate for appointment as a Notary to practise in Avenue Road, Bangalore.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(100)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1991

का. आ. 11—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम सिंह ठाका एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे श्री गंगानगर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (107)/91 - न्या.]

New Delhi, the 28th November, 1991

S.O. 11.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ram Singh Dhaka, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sriganga Nagar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

का. आ. 12—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री इन्द्रा गठौर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अजमेर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (109)/91 - न्या.]

S.O. 12.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Ms. Indra Rathore, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ajmer (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(109)/91-Judl.]

का. आ. 13—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शिव शंकर व्यास एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीकानेर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (122)/91 - न्या.]

S.O. 13.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Shiv Shanker Vyas, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bikaner (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(122)/91-Judl.]

का. आ. 14.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शेखर दत्ता एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अग्रस्तता (त्रिपुरा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (108)/91 - न्या.]

S.O. 14.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Sekhar Dutta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Agartala (Tripura).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(108)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1991

का. आ. 15.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आर. एल. एजडी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे समस्त भारत में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (113)/91 - न्या.]

New Delhi, the 29th November, 1991

S.O. 15.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri R. L. Auddy, Advocate & Solicitor for appointment as a Notary to parties in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(113)/91-Judl.]

का. आ. 15 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी. आर. एडडी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे समस्त भारत में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (112)/91 - न्या.]

S.O. 16.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri C. R. Auddy, Advocate for appointment as a Notary to parties in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(112)/91-Judl.]

का. आ. 16.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री टी. वी. वरदाराजू नायडू एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मेडीकेरी (जिला कोडागु) कर्नाटक में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (111)/91 - न्या.]

S.O. 17.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri T. V. Varadaraju Naidu, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mudikeri, District Kodagu, (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(111)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1991

का. आ. 18 नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री जे. पी. अलामे एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बैरकपुर जिला 24 परगना (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (114)/91 - न्या.]

New Delhi, the 2nd December, 1991

S.O. 18.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri J. D. Alame, Advocate for appointment as a Notary to practise in Barrackpore, District 24 Pargana, West Bengal.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(114)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1991

का. आ. 19—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री देव वीर सिंह एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात

के लिए दिया है कि उसे कलकट्टे अलीगढ़ (उ. प्र.) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (116)/91-न्या.]

New Delhi, the 3rd December, 1991

S.O. 19.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Deovir Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Collectorate Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(116)/91-JudL.]

का. आ. 20.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अरुण आर. नाईक, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जय नगर, बंगलौर में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (115)/91-न्या.]

S.O. 20.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Arun R. Naik Advocate for appointment as a Notary to practise in Jayanaagr, Bangalore (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(115)/91-JudL.]

नई दिल्ली, 6 दिसम्बर, 91

का. आ. 21.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री शुभ करण सिंह चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अजमेर, राजस्थान में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (118)/91-न्या.]

New Delhi, the 6th December, 1991

S.O. 21.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Subh Karan Singh Chowdhury, Advocate for appointment as a Notary to practise in Ajmer (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(118)/91-JudL.]

का. आ. 22.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भगवती प्रसाद (पौरुष) एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हाथरस अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (117) / 91-न्या.]

S.O. 22.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Bhagwati Prasad Paurush, Advocate for appointment as a Notary to practice in Hathras, Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice

[No. F. 5(117)/91-JudL.]

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 91

का. आ. 23.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री के. सिद्धैया, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मान्ड्या, कर्नाटक में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (121) / 91-न्याय.]

New Delhi, the 9th December, 1991

S.O. 23.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri K. Siddaiah, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mandya, Karnataka.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(121)/91-JudL.]

का. आ. 24.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कुमारी रेखा महरोत्रा ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे उन्नाव (उ. प्र.) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (119)/91-न्या.]

S.O. 24.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Miss Rekha Mehrotra for appointment as a Notary to practise in Unnao (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(119)/91-Judl.]

का. आ. 25 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रतन लाल गुप्ता एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे श्री गंगानगर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (120)/91—न्या.]

S. O. 25.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ratan Lal Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sriganga Nagar (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(120)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 91

का. आ. 26:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नरसिम्हा देवा रायालू एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे होसंगट बेलरी जिला (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (124) / 91—न्या.]

New Delhi, the 10th December, 1991

S.O. 26.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Narasimha Deva Rayalu, Advocate for appointment as a Notary to practise in Hospet Sub-Division Bellary, District (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(124)/91-Judl.]

(न्याय विभाग)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1991

का. आ. 27:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री तरुण कान्ति चौधरी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे पश्चिम बंगाल में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (106) / 91—न्या.]

(Judicial Section)

New Delhi, the 13th December, 1991

S.O. 27.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Tarun Kanti Chaudhuri, Advocate for appointment as a Notary to practise in State of West Bengal.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(106)/91-Judl.]

का. आ. 28:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री स्वप्न कुमार कार, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे हार्दिया सब डिविजन और तामलुक, जिला मिदनापुर (पं. बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का अपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (105) / 91—न्या.]

S.O. 28.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Swapan Kumar Kar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Haldia Sub-Division Tamruk, Distt. Midnapur (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen day's of the publication of this Notice.

[No. F. 5(105)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1991

का. आ. 29 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अनिल कुमार शर्मा, एडवोकेट ने उक्त

प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मेरठ (उ.प्र.) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(128)/91-न्या.]

New Delhi, the 16th December, 1991

S.O. 29.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Anil Kumar Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Meerut (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(128)/91-Judl.]

का. आ. 30:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आर. के. एम. कौशिक एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(129)/91-न्या.]

पी. सी. कणन, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 30.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri R. K. S. Kaushik, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(129)/91-Judl.]

P. C. KANAN, Competent Authority

कामिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कामिक और और प्रशिक्षण विभाग)
शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1991

का. आ. 31:—का. आ. संख्या 2388 (कामिक और प्रशिक्षण विभाग की अधिसूचना सं. 225/8/91—एवीडी—II दिनांक 6-9-1991) के अधीन भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में प्रकाशित कामिक, लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, कामिक और प्रशिक्षण विभाग के आदेश में इन शब्दों “सी. बी. आई. मामलों के लिए विशेष मजिस्ट्रेट, देहरादून, (उ.प्र.) के आदेश में के बाद इन शब्दों,” और परीक्षण न्यायालय

में जहां मामला विचारणार्थ सुपुर्द किया गया है” को जोड़ा जाए।

[सं. 225/8/91—एवीडी—II]

ए.सी. शर्मा, अवसर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th December, 1991

S.O. 31.—In the order of Ministry of Personnel Public Grievances and Pensions, Department of Personnel and Training, published in the Gazette of India, in Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) under S.O. No. 2388 (DP&T Notification No. 225/8/91-AVD-III dated 6-9-91) after the words “in the court of Special Magistrate for CBI cases at Dehradun (UP)” the words “and in the trial court where the case is committed” may be added.

[No. 225/8/91-AVD.II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

यिस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1991

स्टाम्प

का. आ. 32:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा मै. एम. के. एफ. बियरिंग्स इंडिया लि., बम्बई को तीस लाख, पचहत्तर हजार रुपये मात्र के उस समेकित स्टाम्प शुल्क का भुगतान करने की अनुमति प्रदान करती है जो उक्त कम्पनी द्वारा जारी किए जाने वाले पैतालीस करोड़ रुपये मात्र के कुल मूल्य के 100-100 रु. के अंकित मूल्य के 1 से 45,00,000 तक की कमिक संख्या वाले 45,00,000, 14% सुरक्षित विमोच्य अपरिवर्तनीय ऋणपत्रों (पांचवीं श्रृंखला) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 18/91-स्टाम्प का. सं. 33/57/91—वि. क.]

ठाकुर दत्त, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 17th December, 1991

STAMPS

S.O. 32.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits M/s. S.K.F. Bearings India Limited, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees Thirty three lakhs seventy-five thousand only, chargeable on account of the stamp duty on 45,00,000, 14 per cent secured redeemable non-converitable debentures (Fifth Series), bearing serial numbers 1 to 45,00,000 of the face value of rupees One hundred each of the aggregate value of rupees forty five crores only to be issued by the said company.

[No. 48/91-Stamp F. No. 33/57/91-ST]

THAKUR DUTT, Dy. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1991

का. आ. 33—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में ऐसा आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के पन्विहन के लिए इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईपलाईन बिछाई जाए :

और ऐसा प्रतीत होता है कि उक्त पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना में उल्लिखित भूमि में वर्णित भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है:—

अतः, केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, राजपत्र में यथा प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि में पाइपलाईन बिछाने से संबंधित आक्षेप लिखित रूप में श्री एन. एच. कुम्भार, सक्षम प्राधिकारी, इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, कांडला-भटिंडा पाइपलाईन परियोजना, "किरन कौर्ट", प्लॉट नं. 85, सेक्टर-1, गांधीधाम, (कच्छ) गुजरात को कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : भचाउ		जिला : कच्छ		राज्य : गुजरात	
गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्रफल			
		हेक्टर	आरे	वर्गमीटर	
1	2	3	4	5	
भचाउ	1248	00	05	40	
	1257	00	23	04	
	1256	00	34	38	
	1262	00	21	60	
	1253	00	15	12	
	1265	09	57	60	
	1268	00	16	56	
	1267	00	13	50	
	1364	00	43	20	
	1374	00	31	32	
	1372	00	30	96	
	1371	00	27	36	
	1483/2	00	06	48	
	1483/1	00	26	64	
	1482	00	45	72	
	1480	00	32	40	
	1481	00	00	12	
	1607/2	00	18	00	
	1649	00	25	92	

भचाऊ (क्रमशः)	1648	00	33	12
	1647	00	20	16
	1646	00	41	04
	1652	00	10	80
	1799/1	00	14	40
	1796	00	00	10
	1799/2	00	02	16
	1798/1	00	01	44
	1798/2	00	14	76
	1795	00	28	80
	1789/1	00	00	16
	1790	00	39	96
	1789/2	00	00	72
	1791	00	00	72
	1866/1	00	20	16
	1866/2	00	14	40
	1864	00	02	16
	1831	00	37	44
	1832/1	00	08	64
	1833	00	24	48
	1835/1	00	15	48
	1835/2	00	21	60
	1836/2	00	07	92
अध	860	00	11	52
	805	00	27	90
	810	00	24	48
	815/2	00	07	20
	816/2	00	01	44
	816/3	00	14	40
	816/5	00	09	36
	817	00	01	44
	818/1	00	03	24
	819	00	50	40
	1416	00	11	52
	1415	00	17	28
	1402	00	18	72
	1403/1	00	43	20
	1403/2	00	05	76
	1382/2	00	32	76
	1393	00	28	44
	1395	00	05	04
	1404	00	17	28

[सं. आर-31015/5/91ओ. आर.-I]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 12th December, 1991

S.O. 33.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab via Rajasthan and Haryana, pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri N. H. Kumbhar, Competent Authority, Indian Oil Corporation Ltd., Kandla Bhatinda Pipeline Project, "Kiran Court", Plot No 85, Sector—1, Gandhidham (Kutch), Gujarat.

SCHEDULE

TEHSIL : BHACHAU DISTRICT : KUTCH
STATE : GUJARAT

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hactare	Are	Square Metre
1	2	3	4	5
Bhachau	1248	00	05	40
	1257	00	23	04
	1256	00	34	38
	1262	00	21	60
	1253	00	15	12
	1265	00	57	60
	1268	00	16	56
	1267	00	13	50
	1364	00	43	20
	1374	00	31	32
	1372	00	30	96
	1371	00	27	36
	1483/2	00	06	48
	1483/1	00	26	64
	1482	00	45	72
	1480	00	32	40
	1481	00	00	12
	1607/2	00	18	00
	1649	00	25	92
	1648	00	33	12
	1647	00	20	16
	1646	00	41	04
	1652	00	10	80
	1799/1	00	14	40
	1796	00	00	10
	1799/2	00	02	16

1	2	3	4	5
Bhachau—Contd.	1798/1	00	01	44
	1798/2	00	14	76
	1795	00	28	80
	1789/1	00	00	16
	1790	00	39	96
	1789/2	00	00	72
	1791	00	00	72
	1866/1	00	20	16
	1866/2	00	14	40
	1864	00	02	16
	1831	00	37	44
	1832/1	00	08	64
	1833	00	24	48
	1835/1	00	15	48
	1835/2	00	21	60
	1836/2	00	07	92
Vondh	860	00	11	52
	805	00	27	90
	810	00	24	48
	815/2	00	07	20
	816/2	00	01	44
	816/3	00	14	40
	816/5	00	09	36
	817	00	01	44
	818/1	00	03	24
	819	00	50	40
	1416	00	11	52
	1415	00	17	28
	1402	00	18	72
	1403/1	00	43	20
	1403/2	00	05	76
	1382/2	00	32	76
	1393	00	28	44
	1395	00	05	04
	1404	00	17	28

[No. R-31015/3/91—O.R.I.]

का. आ. 34:—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 2 के खंड (क) के अनुसरण में, भारत के राजपत्र में तारीख 20 जुलाई, 1991 को प्रकाशित अधिसूचना सं. का. आ. 2004, तारीख 9 जुलाई, 1991 की अनुसूची का निम्न प्रकार से संशोधन करती है, अर्थात् :—

क्रम सं. 2 के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“स्तंभ (1)

स्तंभ (2)

2. श्री मांगे राम नाम,

(तहसीलदार, प्रतिनियुक्ति पर), राजस्थान राज्य”

इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड

कांडला-भटिण्डा पाइप लाइन

परियोजना,

डी-45/बी, सुभाष मार्ग,

“सी” स्कीम, जयपुर-302001

[सं. ओ.-31015/12/89—ओ. आर.-1]

S.O. 34—In pursuance of clause (a) of Section 2 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby amends the schedule to the notification No. S.O. 2004, dated the 9th July, 1991 published in the Gazette of India, dated the 20th July, 1991 as follows, namely:—

The existing entry against S. No. 2 shall be substituted with the following, namely:—

"Column (1)	Column (2)
2. Shri Mange Ram Mann, (Tehsildar on deputation), Indian Oil Corporation Limited, State of Rajasthan" Kandla-Bhatinda Pipeline Project, D-45/B, Subhash Marg, 'C' Scheme, Jaipur-302 001.	

[No. O-31015/12/89-OR-I.]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1991

का. आ. 35 केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 3057 तारीख 17 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन विधान के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी :

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 22 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय सभी बिलिंगमों में मुक्त इंडियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील - रायपुर जिला - पाली राज्य - राजस्थान

गांव का नाम	ऊँचाई मं.	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	ऐयर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
घोलिया	6	~	08	64
	7	~	07	20
	9	~	04	50

1	2	3	4	5
घं लिया (जारी)	34	—	05	04
	68	—	01	62
	67	—	05	52
	64	—	03	60
	63	—	05	04
	62	—	01	80
	40	—	00	40
	39	—	02	50
	41	—	03	24
	49	—	03	60
	50	—	03	24
	51	—	03	96
	53	—	00	36
	54	—	01	60
	60	—	00	84
	59	—	00	40
	55	—	02	20
	56	—	02	88
	120	—	00	40
	122	—	00	70
	121	—	10	10
	344	—	02	10
	346	—	08	00
	347	—	10	80
सेम्बड़ा	49	—	09	72
	53	—	01	20
	56	—	02	58
	827	—	09	00
कुरातिया	40	—	09	00
	41	—	05	04
	46	—	05	76
	47	—	04	60
	48	—	03	96
	49	—	02	34
	50	—	02	52
	51	—	05	40
	52	—	01	08
	53	—	00	72
	54	—	00	48
	55	—	00	40
	56	—	00	24
	60	—	00	32
	61	—	09	00
	62	—	08	00
	63	—	26	50
	64	—	05	00
	65	—	01	50
	116	—	01	80
	126	—	10	20
	127	—	04	20
	121	—	00	24
	125	—	05	40
	138	—	02	80
	139	—	03	20
	137	—	05	04
	148	—	01	08

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
कुरातिया (जारी)	143	-	01	08	मानपुरा (जारी)	506	-	01	32
	147	-	02	76		512	-	00	20
	144	-	00	48		530	-	02	48
	145	-	03	96		531	-	14	82
	233	-	01	50		532	-	06	48
	234	-	05	40		533	-	02	24
	237	-	00	36		534	-	02	99
	238	-	03	20		535	-	02	34
	228	-	01	40		538	-	02	80
	239	-	04	20		537	-	00	30
	240	-	05	40		539	-	07	38
	241	-	02	40		540	-	05	04
	345	-	00	90		542	-	06	12
	242	-	06	84		543	-	05	40
	243	-	10	40		545	-	07	38
	314	-	02	16		581	-	01	80
	315	-	05	76		579	-	00	10
	337	-	04	50		580	-	00	20
	311	-	02	70		585	-	01	60
	338	-	03	80		584	-	00	10
	339	-	01	20		591	-	03	92
	342	-	01	02		593	-	14	32
	341	-	01	80		595	-	06	16
	378	-	07	20		597	-	07	26
	379	-	01	50		600	-	02	70
	377	-	01	08		602	-	08	64
	374	-	07	20		605	-	04	48
	366	-	04	80		610	-	07	40
	367	-	00	24		611	-	03	50
	365	-	09	00		613	-	02	64
	364	-	00	20		614	-	06	80
	353	-	10	08		616	-	06	40
	354	-	03	60		625	-	00	60
	355	-	07	02		629	-	03	86
रामगढ़ सरोतान	56	-	00	48		624	-	00	10
	50	-	03	60		630	-	04	32
	52	-	03	72		632	-	05	04
	54	-	01	20		633	-	05	94
	53	-	02	52		636	-	06	48
	29	-	10	26		637	-	07	20
	30	-	03	24		638	-	04	16
	31	-	05	58		639	-	03	12
	8	-	09	36		640	-	05	04
	14	-	06	30		643	-	03	74
मानपुरा	472	-	03	50		644	-	00	56
	473	-	00	92		645	-	03	36
	474	-	01	08		646	-	05	76
	475	-	03	00		648	-	00	20
	476	-	00	40		649	-	00	60
	508	-	06	48		672	-	01	80
	509	-	03	96		673	-	03	52
	510	-	03	24		674	-	05	40
	511	-	03	60		677	-	00	20
	505	-	01	00		678	-	00	20
						691	-	01	26

1	2	3	4
खेड़ा सांगनीतान	153	-	06 66
	146	-	01 44
	147	-	01 80
	152	-	00 72
	151	-	00 32
	148	-	01 84
	149	-	07 02
	136	-	01 17
	137	-	03 69
	123	-	03 20
	124	-	03 80
	125	-	00 20
	122	-	02 64
	127	-	01 96
	99	-	10 80
	121	-	01 94
	128	-	01 44
	98	-	00 66
	120	-	00 44
	118	-	02 90
	119	-	00 90
	100	-	00 60
	115	-	02 66
	116	-	01 60
	117	-	01 80
	113	-	00 72
	114	-	03 46
	108	-	04 80
	109	-	00 60
	103	-	00 80
	107	-	01 60
	104	-	02 56
	60	-	01 32
	61	-	02 64
	62	-	00 96
	59	-	02 82
	58	-	07 92
	56	-	06 98
	55	-	06 12
	54	-	06 00
	53	-	05 04
	52	-	14 04

[सं. प्रो. - 31015/4/89 - प्रो. प्रार. - i]

New Delhi, the 16th December, 1991

S.O. 35.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3057, dated the 17th November, 1990 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 22nd November, 1990; And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil—Raipur	District—Pali	State—Rajasthan		
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hac-tare	Are	Sq. Mtrs.
	2	3	4	5
Dholiya	6	—	8	64
	7	—	7	20
	9	—	4	50
	34	—	5	04
	68	—	1	62
	67	—	5	52
	64	—	3	60
	63	—	5	04
	62	—	1	80
	40	—	—	40
	39	—	2	50
	41	—	3	24
	49	—	3	60
	50	—	3	24
	51	—	3	96
	53	—	—	36
	54	—	1	60
	60	—	—	84
	59	—	—	40
	55	—	2	20
	56	—	2	88
	120	—	—	40
	122	—	—	70
	121	—	10	10
	344	—	2	10
	346	—	8	00
	347	—	10	80
Sendra	49	—	9	72
	53	—	1	20
	56	—	2	58
	827	—	9	00
Kurantia	40	—	9	00
	41	—	5	04

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kurantia (Contd.)	46	—	5	76	Ramgarh Sarotan	29	—	10	26
	47	—	4	50	(Contd)	30	—	3	24
	48	—	3	96		31	—	5	58
	49	—	2	34		8	—	9	36
	50	—	2	52		14	—	6	30
	51	—	5	40	Manpura	472	—	3	50
	52	—	1	08		473	—	—	92
	53	—	—	72		474	—	1	08
	54	—	—	48		475	—	3	00
	55	—	—	40		476	—	—	40
	56	—	—	24		508	—	6	48
	60	—	—	32		509	—	3	96
	61	—	9	00		510	—	3	24
	62	—	8	00		511	—	3	60
	63	—	26	50		505	—	1	00
	64	—	5	00		506	—	4	32
	65	—	1	50		512	—	—	20
	116	—	1	80		530	—	2	48
	126	—	10	20		531	—	14	82
	127	—	4	20		532	—	6	48
	121	—	—	24		533	—	2	24
	125	—	5	40		534	—	2	99
	138	—	2	80		535	—	2	34
	139	—	3	20		538	—	2	80
	137	—	5	04		537	—	—	30
	148	—	1	08		539	—	7	38
	143	—	1	08		540	—	5	04
	147	—	2	76		542	—	6	12
	144	—	—	48		543	—	5	40
	145	—	3	96		545	—	7	38
	233	—	1	50		581	—	1	80
	234	—	5	40		579	—	—	10
	237	—	—	36		580	—	—	20
	238	—	3	20		585	—	1	60
	228	—	1	40		584	—	—	10
	239	—	4	20		591	—	3	92
	240	—	5	40		593	—	14	32
	241	—	2	40		595	—	6	16
	245	—	—	90		597	—	7	26
	242	—	6	84		600	—	2	70
	243	—	10	40		602	—	8	64
	314	—	2	16		605	—	4	48
	315	—	5	76		610	—	7	40
	337	—	4	50		611	—	3	50
	311	—	2	70		613	—	2	64
	338	—	3	80		614	—	6	80
	339	—	1	20		616	—	6	40
	342	—	1	02		625	—	—	60
	341	—	1	80		629	—	3	86
	378	—	7	20		624	—	—	10
	379	—	1	50		630	—	4	32
	377	—	1	08		632	—	5	04
	374	—	7	20		633	—	5	94
	366	—	4	80		636	—	6	48
	367	—	—	24		637	—	7	20
	365	—	9	00		638	—	4	16
	364	—	—	20		639	—	3	12
	353	—	10	08		640	—	5	04
	354	—	3	60		643	—	3	74
	355	—	7	02		644	—	—	56
Ramgarh Sarotan	56	—	0	48		645	—	3	36
	50	—	3	60		646	—	5	76
	52	—	3	72		648	—	—	20
	54	—	1	20		649	—	—	60
	53	—	2	52		672	—	1	80

1	2	3	4	5
	673	—	3	52
	674	—	5	40
	0677	—	—	20
	0678	—	—	20
	691	—	1	26
Kheda Sangnotan	153	—	6	66
	146	—	1	44
	147	—	1	80
	152	—	—	72
	151	—	—	32
	148	—	1	84
	149	—	7	02
	136	—	1	17
	137	—	3	69
	123	—	3	20
	124	—	3	80
	125	—	—	20
	122	—	2	64
	127	—	1	96
	99	—	10	80
	121	—	1	94
	128	—	1	44
	98	—	—	66
	120	—	—	44
	118	—	2	90
	119	—	—	90
	100	—	—	60
	115	—	2	66
	116	—	1	60
	117	—	1	80
	143	—	—	72
	114	—	3	46
	108	—	4	80
	109	—	—	60
	103	—	—	80
	107	—	1	60
	104	—	2	56
	60	—	1	32
	61	—	2	64
	62	—	—	96
	59	—	2	82
	58	—	7	92
	56	—	6	98
	55	—	6	12
	54	—	6	00
	53	—	5	04
	52	—	14	04

[No. 31015/4/89-O.R.I.]

का. प्र. 36. केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्र. 2683 तारीख 13 अक्टूबर, 1990 द्वारा पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 22 अक्टूबर 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है -

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ,

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलसंगता से मुक्त इंडियन प्रायल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील	करनाम	जिला-करनाल	राज्य : हरियाणा			
गांव का नाम	हवबस्त नं.	मस्ततील नं	क्षेत्रफल			
		किला नं.	हेक्टर	भार	बगं	मीटर
1	2	3	4	5	6	
गाजबड़	34	14				
		5/3	0	01	77	
		5/2	0	01	01	
		6/1	0	02	28	
		6/2	0	02	28	
		15				
		01	0	00	25	
		06	0	12	39	
		7/1	0	06	58	
		7/2	0	03	79	
		08	0	12	39	
		9/1	0	12	39	
		10	0	12	14	
		16				
		07	0	12	39	
		08	0	12	39	
		09	0	12	39	
		10	0	11	63	
कोहलू	30					
बेगमपुर	24	1851	0	10	96	
		1852	0	10	96	
		1853	0	10	97	
		2002	0	00	00	
		2003	0	10	12	
दधलाता	25	94				
		21	0	08	85	
		22	0	08	09	
		95				
		21	0	10	88	
		22/2	0	12	14	
		23	0	12	65	

1	2	3	4	5	6	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
		96				मृत्तक	28	18	0	00	00
		21	0	05	06			19	0	13	15
		22	0	05	82			20/1	0	00	00
		23	0	06	32			22	0	01	01
		25	0	07	84			23	0	11	13
		97						24	0	00	00
		23	0	00	25			145			
		24	0	01	77			04	0	04	81
		25/1	0	01	77			5/1	0	01	77
		25/2	0	00	25			5/2	0	06	58
		101						06	0	09	11
		04	0	03	54			151			
		06	0	00	25			03	0	03	79
		07	0	02	53			04	0	13	91
		102						06	0	08	35
		01	0	12	39			07	0	06	58
		02	0	12	39			15	0	09	36
		03	0	12	40			152			
		04	0	12	40			11	0	05	31
		05	0	12	39			19	0	03	04
103								20	0	12	14
		01	0	12	39			21	0	00	25
		02	0	12	39			22	0	12	39
		03	0	12	14			23	0	11	38
		04	0	10	88			185			
		05	0	10	37			10	0	01	52
								11	0	13	91
बदलाना	25	104						12	0	01	77
		1/2	0	06	83			18	0	06	07
		02	0	06	32			23	0	11	13
		03	05	05	82			24	0	06	58
105								186			
		02	0	00	51			03	0	01	25
कुत्ताना	26	37						06	0	11	13
		21	0	00	25			15	0	00	76
		38						194			
		01	0	00	25						
		02	0	02	78			04	0	08	60
		09	0	00	76			03	0	09	86
		14	0	03	29			06	0	05	06
मृत्तक	28		0					195			
		110						09	0	00	51
		09	0	03	54			10	0	13	41
		10	0	01	52			11	0	01	77
		12	0	13	41			12	0	12	14
		13	0	00	76			13	0	03	04
		17	0	00	00			17	0	05	82
		18	0	10	62			19	0	00	25
		23	0	03	03			24/1	0	06	07
		24	0	11	13			24/2	0	01	77
		144						25	0	10	62
		10/1	0	06	00			222			
		10/2	0	08	32			21	0	08	85
		11/1	0	00	09			22	0	00	25
		11/2	0	04	81			223			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
सूचक	28	19	0	11	89	सूचक	28	21	0	00	25
		20	0	12	65			268			
		23	0	05	56			01	0	12	14
		24	0	12	14			02	0	00	00
		25	0	12	65			08	0	00	00
		224						09	0	13	15
		12/1	0	01	52			10	0	03	29
		12/2	0	00	25			12	0	03	04
		13	0	11	38			13	0	13	15
		14	0	01	77			14	0	00	25
		15	0	00	51			16		00	25
		16	0	12	14			17	0	13	66
		17/1	0	02	53			24	0	02	53
		17/2	0	01	52			25	0	11	89
		225						269			
		01	0	12	65			05	0	00	76
		02	0	00	76			278			
		08	0	04	05			05	0	01	52
		09	0	16	44			279			
		10	0	01	52			01	0	14	42
		12	0	00	00			02	0	00	51
		13	0	08	85			08	0	01	01
		14	0	00	25			09		14	42
		16/1	0	00	51			10	0	01	52
		16/2	0	02	28			12	0	01	01
		17	0	09	11			13	0	09	86
		234						16	0	01	77
		2/2	0	06	58			24	0	01	01
		03	0	12	65			25	0	15	68
		04	0	12	65			280			
		05	0	04	81			21	0	01	52
		06	0	07	33			262			
		07	0	07	25			21	0	02	53
		260						282			
		05	0	00	51			02	0	01	52
		261						08	0	03	29
		08	0	00	76			09	0	13	91
		09	0	14	92			10	0	00	51
		10	0	00	76			12	0	00	51
		12	0	01	26			13	0	15	43
		13	0	14	67			14	0	01	52
		14	0	00	25			16	0	01	77
		16	0	00	00			17	0	14	67
		17	0	14	42			18	0	00	51
		18	0	01	77			24	0	00	51
		24	0	03	04			25	0	14	92
		267						284			
								05	0	00	51
								294			
								05	0	00	76
								295			
								01	0	01	77

गांव	हव बस्त नं.	किला नं.	कनाब	मरला	हैक्टेयर	आर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
डाचर	62	222					
		18	2	08	0	12	14
		24	2	09	0	12	39
		223					
		04	1	00	0	05	06
		05	2	04	0	11	13
		06	1	03	0	05	82
		224					
		10	2	00	0	10	12
		11	1	08	0	07	08
		12	1	15	0	08	85
		18	1	12	0	08	09
		19/1	1	01	0	05	31
		19/2	0	10	0	02	53
		23/1	0	06	0	01	52
		24/1	0	19	0	04	81
		254					
		10	1	00	0	05	06
		11	2	10	0	0	12 65
		18	0	08	0	02	02
		20	0	00	0	00	00
		22	0	01	0	00	25
		23/1	1	16	0	09	1
		23/2	1	03	0	05	82
		24	0	04	0	01	01
		255					
		4/1	0	09	0	02	28
		4/2	1	10	0	07	59
		05	1	03	0	05	82
		06	2	06	0	11	63
		259					
		03	0	01	0	00	25
		04	3	04	0	16	19
		05	0	02	0	00	31
		06	2	15	0	13	91
		15	0	13	0	03	29
		260					
		10	0	00	0	00	00
		11	2	11	0	12	90
		260					
		19	2	07	0	11	89
		20	0	18	0	04	55
		22	1	09	0	07	33

1	2	3	4	5	6	7	8
डाक्टर-(जारी)	62	23	2	00	0	10	12
		285					
		11	1	04	0	06	07
		19/2	1	00	0	05	06
		20	2	03	0	10	88
		22/1	0	16	0	04	05
		23/3	0	01	0	00	25
		23	0	15	0	03	79
		286					
		03	1	03	0	05	82
		04	1	14	0	08	60
		06	1	09	0	07	33
		07	1	14	0	08	60
		15	1	19	0	09	86
		296					
		03	2	10	0	12	65
		04	0	12	0	03	03
		6/2	0	07	0	01	77
		08	0	00	0	00	00
		14	0	02	0	00	51
		297					
		11	0	04	0	01	01
		19	0	02	0	00	51
		20	2	17	0	14	42
		21	0	07	0	01	77
		23/2	0	00	0	00	00
		305					
		03	3	2	0	15	68
		07	2	5	0	11	38
		08	0	16	0	04	04
		14	1	1	0	05	06
		15	2	3	0	10	87
		16	0	7	0	01	77

[संख्या ओ-31015/13/89-ओ आर - I]

S.O. 36.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2683, dated the 13th October, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 22nd October, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired:

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Karnal		District : Karnal		State : Haryana	
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No./ Killa No.	Area		
1	2	3	4	5	6
Ganjibad	34	14			
		5/1	0	01	77
		5/2	0	01	01
		6/1	0	02	28
		6/2	0	02	28
		15			
		01	0	00	25
		06	0	12	39
		7/1	0	06	58
		7/2	0	03	79
		08	0	12	39
		9/1	0	12	39
		10	0	12	14
		16			
		07	0	12	39
		08	0	12	39
		09	0	12	39
		10	0	11	63
Kohand Begam Pur	30				
	24	1851	0	10	96
		1852	0	10	96
		1853	0	10	97
		2002	0	00	00
		2003	0	10	12
Dadlana	25	94			
		21	0	08	85
		22	0	08	09
		95			
		21	0	10	88
		22/2	0	12	14
		23	0	12	65
		96			
		21	0	05	06
		22	0	05	82
		23	0	06	32
		25	0	07	84
		97			
		23	0	00	25
		24	0	01	77
		25/1	0	01	77
		25/2	0	00	25
		101			
		04	0	03	54
		06	0	00	25
		07	0	02	53
		102			
		01	0	12	39
		02	0	12	39

1	2	3	4	5	6
Dadlana	25	03	0	12	40
Contd.		04	0	12	41
		05	0	12	39
		103			
		01	0	12	39
		02	0	12	39
		03	0	12	14
		04	0	10	88
		05	0	10	37
		104			
		1/2	0	06	83
		02	0	06	32
		03	0	05	82
		105			
		02	0	00	51
Kutana	26	37			
		21	0	00	25
		38			
		01	0	00	25
		02	0	02	78
		09	0	00	76
		14	0	03	29
Munak	28	110			
		09	0	03	54
		10	0	01	52
		12	0	13	41
		13	0	00	76
		17	0	00	00
		18	0	10	62
		23	0	03	03
		24	0	11	13
		144			
		10/1	0	00	00
		10/2	0	06	32
		11/1	0	08	09
		11/2	0	04	81
		18	0	00	00
		19	0	13	15
		20/1	0	00	00
		22	0	01	01
		23	0	11	13
		24	0	00	00
		145			
		04	0	01	81
		5/1	0	01	77
		5/2	0	06	58
		06	0	09	11
		5/2	0	06	58
		06	0	09	11
	28	151			
		03	0	03	79
		04	0	13	91
		06	0	08	35
		07	0	06	58
		15	0	09	36
		152			
		11	0	05	31

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Munak	28	19	0	03	04	Munak	28	16/1	0	00	51
Contd.		20	0	12	14	Contd.		16/2	0	02	28
		21	0	00	25			17	0	09	11
		22	0	12	39						
		23	0	11	38			234			
								2/2	0	06	58
	185							03	0	12	65
	10	0	01	52				04	0	12	65
	11	0	13	91				05	0	04	81
	12	0	01	77				06	0	07	33
	18	0	06	07				07	0	00	25
	23	0	11	13							
	24	0	06	58				260			
								05	0	00	51
	186							261			
	03	0	01	26							
	06	0	11	13				08	0	00	76
	15	0	00	76				09	0	14	92
								10	0	00	76
	194							12	0	01	26
	04	0	08	60				13	0	14	67
	05	0	09	86				14	0	00	25
	06	0	06	06				16	0	00	00
								17	0	14	42
	195							18	0	01	77
	09	0	00	51				24	0	03	04
	10	0	13	41							
	11	0	01	77				267			
	12	0	12	14				21	0	00	25
	13	0	03	04							
	17	0	05	82				268			
	19	0	00	25				01	0	12	14
	24/1	0	06	07				02	0	00	00
	24/2	0	01	77				08	0	00	00
	25	0	10	62				09	0	13	15
								10	0	03	29
	222							12	0	03	04
								13	0	13	15
	21	0	08	85				14	0	00	25
	22	0	00	25				16	0	00	25
								17	0	13	66
	223							24	0	02	53
	19	0	11	89				25	0	11	89
	20	0	12	65							
	23	0	05	56				269			
	24	0	12	14				05	0	00	76
	25	0	12	65							
								278			
	224							05	0	01	52
	12/1	0	01	52							
	12/2	0	00	25				279			
	13	0	11	38				01	0	14	42
	14	0	01	77				02	0	00	51
	15	0	00	51				08	0	01	01
	16	0	12	14				09	0	14	42
	17/1	0	02	53				10	0	01	52
	17/2	0	01	52				12	0	01	01
								13	0	09	86
	225							16	0	01	77
	01	0	12	65				24	0	01	01
	02	0	00	76				25	0	15	68
	08	0	04	05							
	09	0	16	44				280			
	10	0	01	52							
	12	0	00	00				21	0	01	52
	13	0	08	85							
	14	0	00	25							

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Munak	28	282						18	0	00	51
Contd.		21	0	02	53			24	0	00	51
		283						25	0	14	92
		02	0	01	52						
		08	0	03	29			284			
		09	0	13	91			05	0	00	51
		10	0	00	51						
		12	0	00	51			294			
		13	0	15	43			05	0	00	76
		14	0	01	52						
		16	0	01	77			295			
		17	0	14	67			01	0	01	77

Village	Hadbast No.	Killa No./ Survey No.	Kanal	Marla	Hectare	Acre	Centi are
1	2	3	4	5	6	7	8
Dachar	62	222					
		18	2	08	0	12	14
		24	2	09	0	12	39
		223					
		04	1	00	0	05	06
		05	2	04	0	11	13
		06	1	03	0	05	82
		224					
		10	2	00	0	10	12
		11	1	08	0	07	08
		12	1	15	0	08	85
		18	1	12	0	08	09
		19/1	1	01	0	05	31
		19/2	0	10	0	02	53
		23/1	0	06	0	01	52
		24/1	0	19	0	04	81
		254					
		10	1	00	0	05	06
		11	2	10	0	12	65
		18	0	08	0	02	02
		20	0	00	0	00	00
		22	0	01	0	00	25
		23/1	1	16	0	09	11
		23/2	1	03	0	05	82
		24	0	04	0	01	01
		255					
		4/1		09	0	02	28
		4/2	1	10	0	07	59
		05	1	03	0	05	82
		06	2	06	0	11	63

1	2	3	4	5	6	7	8
Dachar	62	259					
		03	0	01	0	00	25
		04	3	04	0	16	19
		05	0	02	0	00	51
		06	2	15	0	13	91
		15	0	13	0	03	29
		260					
		10	0	00	0	00	00
		11	2	11	0	12	90
		19	2	07	0	11	89
		20	0	18	0	04	55
		22	1	09	0	07	33
		23	2	00	0	10	12
		285					
		11	1	04	0	06	07
		19/2	1	00	0	05	06
		20	2	03	0	10	88
		22/1	0	16	0	04	05
		22/3	0	01	0	00	25
		23	0	15	0	03	79
		286					
		03	1	03	0	05	82
		04	1	14	0	08	60
		06	1	09	0	07	33
		07	1	14	0	08	60
		15	1	19	0	09	86
		296					
		03	2	10	0	12	65
		04	0	12	0	03	03
		6/2	0	07	0	01	77
		08	0	00	0	00	00
		14	0	02	0	00	51
		297					
		11	0	04	0	01	01
		19	0	02	0	00	51
		20	2	17	0	14	42
		21	0	07	0	01	77
		23/2	0	00	0	00	00
		305					
		03	3	2	0	15	68
		07	2	5	0	11	38
		08	0	16	0	04	04
		14	1	0	0	05	06
		15	2	3	0	10	87
		16	0	7	0	01	77

का. प्रा. 37—केन्द्रीय सरकार, ने पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हमने इस पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. प्रा. 2683 तारीख 13 अक्टूबर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पार्श्वलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी

राजपक्षित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 22 अक्टूबर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सकल प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय सभी विल्लगनों से मुक्त इंडियन प्रायस कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अधिसूची

तहसील : रिवाड़ी	जिला : रिवाड़ी	राज्य : हरियाणा			
गांव का नाम	हवमस्त नं.	मुस्तौल नं.	क्षेत्रफल		
	नं.	किला सं.	हैक्टर	घर.	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
जैनरावास	143	5			
		21	0	04	05
		22	0	06	83
		11			
		16	0	03	29
		23	0	06	58
		24	0	13	40
		25/1	0	03	04
		25/2	0	06	07
		12			
		1	0	09	86
		12	0	00	76
		13	0	11	89
		14/1	0	09	86
		14/2	0	03	29
		15	0	03	54

	2	3	4	5	6
जैनरावास	143	12			
		20	0	12	64
		13			
		06	0	09	81
		07	0	12	39
		08	0	08	60
		09	0	12	65
		14	0	00	00
		15	0	02	53
		14			
		03	0	01	77
		04	0	11	63
		05	0	12	90
		07	0	01	52
		8/1	0	11	13
		09	0	12	14
		10	0	12	64
		11/1	0	00	00
		25			
		2/1	0	05	82
		2/2	0	07	33
भाइरावास	145	18			
		15	0	00	76
		19			
		11	0	08	60
		20	0	11	63
		21	0	11	38
		22	0	00	51
		21			
		01	0	02	51
		02	0	09	36
		09	0	11	63
		12	0	11	13
		19	0	11	13
		22	0	09	86
		49			
		03	0	03	54
		23	0	11	13
		54			
		03	0	11	13
		08	0	11	13
		13	0	11	13
		17	0	04	30
		18/1	0	02	53
		24/2	0	05	82
		78			
		06	0	11	13
		15	0	10	12
		16	0	00	25
		79			
		11/1	0	02	53
		20	0	12	39
		21	0	11	13
		22	0	01	52

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
भाइराजम	145	80				भाइराजम	150	8			
		01	0	00	51			16	0	00	76
		02	0	12	14			17/2	0	01	26
		08	0	01	27			18	0	03	04
		09	0	11	38			24	0	02	02
		12	0	01	01			25	0	12	39
		13	0	11	63			9			
		18	0	05	56			21	0	12	90
		105						22	0	03	79
		1/1	0	11	63			14			
		1/2	0	00	70			03	0	02	02
		106						09	0	02	03
		03	0	04	55			12	0	01	01
		4/1	0	01	77			16			
		4/2	0	09	11			03	0	10	62
		05	0	12	39			04	0	12	64
		07	0	01	52			05	0	03	04
		8/1	0	07	84			06	0	05	31
		10	0	12	39			07	0	00	51
		107						17			
		06	0	12	39			01	0	02	03
		07	0	12	39	भाइराजम	148	28			
		09	0	02	78			14	0	08	86
		11	0	11	38			16/1	0	03	54
		12	0	09	61			16, 2	0	09	11
		109						17	0	07	08
		16	0	12	39			25	0	02	28
		18	0	12	39			29			
		19	0	03	04			20/2	0	00	25
		20	0	01	52			21/1	0	11	38
		21	0	10	88			37			
		22	0	07	08			11	0	00	25
		23/2	0	00	00			19	0	02	03
		110						23/1	0	01	27
		25	0	12	90			23/2	0	07	08
		119						38			
		16	0	17	20			15	0	13	40
		18	0	00	00			16	0	01	77
		22	0	05	82			44			
		23	0	15	93			03	0	11	63
		24	0	00	25			04	0	00	51
		120						07	0	09	11
		06	0	13	40			08	0	02	53
		11	0	01	52			14	0	12	14
		12	0	11	63			17	0	10	62
		14	0	05	06			24	0	00	00
		19	0	01	27			25	0	10	37
		20/1	0	08	35			48			
		20, 2	0	03	04			10	0	01	01
		121						11	0	01	77
		01	0	05	06						
		02	0	11	89						
		03	0	11	63						
		04	0	00	51						
		10	0	08	35						
		245	0	04	05						

1	2	3	4	5	6
जातुवात	148	49			
		05	0	12	14
दालीवाकी	133	12			
		04	0	08	85
		05	0	10	12
		06	0	04	55
		13			
		09	0	00	76
		10	0	13	91
		11	0	01	26
		12	0	14	16
		13/1	0	00	76
		13/2	0	01	26
		17/2	0	07	59
		18	0	11	13
		24	0	07	34
		25	0	12	14
		14			
		21/2	0	00	00
		15			
		1/1	0	04	55
		1/2	0	10	12
		8/1	0	00	00
		8/2	0	05	56
		9/1	0	01	01
		9/2	0	10	62
		10	0	00	51
		13	0	09	86
		16			
		5/1	0	03	04
		37	0	02	78
हुसैन पुर	134	46			
		18/1	0	07	08
		18/2	0	01	52
		23/2	0	07	59
		24	0	08	60
		51			
		04	0	08	60
		05	0	00	76

[सं. ओ-31015/13, 80-ओ. प्रार.-I]

S.O. 37.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2683, dated the 13th October, 1990 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 22nd October 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Rewari District : Rewari State : Haryana					
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No./Killa No.	Hec- tare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Jaitarawas	143	5			
		21	0	04	05
		22	0	06	83
		11			
		16	0	03	29
		23	0	06	58
		24	0	13	40
		25/1	0	03	04
		25/2	0	06	07
		12			
		06	0	09	86
		12	0	00	76
		13	0	11	89
		14/1	0	09	86
		14/2	0	03	29
		15	0	03	54
		13			
		06	0	09	61
		07	0	12	39
		08	0	08	60
		09	0	12	65
		14	0	00	00
		15	0	02	53
		14			
		03	0	01	77
		04	0	11	63
		05	0	12	90
		07	0	01	52
		8/1	0	11	13
		09	0	12	14
		10	0	12	64
		11/1	0	00	00
		25			
		2/1	0	05	82
		2/2	0	07	33

1	2	3	4	6	1	2	3	4	5
Bhadawas	145	18					23/2	0	00 00
		15	0 00	76			110		
		19					25	0	12 90
		11	0 08	60			119		
		20	0 11	63			16	0	17 20
		21	0 11	38			18	0	00 00
		22	0 00	51			22	0	05 82
		21					23	0	15 93
		01	0 02	53			24	0	09 25
		02	0 09	36			120		
		09	0 11	63			06	0	13 40
		22	0 11	13			11	0	01 52
		19	0 11	13			12	0	11 63
		22	0 09	86			14	0	05 06
		49					19	0	01 27
		03	0 03	54			20/1	0	08 35
		23	0 11	13			20/2	0	03 04
		54					121		
		03	0 11	13			01	0	05 06
		08	0 11	13			02	0	11 89
		13	0 11	13			03	0	11 63
		17	0 04	30			04	0	00 51
		13/1	0 02	53			10	0	08 35
		24/2	0 05	28			245	0	04 05
		78							
		06	0 11	13	Bhambadi	150	8		
		15	0 10	12			16	0	00 76
		16	0 00	25			17/2	0	01 26
		79					18	0	03 04
		11/1	0 02	53			24	0	02 02
		20	0 12	39			25	0	12 39
		21	0 11	13			9		
		22	0 01	52			21	0	12 90
		80					9		
		01	0 00	51			22	0	03 79
		02	0 12	14			14		
		08	0 01	27			03	0	02 02
		09	0 11	38			09	0	02 03
		12	0 01	01			12	0	01 01
		13	0 11	63			16		
		18	0 05	56			03	0	10 62
		105					04	0	12 64
		1/1	0 11	63			05	0	03 41
		1/2	0 00	76			06	0	05 31
		106					07	0	00 51
		03	0 04	55			17		
		4/1	0 01	77			01	0	02 03
		0/2	0 09	11	Jatuwas	148	28		
		05	0 12	39			14	0	08 85
		07	0 01	52			16/1	0	03 54
		8/1	0 07	84			16/2	0	09 11
		10	0 12	39			17	0	07 08
		107					25	0	02 28
		06	0 13	39			29		
		07	0 12	39			20/2	0	00 25
		09	0 02	78			21/1	0	11 38
		11	0 11	38			37		
		12	0 09	61			11	0	00 25
		109					19	0	02 03
		16	0 12	39			23/1	0	01 27
		18	0 12	39			23/2	0	07 08
		19	0 03	04			38		
		20	0 01	52			15	0	13 40
				88			16	0	01 77
		22	0 07	08			44		
							03	0	11 63

1	2	3	4	5	6
Jatuwas—Contd.		04	0	00	51
		07	0	09	11
		08	0	02	53
		14	0	12	14
		17	0	10	62
		24	0	00	00
		25	0	10	37
		48			
		10	0	01	01
		11	0	01	77
		49			
		05	6	12	14
Daliyak	133	12			
		04	0	08	85
		05	0	10	12
		06	0	04	55
		13			
		09	0	00	76
		10	0	13	91
		11	0	01	26
		12	0	14	16
		13/1	0	00	76
		13/2	0	01	26
		17/2	0	07	59
		18	0	11	13
		24	0	07	34
		25	0	12	14
		14			
		21/2	0	00	00
		15			
		1/1	0	04	55
		1/2	0	10	12
Hussainpur	134	8/1	0	00	00
		8/2	0	05	56
		9/1	0	01	01
		9/2	0	10	62
		10	0	00	51
		13	0	09	86
		16			
		5/1	0	03	04
		37	0	02	78
		46			
		18/1	0	07	08
		18/2	0	01	52
		23/2	0	07	59
		24	0	08	60
		51			
		04	0	08	60
		05	0	00	76

[No. O-31015/13/89-O.R-I]

का. आ. 38.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 2684 तारीख 13 अक्टूबर, 1990 द्वारा

पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी :

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 22 अक्टूबर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विल्लगनों से मुक्त इंडियन प्रायल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

तहसील—फागी	जिला—जयपुर	राज्य—राजस्थान	क्षेत्रफल	
नाम ग्राम	खसरा नम्बर	हेक्टर	एयर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
नथमलपुरा	61	—	35	86
	4	—	81	74
मोहनपुरा	494	—	37	08
खेड़ा हनुमानजी	86	—	28	62
	16	—	05	76
	5	—	32	22
	3	—	20	34
	2	—	17	46
	1	—	25	56
माधोराजपुरा	1950	—	27	72
	1948	—	16	29
	1946	—	10	62
	1945	—	9	72

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
माधोराजपुरा (जारी) 1944	---	9	00			116	---	02	24
1943	---	7	92			115	---	03	90
1966	---	10	80			114	---	07	92
1967	---	12	60			109	---	02	16
1969	---	7	56			84	---	08	28
1939	---	2	16			83	---	27	09
1970	---	19	44			262	---	19	52
1971	---	61	38			263	---	02	80
1922	---	16	92			260	---	09	36
1935	---	10	08			269	---	14	76
1906/2330	---	35	28			276	---	11	88
1907	---	18	98			281	---	3	60
1904/2331	---	1	54			283	---	05	04
1908	---	19	80			282	---	15	20
1910	---	5	40			288	---	2	80
1886	---	20	16		दुवली	920	---	08	28
1885	---	24	12			916	---	02	88
1888	---	10	44			917	---	12	96
1834	---	45	00			915	---	01	80
1460	---	19	08			918	---	---	36
1461	---	16	92			914	---	14	40
1462	---	11	16			912	---	---	48
1463	---	22	68			911	---	---	72
1403	---	16	92			897	---	06	48
1406	---	23	04			898	---	05	76
1407	---	10	08			899	---	09	00
1408	---	9	00			901	---	09	72
1524/2288	---	18	18			892	---	01	44
1368	---	21	96						
1367	---	3	72		झाडला	675	---	25	56
1366	---	10	44			675/774	---	07	74
1365	---	10	08			675/773	---	14	40
1347	---	06	40			675/772	---	24	84
1335	---	10	44			675/771	---	15	84
1338	---	1	76			675/770	---	12	60
1339	---	6	12			675/769	---	05	40
39	---	17	12			674	---	23	76
38	---	1	60			668	---	---	90
41	---	42	84			672	---	38	18
52	---	06	24			338	---	01	98
51	---	09	78			337	---	---	57
67	---	08	28			331	---	54	00
68	---	08	64						
69	---	09	36						
65	---	---	36						
74	---	03	42		काटोली	36	---	16	02
64	---	06	48			35	---	10	98
75	---	---	48			34	---	14	04

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
काटोली (आरा)	33	—	10	44					
	32	—	18	36		109/312	—	13	68
	31	—	14	22		107	—	03	60
	30	—	13	86		108	—	02	16
	29	—	17	64		104	—	26	28
	28	—	16	20		103	—	19	44
	27	—	15	66		92	—	04	50
	26	—	16	72		91	—	15	84
	25	—	13	92		87	—	06	12
	24	—	14	40		85	—	19	44
	3	—	21	78		83	—	01	54
	2	—	14	22		81	—	01	00
	7	—	05	04		181	—	09	72
	6	—	13	32		180	—	07	56
	5	—	08	64		183	—	14	40
	15	—	05	40		179	—	—	90
						185	—	14	04
बित्तोड़ा	1534	—	30	60		188	—	02	73
	1535	—	01	80		189	—	05	72
	1536	—	10	80		190	—	03	64
	1537	—	01	98		201	—	09	72
	1135	—	47	88		202	—	12	24
	1127	—	17	64		207	—	—	36
	1126	—	06	48		206	—	07	56
	1139	—	12	96		205	—	11	88
	1123	—	20	16					
	1146	—	16	20	बांदाबास	436	—	12	96
	1098	—	08	02		435	—	07	20
	1099	—	03	50		432	—	20	52
	1090	—	15	12		431	—	—	36
	1081	—	18	00		430	—	21	24
	1097	—	04	50		426	—	03	24
	1095	—	06	48					
	1094	—	11	52	मोहनबातपुरा	1095	—	09	00
	1168	—	05	76		1094	—	11	52
	1025	—	01	04		1089	—	14	76
	1015	—	26	32		1088	—	—	60
	1018	—	18	72		1087	—	16	68
	1020	—	22	68		1079	—	19	80
	1003	—	97	20		1081	—	01	92
	0012	1	17	36		1085	—	—	96
						1082	—	07	56
मानपुरा	115	—	37	80		1060	—	22	57
	114	—	24	84		1059	—	01	19
	113	—	30	96		1064	—	06	00
	111	—	09	36		1057	—	—	64
	110	—	09	36		1065	—	—	48
	109	—	16	20		1056	—	05	84

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1040	—	—	64		436	—	—	48
	1045	—	08	28		434	—	06	36
	1044	—	12	24		433	—	02	94
	1047	—	—	20		432	—	14	22
	921	—	02	70		429	—	04	68
	922	—	02	10		427	—	01	30
	971	—	21	96		428	—	09	14
	972	—	06	34		565	—	09	36
	973	—	02	66		570	—	—	20
	975	—	15	36		569	—	15	12
	974	—	02	28		568	—	03	60
	978	—	08	28		567	—	10	80
	980	—	05	10		593	—	08	28
	979	—	—	20		594	—	—	60
	981	—	02	08					
	983	—	—	32	बांसगी जोगियान	976	—	08	24
	982	—	07	24		978	—	14	24
	987	—	10	44		780	—	—	10
	988	—	05	40		982	—	09	00
	273	—	07	34		985	—	—	90
	961	—	01	20		990	—	04	86
	274	—	—	20		989	—	13	62
	283	—	09	27		987	—	24	42
	282	—	10	08		1043	—	05	50
	286	—	09	90		1048/1	—	16	38
	253	—	09	72		1051	—	01	08
	247	—	06	84		1052	—	16	82
	248	—	07	20		1060	—	—	20
	238	—	01	80		1053	—	08	80
	237	—	10	08		494	—	09	36
	236	—	01	80		493	—	11	88
	311	—	13	68		492	—	09	72
	389	—	04	15		491	—	05	24
	391	—	01	44		486	—	04	32
	388	—	10	97		490	—	09	36
	387	—	01	08		502	—	02	52
	368	—	04	32		489	—	01	92
	369	—	09	00		473	—	32	40
	381	—	—	20		548	—	01	28
	380	—	10	50		565	—	45	16
	371	—	02	10		568	—	01	08
	372	—	09	36		414	—	02	88
	376	—	—	20		406	—	21	60
	375	—	10	98		407	—	12	60
	418	—	01	08		404	—	10	08
	419	—	12	24		313	—	03	60
	435	—	03	60		344	—	17	28

2	3	4	5
345	---	10	48
346	---	10	09
338	---	15	48
351	---	16	56
352	---	03	76
353	---	07	04
354	---	51	12
311	---	12	80
307	---	32	86
306	---	01	32
305	---	31	32
304	---	07	38
303	---	04	48
302	---	08	12
300	---	08	28
289	---	10	98
288	---	13	36
287	---	---	64
285	---	04	50
284	---	01	12
277	---	07	74
278	---	09	66
276	---	09	00
258	---	01	23
260	---	10	08
262	---	09	00
264	---	08	64
265	---	02	96
220	---	28	08
213	---	16	86

[सं. ओ.—31015/5/89—ओ. प्रार.-I]

S.O. 38.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2684, dated the 13th October, 1990 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 22nd October, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil—Phagi District—Jaipur State—Rajasthan

Name of village	Survey No.	Area		
		Hectare	Are	Square Mtrs.
1	2	3	4	5
Nathmalpura	61	---	35	86
	4	---	81	74
Mohanpura	494	---	37	08
Khera Hanumanji	86	---	28	62
	16	---	05	72
	5	---	32	22
	3	---	20	34
	2	---	17	46
	1	---	25	56
Madhorajpura	1950	---	27	72
	1948	---	16	29
	1946	---	10	62
	1945	---	09	72
	1944	---	09	00
	1943	---	07	92
	1966	---	10	80
	1967	---	12	60
	1969	---	07	56
	1939	---	02	16
	1970	---	19	44
	1971	---	61	38
	1922	---	16	92
	1935	---	10	08
	1906/2330	---	35	28
	1907	---	18	98
	1904/2331	---	01	54
	1908	---	19	80
	1910	---	05	40
	1886	---	20	16
	1885	---	24	12
	1888	---	10	44
	1834	---	45	00
	1460	---	19	08
	1461	---	16	92
	1462	---	11	16
	1463	---	22	68
	1403	---	16	92
	1406	---	23	04
	1407	---	10	08
	1408	---	09	00
	1524/2288	---	18	18
	1368	---	21	96
	1367	---	03	72
	1366	---	10	44
	1365	---	10	08

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	1347	—	06	40		28	—	16	20
	1335	—	10	44		27	—	15	66
	1338	—	01	76		26	—	16	72
	1339	—	06	12		25	—	13	92
	39	—	17	12		24	—	14	40
	38	—	01	60		3	—	21	78
	41	—	42	84		2	—	14	22
	52	—	06	24		7	—	05	04
	51	—	09	78		6	—	13	32
	67	—	08	28		5	—	08	64
	68	—	08	64		15	—	05	40
	69	—	09	36	Cheetoada	1534	—	30	60
	65	—	00	36		1535	—	01	80
	74	—	03	42		1536	—	10	80
	64	—	06	48		1537	—	01	98
	75	—	—	48		1135	—	47	88
	116	—	02	24		1127	—	17	64
	115	—	03	90		1126	—	06	48
	114	—	07	92		1139	—	12	96
	109	—	02	16		1123	—	20	16
	84	—	08	28		1146	—	16	20
	83	—	27	00		1098	—	08	02
	262	—	19	52		1099	—	03	50
	263	—	02	80		1090	—	15	12
	260	—	09	36		1091	—	18	00
	269	—	14	76		1097	—	04	50
	276	—	11	88		1095	—	06	48
	281	—	03	60		1094	—	11	52
	283	—	05	04		1168	—	05	76
	282	—	15	20		1025	—	01	04
	288	—	02	80		1015	—	26	32
Datuli	920	—	08	28		1018	—	18	72
	916	—	02	88		1020	—	22	68
	917	—	12	96		1003	—	97	20
	915	—	01	80		0012	1	17	36
	918	—	—	36	Manpur Get	115	—	37	80
	914	—	14	40		114	—	24	84
	912	—	—	48		113	—	30	96
	911	—	—	72		111	—	09	36
	897	—	06	48		110	—	11	52
	898	—	05	76		109	—	16	20
	899	—	09	00		109/312	—	13	68
	901	—	09	72		107	—	03	60
	892	—	01	44		108	—	02	16
Jharla	675	—	25	56		104	—	26	28
	674/774	—	07	74		103	—	19	44
	675/773	—	14	40		92	—	04	50
	675/772	—	24	84		91	—	15	84
	675/771	—	15	84		87	—	06	12
	675/770	—	12	60		85	—	19	44
	675/769	—	05	40		83	—	01	54
	674	—	23	76		81	—	01	00
	668	—	—	90		181	—	09	72
	672	—	38	18		180	—	07	56
	338	—	01	98		183	—	14	40
	337	—	—	57		179	—	—	90
	331	—	54	00		185	—	14	04
Kantoli	36	—	16	02		188	—	02	73
	35	—	10	98		189	—	05	72
		—	14	04		190	—	03	64
		—	10	44		201	—	09	72
	32	—	18	36		202	—	12	24
	31	—	14	22		207	—	—	36
	30	—	13	86		206	—	07	56
	29	—	17	64		205	—	11	88

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Chandawas	436	—	12	96		375	—	10	98
	435	—	07	20		418	—	01	08
	432	—	20	52		419	—	12	24
	431	—	—	36		435	—	03	60
	430	—	21	24		436	—	—	48
	426	—	03	24		434	—	06	36
						433	—	02	94
Mohabbatpura	1095	—	09	00		432	—	14	22
	1094	—	11	52		429	—	04	68
	1089	—	14	76		427	—	01	30
	1088	—	—	60		428	—	09	14
	1087	—	16	68		565	—	09	36
	1079	—	19	80		570	—	—	20
	1081	—	01	92		569	—	15	12
	1085	—	—	96		567	—	10	80
	1082	—	7	56		593	—	08	28
	1060	—	22	57		594	—	—	60
	1059	—	01	09					
	1064	—	06	00	Basri Jogeyan	976	—	08	24
	1057	—	—	64		978	—	14	24
	1065	—	—	48		980	—	—	10
	1056	—	05	84		982	—	09	00
	1046	—	—	64		985	—	—	90
	1045	—	8	28		990	—	04	86
	1044	—	12	24		989	—	13	62
	1047	—	—	20		987	—	24	42
	921	—	02	70		1043	—	05	50
	922	—	02	10		1047	—	09	72
	971	—	21	96		1048/1	—	16	38
	972	—	06	34		1051	—	01	08
	973	—	02	66		1052	—	16	82
	975	—	15	36		1060	—	—	20
	974	—	02	28		1053	—	08	80
	978	—	08	28		494	—	09	36
	980	—	05	10		493	—	11	88
	979	—	—	20		492	—	09	72
	981	—	02	08		491	—	05	24
	983	—	—	32		486	—	04	32
	982	—	07	24		490	—	09	36
	987	—	10	44		502	—	02	52
	988	—	05	40		489	—	01	92
	273	—	07	34		473	—	32	40
	961	—	01	20		458	—	01	28
	274	—	—	20		565	—	45	16
	283	—	09	27		568	—	01	08
	282	—	10	08		414	—	02	88
	286	—	09	90		406	—	21	60
	253	—	09	72		407	—	12	60
	247	—	06	84		404	—	10	08
	248	—	07	20		343	—	03	60
	238	—	01	80		344	—	17	28
	237	—	10	08		345	—	10	08
	236	—	01	80		338	—	15	48
	311	—	13	68		351	—	16	56
	389	—	04	15		352	—	03	76
	391	—	01	44		353	—	07	04
	388	—	10	97		354	—	51	12
	387	—	01	08		311	—	12	80
	368	—	04	32		307	—	32	86
	369	—	09	00		306	—	01	32
	381	—	—	20		305	—	31	32
	380	—	10	50		304	—	07	38
	371	—	02	10		303	—	04	48
	372	—	09	36		302	—	08	12
	376	—	—	20		300	—	08	28

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	6
Basri Jogeyan—Contd.	289		10	98	भवराना	4				
	288		13	36			52			
	287			64						
	285		04	50						
	284		01	12			13/2			51
	277		07	74			14		10	62
	278		09	66			15		12	64
	276		09	00			17		02	28
	258		01	25			19		06	07
	260		10	08			18/1		01	52
	262		09	00	प्रागपुरा	3	27			
	264		08	64						
	265		02	96						
	220		28	08			3/1		09	11
	213		16	86			3/2			

[No. O-31015/5/89—O.R. -1]

का. भा. 39 —केन्द्रीय सरकार ने, पैट्रोलेियम और खनिज वाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पैट्रोलेियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 3036 तारीख 17 नवम्बर, 1990 द्वारा पैट्रोलेियम के परिवहन के लिए वाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने प्रारम्भ की घोषणा की थी :

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 22 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी :

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में मशम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध भूमि में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विषयों से मुक्त इंडियन प्रायव कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अधिसूची

नहसील : बाबत जिला : रिवाड़ी राज्य : हरियाणा

गांव का नाम हवबस्त नं. मुस्तलीस नं. भेलफल
किला नं.
हेक्टर चार बर्ग मीटर

1	2	3	4	5	6
भवराना	4	51			
		10/1		07	08
		10/2		01	52
		11		04	95

सुलखा	2	22			
		10		03	29
		23			
		5			25
		6		13	40
		7		12	14
		8		01	26
		11		03	54
		12		13	41
		13		11	89
		14		01	01
		24			
		16		12	64
		17		06	58
		21/2			25
		24		06	58
		32			
		16		08	60
		17		13	41
		18		06	32
		22		13	41
		33		07	08
		33			
		5		11	89
		33			
		6		01	27
		9		01	77
		11		13	41
		12		09	86
		13			25
		34			

1	2	3	4	5
सुलखा	2	1/2	--	04 55
		2/1	--	02 78
		2/2	--	76
		45		
		3	--	26
		4/1	--	51
		4/2	--	03 79
		4/3	--	05 56
		7	--	03 29
		8	--	13 41
		9	--	11 38
		45		
		10	--	04 56
		12	--	01 77
		46		
		14	--	02 28
		15	12	12 64
		16	--	51
		17	--	10 87
		18/2	--	13 15
		22	--	09 86
		23	--	25

[सं.प्रो.-31028/13/89-प्रो.प्रार-I]

S.O. 39.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 3056, dated the 17th November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 22nd November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section 1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Bawal		District : Rewari		State : Haryana	
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasta No./ Mustateel No/ Killa No.	Hectare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Bhadra	4	51			
		10/1	--	07	08
		10/2	--	01	52
		11	--	04	05
		52			
		13/2	--	--	51
		14	--	10	62
		15	--	12	64
		17	--	02	28
		19	--	06	07
		18/1	--	01	52
Pragpur	3	27			
		3/1	--	09	11
		3/2	--	--	--
		4/1	--	01	01
		4/2	--	11	89
		8	--	04	55
		9	--	07	08
Sulakha	2	22			
		10	--	03	29
		23			
		5	--	--	25
		6	--	13	40
		7	--	12	14
		8	--	01	26
		11	--	03	54
		12	--	13	41
		23			
		13	--	11	89
		14	--	01	01
		24			
		16	--	12	64
		17	--	06	58
		21/2	--	--	25
		24	--	06	58
		32			
		16	--	08	60
		17	--	13	41
		18	--	06	32
		22	--	13	41
		23	--	07	08
		33			
		5	--	11	89
		6	--	01	27
		9	--	01	77
		11	--	13	41
		12	--	09	86
		13	--	--	25

1	3	4	5	6
Sulakha	34			
	1/2	—	04	55
	2/1	—	02	78
	2/2	—	—	76
	45			
	3	—	—	26
	4/1	—	—	51
	4/2	—	03	79
	4/3	—	05	56
	7	—	03	29
	8	—	13	41
	9	—	11	38
	45			
	10	—	04	56
	12	—	01	77
	46			
	14	—	02	28
	15	—	12	64
	16	—	—	51
	17	—	10	87
	18/2	—	13	15
	22	—	09	86
	23	—	—	25

[No. O-31015/13/89-O.R.-I]

नई दिल्ली, तारीख 16-12-1991

का.आ. 40 --केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाद-
साधन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962
(1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया
है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार
के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संरक्षण की अधिसूचना में, का.आ.
1053 तारीख 13 अप्रैल, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए
पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में
विविष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की
घोषणा की थी :

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 अप्रैल, 1991
को उपलब्ध करा दी गई थी :

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में
सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है :

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह
समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विविष्ट
भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाय।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना से
उपाखण्ड अनुसूची में विविष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जन करने
की घोषणा करती है :

यह धोर कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त भूमि
के उपयोग की अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाए सभी
विलगनों से मुक्त इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अधिसूची					
तहसील : केवल	जिला :	केवल	राज्य :	हरियाणा	
गांव का नाम	हव बस्त मं.	भूखंडीय नं किला नं.	क्षेत्रफल		
			हेक्टर	घार	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
डींग	43	07			
		10	0	01	01
		12	0	02	02
		17	0	05	06
		19	0	14	16
		20/1	0	00	25
		24	0	08	69
		08			
		15	0	00	51
		15			
		05	0	03	79
		16			
		01	0	12	39
		09	0	13	15
		10	0	03	54
		12	0	03	04
		16			
		13	0	12	90
		14	0	00	00
		16	0	00	25
		17	0	13	15
		24	0	01	77
		25	0	12	65
		25			
		08	0	01	26
		09	0	15	18
		10	0	00	76
		12	0	00	51
		13	0	14	92
		14	0	01	77
		16/ 2	0	02	53
		17	0	14	16
		18	0	00	25
		25/ 2	0	12	39
		26			
		05	0	00	76
		42			
		01	0	11	80
		02	0	04	30
		08	0	04	55
		09	0	11	89
		13	0	11	38
		14	0	05	82
		16	0	05	31
		17	0	10	37
		25	0	08	35
		43			
		21	0	07	34

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
डीग	43	47				हाथरी	31	11	0	09	36
		21/2	0	01	52			19	0	12	14
		48						20	0	05	31
		09	0	08	09			22	0	04	05
		14	0	09	86			23	0	13	15
		17	0	06	58			24	0	00	00
		72						395			
		01	0	05	06			03	0	09	36
		02	0	12	14			04	0	07	58
		09	0	07	84			06	0	08	85
हाथरी	31	334						07	0	06	60
		21	0	08	86			15	0	07	33
		337						407			
		01	0	06	07			03	0	04	05
		02	0	11	89			05	0	03	03
		08	0	14	17	हजबाना	45	07	0	01	52
		09	0	03	79			04			
		13	0	02	28			21	0	04	55
		14/1	0	03	54			05			
		14/2	0	10	37			25	0	00	76
		15	0	00	51			17			
		16	0	14	67			01	0	10	88
		17	0	01	01			02	0	05	06
		25	0	00	25			08	0	04	55
		338						09	0	11	89
		20	0	01	26			13	0	12	39
		21	0	13	66			14	0	03	79
		22	0	02	53			16	0	02	78
		362						17	0	13	41
		21	0	03	54			24	0	00	00
		22	0	12	90			25	0	13	40
		23	0	00	00			70			
		363						05	0	07	84
		07	0	08	09			71			
		14	0	06	83			01	0	08	85
		15	0	10	12			09	0	11	63
		16	0	05	06			10	0	05	82
		371						12	0	04	55
		02	0	02	28			13	0	10	12
		03	0	14	42			14/2	0	00	00
		04	0	00	51			16	0	00	76
		06	0	01	26			18	0	03	79
		07	0	14	92			34	0	01	01
		08	0	01	01			25	0	14	42
		14	0	00	25			72			
		15	0	14	67			21	0	01	52
		16	0	00	00			74			
		372						01	0	14	16
		11	0	02	28			02	0	02	78
		19	0	04	82			08	0	04	55
		20	0	13	91			09	0	13	15
		22	0	11	63			10	0	00	00
		23	0	04	55			13	0	07	84
		394						75			
								05	0	00	25

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
अरुणाचल	30	66				पुष्करी	26(कमराः)	07	0	10	12
		05	0	00	00			8/1	0	07	33
		67						14	0	08	07
		02	0	03	04			18	0	11	63
		08	0	07	08			16	0	04	30
		09	0	10	87			206			
		12	0	08	60			20	0	10	88
		14	0	08	09			21	0	03	04
		16/1	0	04	53			22	0	13	40
		16/2	0	06	83			23	0	00	00
		17/1	0	06	58			238			
		25	0	04	05			11/1	0	02	02
		80						19	0	03	04
		21	0	10	37			20/1	0	03	29
		88						20/2	0	09	35
		2/1	0	00	76			22	0	12	90
		2/2	0	08	60			23	0	04	81
		08	0	08	85			237			
		89						02	0	02	02
		09	0	06	06			03	0	14	67
		13	0	08	09			04	0	00	51
		14	0	07	84			06	0	01	01
		16	0	07	08			07	0	15	43
		17	0	08	09			08	0	01	01
		26	0	08	61			14	0	00	76
गर्ग	48	22						15	0	13	91
		23	0	06	08			16	0	00	00
पुष्करी	26	162						245			
		07	0	01	77			03	0	11	38
		08	0	08	60			04	0	06	32
		13	0	00	25			06	0	10	63
		14	0	14	17			07	0	09	61
		15/1	0	02	28			15	0	03	28
		15/2	0	00	00			246			
		16	0	14	16			10	0	00	00
		17	0	00	00			11	0	09	36
		25	0	00	00						
		163				ककीरा	3	02			
		20	0	01	62			11	0	03	54
		21	0	13	40			16	0	09	36
		22	0	04	05			20/1	0	02	78
		200						20/2	0	07	08
		20	0	04	55			22	0	06	08
		21	0	10	12			23	0	12	64
		22/2	0	00	76			03			
		201						09	0	00	00
		07	0	05	06			10	0	10	87
		08	0	11	89			31			
		14	0	11	38			21	0	04	55
		15	0	05	31			22	0	14	42
		16	0	10	12			23	0	01	52
		205						32			
		02	0	06	85			2/1	0	03	04
		03	0	08	60			2/2	0	03	29

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
कफौत	5 (क्रमशः)	07	0	00	25	कफौत	5 (क्रमशः)	22	0	01	52
		08	0	12	80			23	0	13	86
		9/1	0	04	30			24	0	01	52
		9/2	0	03	29			25			
		13	0	02	02			24	0	12	65
		14	0	07	84			05	0	07	33
		16	0	04	55			06	0	07	33
		26	0	14	67			24			
		33						09	0	00	00
		05	0	00	51			10	0	12	90
		51						11	0	02	02
		2/2	0	00	76			12	0	13	16
		03	0	13	66			13	0	04	05
		04	0	04	55			16	0	00	25
		06	0	11	89			17	0	11	38
		07	0	08	60			18/1	0	01	77
		15	0	03	03			18/2	0	07	84
		52						24	0	01	77
		11	0	14	42			25	0	13	40
		12	0	02	78			31			
		18	0	08	60			20	0	09	86
		19	0	12	15			60			
		20	0	00	00			16	0	04	30
		23	0	06	32			17	0	12	14
		24	0	13	66			18	0	00	25
		25	0	00	76			25	0	08	60
		59						61			
		21	0	07	08			04	0	01	01
		60						5/1	0	10	37
		01	0	05	82			5/2	0	02	02
		09	0	11	38			86			
		10	0	09	10			01	0	09	36
		12	0	04	05			02	0	07	34
		13	0	13	66			08	0	08	10
		14	0	02	53			09	0	08	85
		03						13	0	08	10
		11	0	03	54			14	0	08	85
		12	0	13	66			16	0	08	10
		18	0	00	76			17	0	07	58
		19	0	00	00			25	0	07	33
		04						87			
		03	0	02	78			21	0	09	36
		4/1	0	00	76			91			
		4/2	0	08	60			21	0	12	90
		05	0	04	05			22	0	00	00
		8/1	0	08	83			92			
		8/2	0	02	03			01	0	07	08
		10						02	0	10	37
		20	0	06	58			08	0	11	38
		21	0	11	63			09	0	05	82
		12						13	0	04	80
		01	0	00	76			14	0	12	14
		09	0	05	06			16	0	12	90
		10	0	00	51			25	0	03	03
		12	0	11	38			119			
		19	0	12	13			01	0	02	78

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
कमीत	5(कमराः)	02	0	14	42	कुलदारत	27(कमराः)	19	0	05	06
		03	0	00	25			20	0	10	87
		07	0	00	51			22	0	11	89
		08	0	14	66			23	0	03	03
		09	0	02	27			58			
		13	0	00	51			11/1	0	01	52
		119						19/2	0	00	76
		14	0	14	16			20/1	0	11	38
		15	0	00	76			20/2	0	03	29
		16	0	14	92			21	0	00	76
		17	0	00	76			22/1	0	11	13
		25	0	00	51			22/2	0	02	63
		120						23/1	0	00	00
		20	0	00	76			69			
		21	0	14	91			03	0	12	65
		22	0	01	27			04	0	03	04
		121						06	0	02	02
		01	0	00	51			7/1	0	04	05
		02	0	14	93			7/2	0	09	36
		03	0	01	52			14	0	00	25
		08	0	05	66			15	0	13	65
		09	0	00	25			16	0	00	25
								63			
								04	0	00	00
								06	0	00	51
मुन्सरी	6	100						07	0	11	13
		12	0	01	01			08	0	02	28
		13	0	04	81			14/1	0	00	25
		17	0	10	63			14/2	0	02	78
		18	0	11	12			15	0	11	38
		24	0	04	05						
		25	0	14	17	मुन्सरी	26	113			
		102						20	0	04	55
		05	0	00	00			21	0	11	63
		103						22	0	06	07
		01	0	11	89			114			
		08	0	14	16			13	0	00	25
		09	0	05	06			114			
		13	0	00	25			14	0	14	17
		14	0	12	65			15	0	03	03
		104						16/1	0	05	06
		20	0	03	79			16/2	0	04	05
								17	0	00	00
								116			
कुलदारत	27	45						02	0	10	12
		23	0	08	85			3/1	0	00	51
		46						3/2	0	06	83
		03	0	08	09			07	0	08	11
		04	0	08	09			08	0	08	60
		46						14	0	07	08
		8/2	0	02	53			15	0	10	36
		07	0	08	85			16	0	05	82
		15/1	0	07	58			117			
		15/2	0	02	28			20	0	11	89
		47						21	0	03	79
		11	0	06	07			22	0	13	66

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
शुलना	26(कमराः)	23	0	00	00	सीबन	23(कमराः)	08	0	06	07
		137						16	0	01	52
		02	0	01	26			250			
		03	0	00	76			19	0	01	52
बानपुर	25	16						20	0	14	92
		01	0	04	05			21	0	00	51
		02	0	09	11			22	0	14	17
		7/2	0	03	03			23	0	03	54
		08	0	13	91			278			
		09	0	05	06			11	0	11	63
		13	0	00	00			278			
		14	0	10	88			18	0	00	25
		15	5	11	38			19	0	14	17
		16/1	0	02	53			20	0	03	29
		17						22	0	01	26
		11	0	00	00			23	0	15	18
		19	0	05	82			24	0	01	52
		20	0	14	16			26	0	00	76
		22	0	08	60			279			
		23	0	12	90			03	0	12	14
		24	0	00	76			04	0	06	07
		20						06	0	09	11
		22	0	00	00			07	0	09	36
		21						15	0	06	58
		9/2	0	01	77			286			
		10	0	10	37			10	0	06	08
		11	0	00	00			11	0	09	86
		12	0	12	39			12	0	06	52
		13	0	09	62			18	0	11	38
		16/1	0	00	00			19	0	07	08
		16/2	0	03	79			23	0	04	05
		25/1	0	05	31			24	0	13	92
		25/2	0	05	06			26	0	02	02
		22						316			
		3/1	0	00	76			01	0	01	52
		04	0	13	15			09	0	03	79
		05	0	07	84			10/1	0	09	61
		06	0	06	58			10/2	0	04	05
		33						12/2	0	04	81
		01	0	01	52			12/3	0	05	31
		02	0	09	36			13	0	06	58
सीबन	23	246						17	0	09	36
		20	0	04	55			18	0	09	11
		21	0	11	38			24	0	06	32
		22	0	07	68			25/1	0	03	04
		247						25/2	0	08	61
		14	0	12	14			317			
		15	0	02	28			04	0	00	76
		16	0	13	41			05	0	11	63
		17	0	00	25			328			
		249						01	0	14	16
		02	0	07	58			2/2	0	00	51
		03	0	09	36			08	0	02	38
		07	0	12	14			9/1	0	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मीशन	23	328				मीशन	23	7/2	0	00	25
		10	0	01	53			15	0	08	09
		12	0	00	25			411			
		13	0	13	40			11	0	08	85
		14	0	05	06			19	0	09	11
		16	0	07	58			20	0	07	58
		17	0	07	84			22	0	07	08
		25	0	07	33			23	0	09	62
		329						428			
		21	0	09	11			11/2	0	10	87
		351						19	0	11	89
		21	0	10	53			20	0	03	79
		22	0	08	09			22	0	04	55
		352						429			
		01	0	05	31			04	0	10	37
		03	0	00	00			06	0	10	62
		07	0	00	76			07	0	06	07
		08	0	14	67			450			
		09	0	02	78			03	0	04	39
		13	0	00	76			04	0	12	64
		14	0	14	42			06	0	13	15
		15	0	03	03			07	0	03	79
		16	0	11	89			15	0	02	53
		17	0	00	00			451			
		368						11/1	0	03	29
		02	0	07	58			11/2	0	03	29
		03	0	10	87			12/2	0	00	00
		06	0	00	25			18	0	00	25
		07	0	13	66			20	0	02	79
		08	0	04	55			22	0	02	02
		14	0	02	02						
		16/1	0	00	25			460			
		369						21	0	01	52
		11	0	0	26			461			
		20	0	14	16			10	0	04	30
		22	0	11	90			11	0	00	87
		23	0	04	55			12	0	12	14
		390						13	0	00	25
		11	0		58			24	0	06	83
		19	0	11	90			25	0	13	40
		20	0	04	30			462			
		22	0	05	31			06	0	07	08
		23/1	0	10	37			10/2	0	00	51
		391						11	0	14	92
		3/1	0	04	55			12	0	10	87
		4/1	0	05	56			13	0	12	65
		06	0	12	39			14	0	08	35
		15	0	03	80			15/1	0	04	61
		410						15/2	0	00	76
		03	0	07	08			19	0	02	02
		04	0	08	85			20	0	00	76
		06	0	08	35			03	0	01	01
		7/1	0	08	04			05	0	00	51

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सीवन-(पार)	23	463				Deeg-(Contd.) 43	16				
		06	0	14	67		01		0	12	39
		07	0	01	26		09		0	13	15
		15	0	00	51		10		0	03	54
		485					12		0	03	04
		05	0	00	51		16				

[सं. ओ-31015/6/90-प्रो. प्रार. I]

S.O. 40.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1053, dated the April 13, 1991 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 30th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Kaithal District : Kaithal State : Haryana

Name of Village	Hadbast Survey No./ No.	Khasra No./ Mustateel No./ Killa No.	Area	Hectare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6	
Deeg	43	07				
		10	0	01	01	
		12	0	02	02	
		17	0	05	06	
		19	0	14	16	
		20/1	0	00	25	
		24	0	08	60	
		08				
		15	0	00	51	
		15				
		05	0	03	79	

Habri	31	334				
		21		0	09	86
		337				
		01		0	06	07
		02		0	11	89
		08		0	14	17
		09		0	03	79

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Barsana—Contd.	30	89				Pundra—Contd.	26	06	0	01	01
		09	0	06	06			07	0	15	43
		13	0	08	09			08	0	01	01
		14	0	07	84			14	0	00	76
		16	0	07	08			15	0	13	91
		17	0	08	09			16	0	00	00
		25	0	08	61			245			
Pai	48	22						03	0	11	38
		23	0	06	08			04	0	06	32
Pundri	26	162						06	0	10	63
		07	0	01	77			07	0	09	61
		08	0	08	60			15	0	03	28
		13	0	00	25			15	0	03	28
		14	0	14	17			246			
		15/1	0	02	28			10	0	00	00
		15/2	0	00	00			11	0	09	36
		16	0	14	16	Kakaut	5	02			
		17	0	00	00			11	0	03	54
		25	0	00	00			19	0	09	36
		163						20/1	0	02	78
		20	0	01	52			20/2	0	07	08
		21	0	13	40			22	0	06	08
		22	0	04	05			23	0	12	64
		200						03			
		20	0	04	55			09	0	00	00
		21	0	10	12			10	0	10	87
		22/2	0	00	76			03			
		201						11	0	03	54
		07	0	05	06			12	0	13	66
		08	0	11	89			18	0	00	76
		14	0	11	38			19	0	00	00
		15	0	05	31			04			
		16	0	10	12			03	0	02	78
		205						4/1	0	00	76
		02	0	08	85			4/2	0	08	60
		03	0	08	60			05	0	04	05
		07	0	10	72			6/1	0	08	85
		8/1	0	07	33			6/2	0	02	03
		14	0	06	07			10			
		15	0	11	63			20	0	06	58
		16	0	04	30			21	0	11	63
		206						12			
		20	0	10	88			01	0	00	76
		21	0	03	04			09	0	05	06
		22	0	13	40			10	0	00	51
		23	0	00	00			12	0	11	38
		236						19	0	12	13
		11/1	0	02	02			22	0	01	52
		19	0	03	04			23	0	13	66
		20/1	0	03	29			24	0	01	52
		20/2	0	09	35			23			
		22	0	12	90			04	0	12	65
		23	0	04	81			05	0	07	33
		237						06	0	07	33
		02	0	02	02			24			
		03	0	14	67						
		04	0	00	51						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kakaut--Contd.	5	09	0	00	00	Kakaut--Contd.	5	18	0	00	25
		10	0	12	90			25	0	08	60
		11	0	02	02			61			
		12	0	13	16			—			
		13	0	04	05			04	0	01	01
		16	0	00	25			5/1	0	10	37
		17	0	11	38			5/2	0	02	07
		18/1	0	01	77			85			
		18/2	0	07	84			—			
		24	0	01	77			01	0	09	36
		25	0	13	40			02	0	07	34
		31						08	0	08	10
		—						09	0	08	85
		20	0	09	86			13	0	08	10
		31						14	0	08	85
		—						16	0	08	10
		21	0	04	55			17	0	07	58
		22	0	14	42			25	0	07	33
		23	0	01	52			87			
		32						—			
		27/1	0	03	04			21	0	09	36
		2/2	0	03	29			91			
		07	0	00	25			—			
		08	0	12	90			21	0	12	90
		9/1	0	04	30			22	0	00	00
		9/2	0	03	29			92			
		13	0	02	02			—			
		14	0	07	84			01	0	07	08
		16	0	04	55			02	0	10	37
		26	0	14	67			08	0	11	38
		33						09	0	05	82
		—						13	0	04	80
		05	0	00	51			14	0	12	14
		51						16	0	12	90
		—						25	0	03	03
		2/2	0	00	76			119			
		03	0	13	66			—			
		04	0	04	55			01	0	02	78
		06	0	11	89			02	0	14	42
		07	0	08	60			03	0	00	25
		15	0	03	03			07	0	00	51
		52						08	0	14	66
		—						09	0	02	28
		11	0	14	42			13	0	00	51
		12	0	02	78			119			
		18	0	08	60			—			
		19	0	12	14			14	0	14	16
		20	0	00	00			15	0	00	76
		23	0	06	32			16	0	14	92
		24	0	13	66			17	0	00	76
		25	0	00	76			25	0	00	51
		59						120			
		—						—			
		21	0	07	08			20	0	00	76
		60						21	0	14	91
		—						22	0	01	27
		01	0	05	82			121			
		09	0	11	38			—			
		10	0	09	10			01	0	00	51
		12	0	04	05			02	0	14	93
		13	0	13	66			03	0	01	52
		14	0	02	53			08	0	05	56
		60						09	0	00	25
		—						—			
		16	0	04	30			100			
		17	0	12	14			12	0	01	01
								13	0	04	81
								—			

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Mundra—Contd	6	17	0	10	63	Kultaran—Contd	27	14/2	0	02	78
		18	0	11	12			15	0	11	38
		24	0	04	05	Khurana	26	113			
		25	0	14	17			20	0	04	55
		102						21	0	11	63
		05	0	00	00			22	0	06	07
		103						114			
		01	0	11	89			13	0	00	25
		08	0	14	19		26	114			
		09	0	05	06			14	0	14	17
		13	0	00	25			15	0	03	03
		14	0	12	65			16/1	0	05	06
		104						16/2	0	04	05
		20	0	03	79			17	0	00	00
Kultaran	27	45						116			
		23	0	08	85			02	0	10	12
		46						3/1	0	00	51
		03	0	08	09			3/2	0	06	83
		04	0	08	09			07	0	09	11
		46						08	0	03	60
		6/2	0	02	53			14	0	07	08
		07	0	08	85			15	0	10	36
		15/1	0	07	59			16	0	05	82
		15/2	0	07	28			117			
		47						20	0	11	89
		11	0	06	07			21	0	03	79
		19	0	05	06			22	0	13	66
		20	0	10	87			23	0	00	00
		22	0	11	89			137			
		23	0	03	03			02	0	01	26
		58						03	0	00	76
		11/1	0	01	52	Khanpur	25	16			
		19/2	0	00	76			01	0	04	05
		20/1	0	11	38			07	0	09	11
		20/2	0	03	29			7/2	0	03	03
		21	0	00	76			08	0	13	91
		22/1	0	11	13			09	0	05	06
		22/2	0	02	53			13	0	00	00
		23/1	0	00	00			14	0	10	88
		59						15	0	11	38
		03	0	12	65			16/1	0	02	53
		04	0	03	04			17			
		06	0	02	02			11	0	00	00
		7/1	0	04	05			19	0	05	82
		7/2	0	09	36			20	0	14	16
		14	0	00	25			22	0	08	60
		15	0	13	65			23	0	12	90
		16	0	00	25			24	0	00	76
		63						20			
		04	0	00	00			22	0	00	00
		06	0	00	51			21			
		07	0	11	13			9/2	0	01	77
		08	0	02	28			10	0	10	37
		14/1	0	00	25						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Khaupur- Contd.	25	11	0	00	00	Siwan-Contd.	23	12	0	06	32
		12	0	12	39			18	0	11	38
		13	0	09	62			19	0	07	08
		16/1	0	00	00			23	0	04	05
		16/2	0	03	79			24	0	13	92
		25/1	0	05	31			46	0	02	02
		25/2	0	05	06			316			
		22						01	0	01	52
		3/1	0	00	76			09	0	03	79
		04	0	13	15			10/1	0	09	61
		05	0	07	84			10/2	0	04	05
		06	0	06	58			12/2	0	04	81
		33						12/3	0	05	31
		01	0	01	52			13	0	06	58
		02	0	09	36			17	0	09	36
Siwan	23	246						18	0	09	11
		20	0	04	55			24	0	06	32
		21	0	11	38			25/1	0	03	04
		22	0	07	08			25/2	0	08	61
		247						317			
		14	0	12	14			04	0	00	76
		15	0	02	28			05	0	11	63
		16	0	13	41			328			
		17	0	00	25			01	0	14	16
		249						2/2	0	00	51
		02	0	07	58			08	0	02	28
		03	0	09	36			9/1	0	04	55
		07	0	12	14			328			
		08	0	06	07			10	0	01	52
		16	0	01	52			12	0	00	25
		250						13	0	13	40
		19	0	01	52			14	0	05	06
		20	0	14	92			16	0	07	58
		21	0	00	51			17	0	07	84
		22	0	14	17			25	0	07	33
		23	0	03	54			329			
		278						21	0	09	11
		11	0	11	63			351			
		278						21	0	10	62
		18	0	00	25			22	0	08	09
		19	0	14	17			352			
		20	0	03	29			01	0	05	31
		22	0	01	26			03	0	00	00
		23	0	15	18			07	0	00	76
		24	0	01	52			08	0	14	67
		26	0	00	76			09	0	02	78
		279						13	0	00	76
		03	0	12	14			14	0	14	42
		04	0	06	07			15	0	03	03
		06	0	09	11			16	0	11	89
		07	0	09	36			17	0		00
		15	0	06	58			368			
		286						02	0	07	58
		10	0	06	08			03	0	10	87
		11	0	09	86			06	0	00	25
								07	0	13	66
								08	0	04	55

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Siwan—Contd. 23	14	0	02	02		Siwan—Contd. 23					
	16/1	0	00	25			03	0	04	30	
	369						04	0	12	64	
	11	0	01	26			06	0	13	15	
	20	0	14	16			07	0	03	79	
	22	0	11	90			15	0	02	53	
	23	0	04	55			451				
	390						11/1	0	03	29	
	11	0	11	38			11/2	0	03	29	
	19	0	11	90			12/2	0	00	00	
	20	0	04	30			18	0	00	25	
	22	0	05	31			20	0	02	79	
	23/1	0	10	3			22	0	02	02	
	391						460				
	3/1	0	04	55			21	0	01	52	
	4/1	0	05	56			461				
	06	0	12	39			10	0	04	30	
	15	0	03	80			11	0	09	87	
	410						12	0	12	14	
	03	0	07	08			13	0	00	25	
	04	0	08	85			24	0	06	83	
	06	0	08	35			25	0	13	40	
	7/1	0	08	09			462				
	7/2	0	00	25			06	0	07	08	
	15	0	08	09			10/2	0	00	51	
	411						11	0	14	92	
	11	0	08	85			12	0	10	87	
	19	0	09	11			13	0	12	65	
	20	0	07	58			14	0	08	35	
	22	0	07	08			15/1	0	04	81	
	23	0	09	62			15/2	0	00	76	
	428						19	0	02	02	
	11/2	0	10	87			20	0	00	76	
	19	0	11	89			463				
	20	0	03	79			03	0	01	01	
	22	0	04	55			05	0	00	51	
	429						06	0	14	67	
	04	0	10	37			07	0	01	26	
	06	0	10	62			15	0	00	51	
	07	0	06	07			485				
	450						05	0	00	51	

[No. R-31015/6/90- OR-I]

का. भा. 41:— केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व सार्वजनिक (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का का. 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 1054 तारीख 13 अप्रैल, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय को घोषणा की थी :

राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में स्थल प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है :

केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करती हुए, इस अधिसूचना से उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है :

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा शब्दों में प्रयोजित करने के लिए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाह, सभी विलयनों से मुक्त इंडियन प्रॉपर्टी कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील -- प्रसन्न	जिला -- करनाल	राज्य -- हरियाणा					
गाँव का नाम	हदबस्त न.	क्षेत्रफल					
		खसरा	कनाल	मरला	हेक्टर	घाट	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
पञ्चाना हसनपुर	72	88					
		87	2	15	0	13	91
		15	2	05	0	11	38
		89					
		11	1	08	0	07	08
		19/1	1	06	0	06	58
		19/2	0	04	0	01	01
		20	1	16	0	09	11
		22	1	14	0	08	60
		23	1	08	0	07	08
		103					
		03	2	03	0	10	88
		04	1	00	0	05	06
		06	0	13	0	03	29
		07	2	03	0	12	14
		14	0	00	0	00	00
		15	2	16	0	14	16
		16	0	02	0	00	51
		119					
		02	0	06	0	01	52
		03	2	07	0	11	89
		07	2	03	0	10	87
		08	1	00	0	05	06
		14	1	06	0	06	58
		15	1	15	0	08	85
		16	1	15	0	03	85
		120					
		20	1	06	0	06	58
		21	2	03	0	10	88
		22	0	17	0	04	30
		129					
		02	2	15	0	13	91
		08	2	15	0	13	91
		09	0	01	0	00	25
		14	2	12	0	13	15
		16	2	02	0	10	62
		17	1	00	0	05	06
		25	1	11	0	07	84
		140					
		01	1	19	0	09	86
		02	0	16	0	04	05
		08	0	02	0	00	51
		09	2	09	0	12	39

1	2	3	4	5	6	7	8
पथाना हसनपुर	72	13	1	17	0	09	36
		14	0	00	0	00	00
		17/1	0	01	0	00	26
		17/2	1	15	0	08	85
		18	0	01	0	00	26
		24	1	01	0	05	31
		25/1	1	02	0	05	58
		25/2	0	16	0	04	05
		26	1	04	0	06	07
		145					
		01	1	05	0	06	32
		09	0	02	0	00	31
		146					
		05	1	08	0	07	08
पाड़ा	48	133					
		21	1	13	0	08	35
		22	0	00	0	00	00
		135					
		01	0	12	0	03	04
		02	2	13	0	13	41
		03	0	00	0	00	00
		150					
		20/2	0	06	0	01	52
		21	2	11	0	12	90
		22	1	03	0	05	82
		151					
		01	0	06	0	01	52
		02	2	18	0	14	87
		3/1	0	03	0	00	76
		3/2	0	00	0	00	00
		7/2	0	04	0	01	01
		08	2	18	0	14	87
		14	3	00	0	15	18
		15	0	08	0	01	26
		16	2	09	0	12	39
		17	0	03	0	00	78
		25/2	0	02	0	00	51
		155					
		02	1	16	0	09	11
		03	1	18	0	09	81
		06	0	01	0	00	25
		07	2	08	0	12	14
		08	1	00	0	05	06
		14	0	09	0	02	28
		15	2	18	0	14	87
		16	0	01	0	00	25
		156					
		11	0	10	0	02	53
		18	1	03	0	05	82
		20	2	08	0	12	14
		22	1	18	0	09	81
		23	1	17	0	09	38
		165					
		10	0	07	0	01	77

1	2	3	4	5	6	7	8
पाइल	48	11	2	13	0	13	41
		12	0	18	0	04	55
		18/1	0	02	0	00	51
		18/2	1	11	0	07	84
		19	2	03	0	10	87
		23/1	0	03	0	02	02
		23/2	1	02	0	05	56
		24	2	05	0	11	38
		166					
		3/1	1	03	0	05	82
		04	2	07	0	11	79
		05	0	01	0	00	25
		06	2	07	0	11	79
		07	0	12	0	03	04
		15	0	02	0	00	51
		172					
		04	0	18	0	04	55
		05	2	15	0	13	91
		06	0	05	0	01	26
		173					
		1/1	0	03	0	00	76
		9/3	0	12	0	03	04
		10/1	1	05	0	00	32
		10/2	0	19	0	04	81
		11/2	0	00	0	00	00
		13/1	0	00	0	00	00
		13/2	0	18	0	04	55
		13/3	0	07	0	01	77
		17/1	0	07	0	01	77
		17/2	1	16	0	09	11
		18	1	13	0	08	35
		24	0	18	0	08	55
		25	2	14	0	13	66
		174					
		21	0	02	0	00	51
		176					
		01	0	16	0	04	05
		177					
		05	0	04	0	01	01
कुड़वाप	73	04					
		02	1	15	0	08	85
		9/1	0	11	0	02	78
		14	2	00	0	10	12
		17	1	05	0	06	32
		25	1	04	0	06	07
ठञा माजरा	63	13					
		08	0	10	0	02	53
		17	3	01	0	15	43
		18	0	00	0	00	00
		14					
		21	0	16	0	04	05
		19					

1	2	3	4	5	6	7	8
उषा माझरा	08	21	1	04	0	06	07
		20				11	89
		01	2	07	0	11	
		02	0	10	0	04	05
		09	2	10	0	12	65
		13/1	0	16	0	04	05
		13/2	1	12	0	08	09
		16/1	0	02	0	00	51
		16/2	1	02	0	01	56
		25	2	03	0	10	88
		37					
		08	1	08	0	07	08
		9/1	1	06	0	06	58
		14	1	11	0	07	84
		16	1	12	0	08	09
		17/2	0	12	0	03	04
		25	1	08	0	07	08
		40					
		01	1	11	0	07	84
		02	0	00	0	00	00
शेखपुरा मयूरी	06	198					
		25	1	08	0	07	08
		199					
		31	0	01	0	00	25
		215					
		5/2	0	03	0	00	76
		216					
		01	2	15	0	13	91
		02	0	09	0	02	28
		08	0	02	0	00	51
		09	2	08	0	12	14
		19	0	01	0	00	25
प्रजाबली	05	49					
		01	0	15	0	03	79
		10	1	15	0	08	85
		17	1	13	0	08	35
		18	1	14	0	08	60
		24	1	11	0	07	84
		25	1	14	0	08	60
		56					
		09	1	19	0	09	86
		10	1	08	0	07	08
		12	1	06	0	06	58
		13	2	00	0	10	12
		17	2	00	0	10	12
		18	1	04	0	06	07
		24	1	01	0	05	31
		57					
		05	1	11	0	07	34
		59					
		05	0	12	0	03	04
		60					

1	2	3	4	5	6	7	8
मसाबला		01	2	08	0	12	14
		14	0	00	0	00	00
		16	0	00	0	00	00
		17	2	14	0	13	66
		24	0	13	0	03	04
		25	1	02	0	05	56
करसा बीर	63	11					
		22	2	06	0	11	63
		23	0	07	0	01	77
		12					
		02	0	02	0	00	51
		03	2	15	0	13	91
		04	0	14	0	04	55
		06	1	12	0	08	09
		07	2	05	0	11	38
		15	1	08	0	07	09
		13					
		11	1	17	0	09	36
		12	0	00	0	00	00
करसाघोर	63	13					
		18	0	04	0	01	01
		19	2	16	0	14	18
		20	0	16	0	04	05
		22	0	04	0	01	01
		23	2	18	0	14	16
		24/1	0	18	0	04	55
		18					
		10	1	15	0	08	85
		12	2	02	0	10	63
		13	0	00	0	00	00
		17	0	05	0	01	27
		18	1	05	0	06	33
		19	0	16	0	04	05
		23	0	04	0	01	01
		24	2	15	0	13	91
		25/1	0	11	0	02	78
		25/2	0	06	0	01	52
		19					
		04	2	06	0	11	63
		05	1	05	0	06	33
		06	1	17	0	00	36
		26					
		01	1	08	0	07	08
		09	2	00	0	10	12
		10	1	13	0	08	35
		12/1	1	01	0	05	31
		13/1	1	17	0	00	36
		13/2	0	12	0	03	04
		14	0	01	0	00	25
		16	0	07	0	01	77
		17	2	18	0	14	67
		18	0	11	0	02	78
		24	0	02	0	00	51
		25	2	11	0	12	90

1	2	3	4	5	6	7	8
करतापोर	63	28					
		10	2	06	0	11	63
		12	2	09	0	12	39
		17	0	12	0	03	03
		23	0	00	0	00	00
		25	0	08	0	02	02
		30					
		05	0	17	0	04	30
		44					
		04	0	00	0	00	00
		06	2	14	0	13	66
		6/1	0	04	0	01	01
		45					
		01	0	04	0	01	01
		09	0	02	0	00	51
		10	2	18	0	14	67
		12	2	17	0	14	42
		13	0	13	0	03	29
		14	2	15	0	13	91
		15	0	00	0	00	00
		16	2	10	0	12	64
		17	0	12	0	03	03
		25	0	13	0	03	29
बगमाला	41	44					
		31	2	17	0	14	42
		22	0	01	0	00	25
		45					
		07	0	00	0	00	00
		08	1	07	0	06	83
		13	0	13	0	03	29
		14	2	15	0	13	91
		15	0	00	0	00	00
		16	2	10	0	12	64
		17	0	12	0	03	03
		25	0	13	0	03	29
		47					
		01	0	06	0	01	52
		02	2	19	0	14	92
		03	0	02	0	00	51
		07	0	03	0	00	76
		08	2	18	0	14	67
		09	0	06	0	01	52
		13	0	05	0	01	28
		14	2	17	0	14	42
		15	0	05	0	01	26
		16	2	18	0	14	67
		17	0	03	0	00	76
		25	0	01	0	00	25
		48					
		20	0	09	0	02	28
		21	2	15	0	13	91
		22	0	12	0	03	03
		63					
		20	0	00	0	00	00

1	2	3	4	5	6	7	8
खगलाना	41	21	2	14	0	13	66
		64					
		001	0	00	0	00	00
		02	2	08	0	12	14
		03	0	07	0	01	77
		07	0	04	0	01	01
		8/1	1	19	0	09	86
		8/2	0	09	0	02	28
		13	0	04	0	01	01
		14/2	1	02	0	05	56
		15	0	02	0	00	51
		16	2	17	0	14	42
		17/1	0	07	0	01	77
		25	0	07	0	01	77
		69					
		1/2	0	15	0	03	79
		02	2	05	0	11	38
		08	2	3	0	10	88
		09	0	16	0	04	05
		13	1	06	0	06	58
		14	1	14	0	08	60
		16	1	11	0	07	84
		17	1	12	0	08	09
		25	1	19	0	09	86
		70					
		21	1	05	0	06	32
		83					
		01	2	03	0	10	88
		02	1	00	0	05	06
		08	0	16	0	04	05
		09	2	09	0	12	39
		13/1	0	12	0	03	04
		14	0	03	0	00	76
		16	0	01	0	00	25
		17	2	18	0	14	67
		18	0	05	0	01	26
		24	0	07	0	01	77
		25	2	16	0	14	16
		90					
		05	0	11	0	02	78
		91					
		01	2	10	0	12	66
		9/1	1	00	0	05	06
		9/2	1	09	0	07	34
		13/1	0	19	0	04	81
		13/2	1	08	0	07	08
		17	2	06	0	11	64
		18	1	02	0	05	56
		24	0	18	0	04	55
		25	2	08	0	12	14
		92					
		21	0	04	0	01	02
		100					
		20	0	01	0	00	25
		22	0	06	0	01	52

1	2	3	4	5	6	7	8
रगसाना	41	101					
		01	2	16	0	14	16
		02	0	12	0	03	03
		08	1	03	0	05	82
		09	2	09	0	12	39
		10	0	01	0	00	25
		13	1	19	0	09	86
		14	1	16	0	09	11
		16/1	1	15	0	08	86
		16/2	0	09	0	02	28
		17	1	05	0	06	32
		25	0	12	0	03	03
		102					
		05	0	04	0	01	01
		109					
		01	0	04	0	01	01
		3/1	0	16	0	04	05
		08	2	07	0	11	89
		09	0	00	0	00	00
		110					
		19	0	02	0	00	51
		20	2	07	0	11	89
		21	0	02	0	01	77
		22	0	15	0	03	79

[सं. आर-31015/8/90-प्रो.आर.-1]

S.O. 41.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1054, dated the April 13, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 30th April, 1991;—

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

Schedule

Tehsil : Assandh		District : Karnal		State : Haryana			
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No.		Area			
		Killa	Kanal	Marla	Hectare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6	7	8
Pabana Hassanpur	72	88					
		07	2	15	0	13	91
		15	2	05	0	11	38
		89					

1	2	3	4	5	6	7	8
Pabana Hassanpur Contd.	72						
		11	1	08	0	07	08
		19/1	1	06	0	06	58
		19/2	0	04	0	01	01
		20	1	16	0	09	11
		22	1	14	0	08	60
		23	1	08	0	07	08
		103					
		03	2	03	0	10	88
		04	1	00	0	05	06
		06	0	13	0	03	29
		07	2	08	0	12	14
		14	0	00	0	00	00
		15	2	16	0	14	16
		16	0	02	0	00	51
		119					
		02	0	06	0	01	52
		03	2	07	0	11	89
		07	2	03	0	10	87
		08	1	00	0	05	06
		14	1	06	0	06	58
		15	1	15	0	08	85
		16	1	15	0	08	85
		120					
		20	1	06	0	06	58
		21	2	03	0	10	88
		22	0	17	0	04	30
		129					
		02	2	15	0	13	91
		08	2	15	0	13	91
		09	0	01	0	00	25
		14	2	12	0	13	15
		16	2	02	0	10	62
		17	1	00	0	05	06
		25	1	11	0	07	84
		140					
		01	1	19	0	09	86
		02	0	16	0	04	05
		08	0	02	0	00	51
		09	2	09	0	12	39
		13	1	17	0	09	36
		14	0	00	0	00	00
		17/1	0	01	0	00	26
		17/2	1	15	0	08	85
		18	0	01	0	00	26
		24	1	01	0	05	31

1	2	3	4	5	6	7	8
Pabana Hassanpur (contd.)	72	25/1	1	02	0	05	56
		25/2	0	16	0	04	05
		26	1	04	0	06	07
		145					
		01	1	05	0	06	32
		09	0	02	0	00	51
		146					
		05	1	08	0		08
Padha	48	133					
		22	1	13	0	08	35
		22	0	00	0	00	00
		135					
		01	0	12	0	03	04
		02	2	13	0	13	41
		03	0	00	0	00	00
		150					
		20/2	0	06	0	01	52
		21	2	11	0	12	90
		22	1	03	0	05	82
		151					
		01	0	06	0	01	52
		02	2	18	0	14	67
		3/1	0	03	0	00	76
		3/2	0	00	0	00	00
		7/2	0	04	0	01	01
		08	2	18	0	14	67
		14	3	00	0	15	18
		15	0	05	0	01	26
		16	2	09	0	12	39
		17	0	03	0	00	76
		25/2	0	02	0	00	51
		155					
		02	1	16	0	09	11
		03	1	18	0	09	61
		06	0	01	0	00	25
		07	2	08	0	12	14
		08	1	00	0	05	06
		14	0	09	0	02	28
		15	2	18	0	14	67
		16	0	01	0	00	25

1	2	3	4	5	6	7	8
Padha (contd.)	48	156					
		11	0	10	0	02	53
		19	1	03	0	05	82
		20	2	08	0	12	14
		22	1	18	0	09	61
		23	1	17	0	09	36
		165					
		10	0	07	0	01	77
		11	2	13	0	13	41
		12	0	18	0	04	55
		18/1	0	02	0	00	51
		18/2	1	11	0	07	84
		19	2	03	0	10	87
		23/1	0	08	0	02	02
		23/2	1	02	0	05	56
		24	2	05		11	38
		166					
		3/1	1	03	0	05	82
		04	2	07	0	11	79
		05	0	01	0	00	25
		06	2	07	0	11	79
		07	0	12	0	03	04
		15	0	02	0	00	51
		172					
		04	0	18	0	04	55
		05	2	15	0	13	91
		06	0	05	0	01	26
		173					
		1/1	0	03	0	00	76
		9/3	0	12	0	03	04
		10/1	1	05	0	06	32
		10/2	0	19	0	04	81
		11/2	0	00	0	00	00
		13/1	0	00	0	00	00
		13/2	0	18	0	04	55
		13/3	0	07	0	01	77
		17/1	0	07	0	01	77
		17/2	1	16	0	09	11
		18	1	13	0	08	35
		24	0	18	0	04	55
		25	2	14	0	13	66
		174					
		21	0	02	0	00	51
		176					
		01	0	16	0	04	50

1	2	3	4	5	6	7	8
		177	1				
		05	0	04	0	01	01
Kurlan	73	04					
		02	1	15	0	08	85
		9/1	0	11	0	02	78
		14	2	00	0	10	12
		17	1	05	0	06	32
		25	1	04	0	06	07
Tharwa Majra	68	13					
		08	0	10	0	02	53
		17	3	01	0	15	43
		18	0	00	0	00	00
		14					
		21	0	16	0	04	05
		19					
		21	1	04	0	06	07
		20					
		01	2	07	0	11	89
		02	0	16	0	04	05
		09	2	10	0	12	65
		13/1	0	16	0	04	05
		13/2	1	12	0	08	09
		16/1	0	02	0	00	51
		16/2	1	02	0	04	56
		25	2	03	0	10	88
		37					
		08	1	08	0	07	08
		9/1	1	06	0	06	58
		14	1	11	0	07	84
		16	1	12	0	08	09
		17/2	0	12	0	03	04
		25	1	08	0	07	08
		40					
		01	1	11	0	07	84
		02	0	00	0	00	00
Shakhpur Manchuri	66	198					
		25	1	08	0	07	08
		199					
		21	0	01	0	00	25

1	2	3	4	5	6	7	8
Shakhpur Manchuri (Contd.)		215					
		5/2	0	03	0	00	76
		216					
		01	2	15	0	13	91
		02	0	09	0	02	28
		08	0	02	0	00	51
		09	2	08	0	12	14
		10	0	01	0	00	25
Alavala	65	49					
		01	0	15	0	03	79
		49					
		10	1	15	0	08	85
		17	1	13	0	08	35
		18	1	14	0	08	60
		24	1	11	0	07	84
		25	1	14	0	08	60
		56					
		09	1	19	0	09	86
		10	1	08	0	07	08
		12	1	06	0	06	58
		13	2	00	0	10	12
		17	2	00	0	10	12
		18	1	04	0	06	07
		24	1	01	0	05	31
		57					
		05	1	11	0	07	84
		59					
		05	0	12	0	03	04
		60					
		01	2	08	0	12	14
		14	0	00	0	00	00
		16	0	00	0	00	00
		16	2	14	0	13	66
		24	0	12	0	03	04
		25	1	02	0	05	56
Karsa chor	63	11					
		22	2	06	0	11	63
		23	0	07	0	01	77
		12					
		02	0	02	0	00	51
		03	2	15	0	13	91
		04	0	18	0	04	55

1	2	3	4	5	6	7	8
Karsa Chor (Contd.)	63	06	1	12	0	08	09
		07	2	05	0	11	38
		15	1	08	0	07	08
		13					
		11	1	17	0	09	36
		12	0	00	0	00	00
		18	0	04	0	01	01
		19	2	16	0	14	16
		20	0	16	0	04	05
		22	0	04	0	01	01
		23	2	16	0	14	16
		24/1	0	18	0	04	55
		18					
		10	1	15	0	08	85
		12	2	02	0	10	63
		13	0	00	0	00	00
		17	0	05	0	01	27
		18	1	05	0	06	33
		19	0	16	0	04	05
		23	0	04	0	01	01
		24	2	15	0	13	91
		25/1	0	11	0	02	78
		25/2	0	06	0	01	52
		19					
		04	2	06	0	11	63
		05	1	05	0	06	33
		06	1	17	0	09	36
		26					
		01	1	08	0	07	08
		09	2	00	0	10	12
		10	1	13	0	08	35
		12/1	1	01	0	05	31
		13/1	1	17	0	09	36
		13/2	0	12	0	03	04
		14	0	01	0	00	25
		16	0	07	0	01	77
		17	2	18	0	14	67
		18	0	11	0	02	78
		24	0	02	0	00	51
		25	2	11	0	12	90
		29					
		10	2	06	0	11	63
		12	2	09	0	12	39
		17	0	12	0	03	03

1	2	3	4	5	6	7	8
Karsa Chor (Contd.)	63	23	0	00	0	0	00
		25	0	08	0	02	02
		30					
		05	0	17	0	04	30
		44					
		04	0	00	0	00	00
		05	2	14	0	13	66
		6/1	0	04	0	01	01
		45					
		01	0	04	0	01	01
		09	0	02	0	00	51
		10	2	18	0	14	67
		12	2	17	0	14	42
		13	0	13	0	03	29
		14	2	15	0	13	91
		15	0	00	0	00	00
		16	2	10	0	12	64
		17	0	12	0	03	03
		25	0	13	0	03	29
Rugsana	41	44					
		21	2	17	0	14	42
		22	0	01	0	00	25
		45					
		07	0	00	0	00	00
		08	1	07	0	06	83
		13	0	13	0	03	29
		14	2	15	0	13	91
		15	0	00	0	00	00
		16	2	10	0	12	64
		17	0	12	0	03	03
		25	0	13	0	03	29
		47					
		01	0	06	0	01	52
		02	2	19	0	14	92
		03	0	02	0	00	51
		07	0	03	0	00	76
		08	2	18	0	14	67
		09	0	06	0	01	52
		13	0	05	0	01	26
		14	2	17	0	14	42
		15	0	05	0	01	26
		16	2	18	0	14	67
		17	0	03	0	00	76
		25	0	01	0	00	25
		48					
		20	0	09	0	02	28

1	2	3	4	5	6	7	8
Rugsana (contd.)	41	21	2	15	0	13	91
		22	0	12	0	03	03
		63					
		20	0	00	0	00	00
		21	2	14	0	13	66
		64					
		001	0	00	0	00	00
		02	2	08	0	12	14
		03	0	07	0	01	77
		07	0	04	0	01	01
		8/1	1	19	0	09	86
		8/2	0	09	0	02	28
		13	0	04	0	01	01
		14/2	1	02	0	05	56
		15	0	02	0	00	51
		16	2	17	0	14	42
		17/1	0	07	0	01	77
		25	0	07	0	01	77
		69					
		1/2	0	15	0	03	79
		02	2	05	0	11	38
		08	2	3	0	10	88
		09	0	16	0	04	05
		13	1	06	0	06	58
		14	1	14	0	08	60
		16	1	11	0	07	84
		17	1	12	0	08	09
		25	1	19	0	09	86
		70					
		21	1	05	0	06	32
		83					
		01	2	03	0	10	88
		02	1	00	0	05	06
		08	0	16	0	04	05
		09	2	09	0	12	39
		13/1	0	12	0	03	04
		14	0	03	0	00	76
		16	0	01	0	00	25
		17	2	18	0	14	67
		18	0	05	0	01	26
		24	0	07	0	01	77
		25	2	16	0	14	16

1	3	4	5	6	7	8	
Rugsana Contd	41	90					
		05	0	11	0	02	7
		91					
		01	2	10	0	12	66
		9/1	1	00	0	05	06
		9/2	1	09	0	07	34
		13/1	0	19	0	04	81
		13/2	1	08	0	07	08
		17	2	06	0	11	64
		18	1	02	0	05	56
		24	0	18	0	04	55
		25	2	08	0	12	14
		92					
		21	0	04	0	01	02
		100					
		20	0	01	0	00	25
		22	0	06	0	01	52
		101					
		01	2	16	0	14	16
		02	0	12	0	03	03
		08	1	03	0	05	82
		09	2	09	0	12	39
		10	0	01	0	00	25
		13	1	19	0	09	86
		14	1	16	0	09	11
		16/1	1	15	0	08	86
		16/2	0	09	0	02	28
		17	1	05	0	06	32
		25	0	12	0	03	0
		102					
		05	0	04	0	01	01
		109					
		01	0	04	5	01	01
		3/1	0	16	2	04	05
		08	2	07	0	11	89
		09	0	00	0	00	00
		110					
		19	0	02	0	00	51
		20	2	07	0	11	89
		21	0	07	0	01	77
		22	0	15	0	03	79

का.अ.42.—केंद्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. अ. 2849 तारीख 10 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतियाँ जनता को तारीख 15 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केंद्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना में उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केंद्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केंद्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विलसंगमों से रहित, इन्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : सांतलपूर जिला : बनासकांठा राज्य : गुजरात

गांव का नाम सर्वेक्षण संख्या क्षेत्रफल
हेक्टर आरे वर्ग मीटर

1	2	3	4	5
पिपराला	816	00	13	68
	817	00	29	34
	876	00	46	98
	856	00	25	38
	862	00	13	68
	861	00	16	56
	865	00	01	98
	864	00	12	69
	888	00	23	40

1	2	3	4	5
पिपराला (जारी)	890	00	03	96
	901	00	23	40
	904	00	10	80
	903	00	21	60
	907	00	39	24
	908	00	23	40
	910	00	46	98
	918	00	43	02
	923	00	56	70
	921	00	23	40
रोजु	213	00	26	82
गरावडी	440	00	08	10
	437	00	64	62
	436	00	18	72
	445	00	09	36
	446	00	21	60
	433	00	45	72
	432	00	18	72
	411	00	14	04
	412	00	43	38
	413	00	30	42
	414	00	42	12
	406	00	04	68
	407	00	04	05
	377	00	32	76
	378	00	24	66
	379	00	24	66
	380	00	09	90
	371	00	20	52
	369	00	08	82
	512	00	37	44
	361	00	52	74
	351	00	46	80
	352	00	07	02
	353	00	41	04
सांतलपूर	667	00	22	50
	666	00	22	50
	662	00	36	00
	651	00	27	90
	650	00	04	50
	643	00	22	50
	633	00	21	60
	631	00	56	70
	627	00	41	40
	626	00	30	60
	751	00	25	20

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
परसुंद	160	00	28	80	लाखापुरा	145	00	34	20
देगामडा	168	00	24	30		147	01	29	60
	167	00	12	60	बाराही	571	00	09	00
	165	00	02	70		570	00	16	20
	166	00	16	20		569	00	13	50
	164	00	07	20		568	00	23	40
	163	00	40	50		566	00	25	20
	162	00	04	50		510	00	16	20
	159	00	06	30		512	00	11	70
	160	00	02	70		511	00	13	50
	149	00	21	60		502	00	16	20
	148	00	23	40		501	00	11	70
	147	00	23	40		171	00	29	88
बाघपुरा	61	00	28	80		470	00	18	00
	60	00	23	40		410	00	04	50
	58	00	48	60		411	00	04	50
	55	00	30	60		412	00	15	76
	53	00	50	40		401	00	48	00
	6	00	50	40		402	00	05	01
	5	00	05	40		399	00	01	43
	1	00	05	40		322	00	30	09
	16	00	27	00		312	00	30	09
	14	00	72	00		208	00	10	03
	30	00	43	20		223/1	00	04	30
	32	00	50	40		224	00	10	03
नलिया	104	00	50	40		222	00	08	60
	106	00	25	20		227	00	45	85
	54	00	48	60	नवागाम	30	00	05	02
	55	00	32	40		29	00	22	25
	78	00	37	80		27	00	15	07
	77	00	59	40		52	00	15	07
	68	00	64	80		54	00	14	35
	69	00	37	80		53	00	22	97
मानपुरा	156	00	22	50		55	00	24	40
	157	00	12	60		64	00	10	41
	150	00	33	30		67	00	01	79
	145	00	19	80		65	00	34	45
कमालपुरा	96	00	32	40		66	00	19	38
	103	00	90	00		81/1	00	06	46
	104	00	18	00		81/2	00	14	35
	119	00	81	00		82	00	32	29
	120	00	28	80		96	00	59	57
	123	00	21	60		97	00	10	05
	124	00	18	00		77	00	03	59
	125	00	54	00		102	00	21	53
	129	00	28	80		106	00	39	47
						107	00	24	40

1	2	3	4	5
नवागाम	108	00	15	79
	110	00	32	29
	111	00	17	94
	115	00	37	32
	116	00	08	97
	119	00	08	97
	118	00	49	52
	117	00	27	27
सादपुरा	257	00	27	09

[स. ओ./31015/8/89-ओ. आर. 1-]

S.O. 42.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 2849 dt. 10th November, 1990. issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 15th November, 1990.

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tensil—Santalpur District—Banaskantha State—Gujarat

Name of Village	Survey No.	Area		
		H	A	Sq. Mtr.
1	2	3	4	5
Piprala	816	00	13	68
	817	00	29	34
	876	00	46	98
	856	00	25	38
	862	00	13	68
	861	00	16	56

1	2	3	4	5
Piprala (Contd).	865	00	01	98
	864	00	12	69
	888	00	23	40
	890	00	03	96
	901	00	23	40
	904	00	10	80
	903	00	21	60
	907	00	39	24
	908	00	23	40
	910	00	46	98
	918	00	43	02
	923	00	56	70
	924	00	23	40
Roju Garambdi	213	00	26	82
	440	00	08	10
	437	00	64	62
	436	00	18	72
	445	00	09	36
	446	00	21	60
	433	00	45	72
	432	00	18	72
	411	00	14	04
	412	00	43	38
	413	00	30	42
	414	00	42	12
	406	00	04	68
	407	00	04	05
	377	00	32	76
	378	00	24	66
	379	00	24	66
Santalpur	380	00	09	90
	371	00	20	52
	369	00	08	82
	512	00	37	44
	361	00	52	74
	351	00	46	80
	352	00	07	02
	353	00	41	04
	667	00	22	50
	666	00	22	50
	662	00	36	00
	651	00	27	90
	650	00	04	50
	643	00	22	50
	633	00	21	60
	631	00	56	70
	627	00	41	40
Parsund Dalgamda	626	00	30	60
	751	00	25	20
	160	00	28	80
	168	00	24	30
	167	00	12	60
	165	00	02	70
	166	00	16	20
	164	00	07	20
	163	00	40	50
	162	00	04	50
	159	00	06	30
	160	00	02	70
	149	00	21	60
	148	00	23	40
	147	00	23	40
Vaghpora	61	00	28	80
	60	00	23	40
	58	00	48	60

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	55	00	30	60	Navagam (Contd.)	55	00	24	40
Vaghpura	53	00	50	40		64	00	10	41
(Contd.)	6	00	50	40		67	00	01	79
	5	00	05	40		65	00	34	45
	1	00	05	40		66	00	19	38
	16	00	27	00		81/1	00	06	46
	14	00	72	00		81/2	00	14	35
	30	00	43	20		82	00	32	29
	32	00	50	40		96	00	59	57
Naliya	104	00	50	40		97	00	10	05
	106	00	25	20		77	00	03	59
	54	00	48	60		102	00	21	53
	55	00	32	40		106	00	39	47
	78	00	37	80		107	00	24	40
	77	00	59	40		108	00	15	79
	68	00	64	80		110	00	32	29
	69	00	37	80		111	00	17	94
Manpura	156	05	22	50		115	00	37	32
	157	00	12	60		116	00	08	97
	150	00	33	30		119	00	08	97
	145	00	19	80		118	00	49	52
Kamalputa	96	00	32	40		117	00	27	27
	103	00	90	00	Sadpura	257	00	27	09
	104	00	18	00					
	119	00	81	00					
	120	00	28	80					
	123	00	21	60					
	124	00	18	00					
	125	00	54	00					
	129	00	28	80					
Lakhapura	145	00	34	20					
	147	01	29	60					
Varahi	571	00	09	00					
	570	00	16	20					
	569	00	13	50					
	568	00	23	40					
	566	00	25	20					
	510	00	16	20					
	512	00	11	70					
	511	00	13	50					
	502	00	16	20					
	501	00	11	70					
	471	00	29	88					
	470	00	18	00					
	410	00	04	50					
	411	00	04	50					
	412	00	15	76					
	401	00	48	00					
	402	00	05	01					
	399	00	01	43					
	322	00	30	09					
	312	00	30	09					
	208	00	10	03					
	223/1	00	04	30					
	224	00	10	03					
	222	00	08	60					
	227	00	45	85					
Navagam	30	00	05	02					
	29	00	22	25					
	27	00	15	07					
	52	00	15	07					
	54	00	14	35					
	53	00	22	97					

[No. O-31015/8/89-O.R.I.]

का.आ. 43.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2846 तारीख 10 नवंबर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतिपां जनता को तात्पर्य 15 नवंबर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय

सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से रहित, इंडियन प्रॉपर्टी कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : पाटन जिला : मेहमाणा

राज्य : गुजरात

गांव का नाम सर्वे संख्या क्षेत्रफल
हेक्टर आरे वर्गमीटर

1	2	3	4	5
वामैया	188	0	09	74
	189	0	13	44
	190	0	28	55
	193	0	04	37
	195	0	06	38
	202	0	18	81
	209	0	10	75
	210	0	13	43
	225	0	14	78
	224	0	28	21
	233	0	08	06
	234	0	09	40
	236	0	16	12
	288	0	09	07
	287	0	07	73
	286	0	16	12
	283	0	12	76
	282	0	13	44
	281	0	14	11
	280	0	16	79
	277	0	07	39
	311	0	00	67
	312	0	14	78
	313	0	06	72
	316	0	17	47
	315	0	10	75
	347	0	20	15
	346	0	25	53
	343	0	03	36
	362	0	17	47
	360	0	21	49
	364	0	01	34
	422	0	10	08
	421	0	14	78
	417	0	15	45

1	2	3	4	5
	416	0	21	50
	465	0	08	40
	463	0	04	70
	464	0	21	15
	467	0	01	01
	468	0	24	52
	632	0	03	36
	633	0	13	43
	634	0	22	34
	650	0	09	40
	649	0	12	09
	652	0	17	47
	646	0	16	12
	647	0	07	39
	670	0	07	39
	655	0	18	81
	656	0	15	45
	657	0	06	72
	935	0	04	70
	936	0	03	36
	937	0	14	11
	934	0	11	75
	933	0	03	02
	932	0	07	39
	931	0	08	73
	927	0	15	45
	911	0	30	23
	906	0	25	53
	898	0	14	78
	895	0	14	11
	888	0	24	85
	885	0	12	77
	872	0	13	43
	873	0	16	12
	874	0	15	45
	869	0	04	37
	868	0	17	80
कोटावड	14	0	12	44
	11	0	10	02
गुलवासना	29	0	09	17
	30	0	15	72
	28	0	11	79
	27	0	12	44
	23	0	24	89
	22	0	40	61

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
अधर—क्रमशः	51	0	16	38	अधर—क्रमशः	1489	0	10	99
	59	0	01	64		1488	0	13	74
	58	0	13	10		1487	0	14	43
	57	0	14	41		1486	0	00	69
	93	0	26	20		1462	0	30	57
	94	0	27	51		1461	0	02	40
	99	0	11	14		1463	0	35	04
	100	0	20	96		1464	0	06	87
	84/1	0	13	10		1466	0	37	79
	84	0	17	36	समालपाटी	557	0	01	38
	82	0	00	33		556	0	16	24
	377	0	01	37		555	0	02	42
	367	0	12	37		547	0	11	75
	365	0	17	18		546	0	18	32
	311	0	09	27		548	0	01	38
	310	0	09	27		545	0	03	80
	314	0	30	92		536	0	03	80
	308	0	05	15		535	0	06	22
	315	0	05	15		534	0	27	65
	306	0	19	58		525	0	13	13
	305	0	01	72		526	0	23	85
	266	0	18	55		512	0	00	35
	267	0	10	65		511	0	15	21
	268	0	01	72		510	0	00	69
	269	0	07	56		504	0	17	28
	270	0	07	56		507	0	09	68
	227/1	0	45	35		505	0	00	69
	227	0	24	73		506	0	20	73
	192	0	22	67		481	0	14	52
	191	0	01	72		482	0	18	66
	189	0	25	08	सुजनीपुर	288	0	24	34
	116	0	20	61		341	0	02	09
	120	0	20	61		340	0	53	54
	122	0	16	49		336	0	13	91
	125	0	24	74		337	0	12	52
	125/5	0	16	49		365	0	14	60
	368	0	18	78		326	0	00	69
	126	0	32	29		249	0	13	91
	44	0	10	99		248	0	15	99
	42	0	16	15		247	0	12	52
	43	0	01	72		250	0	01	04
	41	0	14	43		241	0	23	99
	40	0	18	55		187	0	19	47
	38	0	25	42		186	0	02	78
	37	0	10	99		242	0	02	78
	49	0	17	86		190	0	04	17

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सुजनीपुर—क्रमशः	185	0	20	76	ओढ़वा—क्रमशः	238	0	36	21
	183	0	06	26		237	0	27	16
	193	0	07	65		255	0	06	96
	181	0	32	33		256	0	06	96
	159	0	38	94		256/1	0	10	45
	98	0	12	52		254	0	11	49
	160	0	26	42		257	0	03	83
	161	0	05	21		258	0	10	44
	162	0	03	48		259	0	24	72
	154	0	19	12		251/9	0	00	35
	153	0	12	52		283	0	00	35
	163	0	06	95		282	0	24	03
नवाबाबाहाजी	35	0	33	31		288	0	07	66
	37	0	09	64		289	0	16	71
	31	0	26	30		280	0	13	93
	30	0	21	04		292	0	00	35
	29	0	17	53		291	0	12	54
	311	0	22	79		293	0	00	35
	308	0	24	54		298	0	22	98
	305	0	29	80		297/3	0	09	75
	303	0	27	18		297/2	0	08	36
	279	0	17	53		316	0	14	62
	280	0	31	56		317	0	29	95
	281	0	39	45	बारेडा	167	0	15	39
कांसा	988	0	06	25		166	0	17	49
	978	0	18	07		160	0	03	85
	980	0	11	81		149	0	08	40
	982	0	12	51		150	0	05	60
	983	0	19	45		151	0	25	89
खालीपुर	1 और 2	3	82	10		152	0	15	39
ओढ़वा	188	0	49	44		153	0	25	89
	189/1	0	04	53		154	0	01	05
	189	0	16	37		137	0	01	05
	178	0	00	35		136	0	20	29
	207	0	18	45		130	0	23	09
	209	0	25	77		129	0	60	17
	210	0	43	18		117	0	25	54
	211	0	00	70		116	0	19	24
	219	0	00	70		102	0	48	97
	218	0	26	46		99	0	20	99
	222	0	29	25	खानपुरडा	198	0	48	48
	225	0	06	27		197	0	14	89
	224/5	06	06	27		196	0	01	04
	224/4	0	06	27		195	0	18	01
	230	0	18	11		194	0	11	43
	234	0	06	96		183	0	07	97

1	2	3	4	5
खानपुरडा क्रमशः	192	0	06	23
	193	0	22	16
	217	0	31	86
	218	0	21	47
	261	0	17	66
	262	0	17	66
	260	0	09	70
	298	0	36	02
	299	0	36	02
	300	0	10	39
	330	0	14	55
	325	0	13	16
	326	0	13	16
	350	0	21	47
	349	0	32	55
	376	0	12	47
	347	0	12	47
	346	0	59	57
	391/27	0	28	40
	391/26	0	12	47
	385	0	47	10
	386	0	21	47
	387	0	04	15

[सं.ओ. 31015/8/89-ओ.आर.-1]

S.O. 43.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. SO 2846, dated the 10th November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act.), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 15th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE				
Tehsil—Patan	District—Mehsana	State—Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hec- tare	Are	Square Metre
1	2	3	4	5
Vamajya	188	0	09	74
	189	0	13	44
	190	0	28	55
	193	0	04	37
	195	0	06	38
	202	0	18	81
	209	0	10	75
	210	0	13	43
	225	0	14	78
	224	0	28	21
	233	0	08	06
	234	0	09	40
	236	0	16	12
	288	0	09	07
	287	0	07	73
	286	0	16	12
	283	0	12	76
	282	0	13	44
	281	0	14	11
	280	0	16	79
	277	0	07	39
	311	0	00	67
	312	0	14	78
	313	0	06	72
	316	0	17	47
	315	0	10	75
	347	0	20	15
	346	0	25	53
	343	0	03	36
	362	0	17	47
	360	0	21	49
	364	0	01	34
	422	0	10	08
	421	0	14	78
	417	0	15	45
	416	0	21	50
	465	0	08	40
	463	0	04	70
	464	0	21	15
	467	0	01	01
	468	0	24	52
	632	0	03	36
	633	0	13	43
	634	0	22	84
	650	0	09	40
	649	0	12	09
	652	0	17	47
	646	0	16	12
	647	0	07	39
	670	0	07	39
	655	0	18	81
	656	0	15	45
	657	0	06	72
	935	0	04	70
	936	0	03	36
	937	0	14	11

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Vamriya (Contd.)	934	0	11	75	Aghar (Contd.)	40	0	18	55
	933	0	03	02		38	0	25	42
	932	0	07	39		37	0	10	99
	931	0	08	73		49	0	17	86
	927	0	15	45		1489	0	10	99
	911	0	30	23		1488	0	13	74
	906	0	25	53		1487	0	14	43
	898	0	14	78		1486	0	00	69
	895	0	14	11		1462	0	30	57
	888	0	24	85		1461	0	02	40
	885	0	12	77		1463	0	35	04
	872	0	13	43		1464	0	06	87
	873	0	16	12		1466	0	37	79
	874	0	15	45					
	869	0	04	37					
	868	0	17	80	Samalpati	557	0	01	38
Kotavad	14	0	12	44		556	0	16	24
	11	0	10	02		555	0	02	42
Gulvasana	29	0	09	17		547	0	11	75
	30	0	15	72		546	0	18	32
	28	0	11	79		548	0	01	38
	27	0	12	44		545	0	03	80
	23	0	24	89		536	0	03	80
	22	0	40	61		535	0	06	22
	51	0	16	38		534	0	27	65
	59	0	01	64		525	0	13	13
	58	0	13	10		526	0	23	85
	57	0	14	41		512	0	00	35
	93	0	26	20		511	0	15	21
	94	0	27	51		510	0	00	69
	99	0	11	14		504	0	17	28
	100	0	20	96		507	0	09	68
	84/1	0	13	10		505	0	00	69
	84	0	17	36		506	0	20	73
	82	x	00	33		481	0	14	52
						492	0	18	66
Aghar	377	0	01	37					
	367	0	12	37					
	365	0	17	18					
	311	0	09	27	Sujanipur	288	0	24	34
	310	0	09	27		341	0	02	09
	314	0	30	92		340	0	53	54
	308	0	05	15		336	0	13	91
	315	0	05	15		337	0	12	52
	306	0	19	58		365	0	14	60
	305	0	01	72		326	0	00	69
	266	0	18	55		249	0	13	91
	267	0	10	65		248	6	15	99
	268	0	01	72		247	0	12	52
	269	0	07	56		250	0	01	04
	270	0	07	56		241	0	23	99
	227/1	0	45	35		187	0	19	47
	227	0	24	73		186	0	02	78
	192	p	22	67		242	0	02	78
	191	0	01	72		190	0	04	17
	189	0	25	08		185	0	20	86
	116	0	20	61		183	0	06	26
	120	0	20	61		193	0	07	65
	122	0	16	49		181	0	32	33
	125	0	24	74		159	0	38	94
	125/5	0	16	49		98	0	12	52
	368	0	18	78		160	0	26	42
	126	0	32	29		161	0	05	21
	44	0	10	99		162	0	03	48
	42	0	16	15		154	0	19	12
	43	0	01	72		153	0	12	52
	41	0	14	43		163	0	06	95

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Nava Bava Haji	35	0	33	31	Vareda	153	0	25	89
	37	0	09	64		154	0	01	05
	31	0	26	30		137	0	01	05
	30	0	21	04		136	0	20	29
	29	0	17	53		130	0	23	09
	311	0	22	79		129	0	60	17
	308	0	24	54		117	0	25	54
	305	0	29	80		116	0	19	24
	303	0	27	18		102	0	48	97
	279	0	31	53		92	0	20	99
	280	0	17	56	Khanpurda	198	0	48	48
	281	0	39	45		197	0	14	39
Kansa	988	0	06	25		196	0	01	04
	978	0	18	07		195	0	18	01
	980	0	11	81		194	0	11	43
	982	0	12	51		183	0	07	97
	983	0	19	45		192	0	06	23
Khalipur	1 & 2	3	82	10		193	0	22	16
Odhava	188	0	49	44		217	0	31	86
	189/1	0	04	53		218	0	21	47
	189	0	16	37		261	0	17	66
	178	0	00	35		262	0	17	66
	207	0	18	45		260	0	09	70
	209	0	25	77		298	0	36	02
	210	0	43	18		299	0	36	02
	211	0	00	70		300	0	10	39
	219	0	00	70		330	0	14	55
	218	0	26	46		325	0	13	16
	222	0	29	25		326	0	13	16
	225	0	06	27		350	0	21	47
	224/5	0	06	27		349	0	32	55
	224/4	0	06	27		376	0	12	47
	230	0	18	11		347	0	12	47
	234	0	06	96		346	0	59	57
	238	0	36	21		391/27	0	28	40
	237	0	27	16		391/26	0	12	47
	255	0	06	96		385	0	47	10
	256	0	06	96		386	0	21	47
	256/1	0	10	45		387	0	04	15
	254	0	11	49					
	257	0	03	83					
	258	0	10	44					
	259	0	24	72					
	251/9	0	00	35					
	283	0	00	35					
	282	0	24	03					
	288	0	07	66					
	289	0	16	71					
	280	0	13	93					
	292	0	00	35					
	291	0	12	54					
	293	0	00	35					
	298	0	22	98					
	297/3	0	09	75					
	297/2	0	08	36					
	316	0	14	62					
	317	0	29	95					
Vareda	167	0	15	39					
	166	0	17	49					
	160	0	03	85					
	149	0	08	40					
	150	0	05	60					
	151	0	25	89					
	152	0	15	39					

[No. O-31015/8/89-O.R.-I]

का. आ. 44.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2847 तारीख 10 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आणय की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ,

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी खिल्लंगों में रहित इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : कंकराज जिला : बनासकांठा राज्य : गुजरात

गाँव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्रफल
		हेक्टर

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

सोहनपुरा	29	0	50	97
	30	0	14	16
	25	0	26	35
	26	0	01	06
	24	0	34	69
	20/1	0	23	00
	20/2	0	00	35
	19	0	17	34
	18	0	01	06
	17	0	22	65
	16	0	23	36
	15	0	15	58
	14	0	15	58
	11	0	21	24
	10	0	07	08
	8	0	25	49
	7	0	19	11
सुप्रोसण	136	0	14	35
	135	0	19	64
	133	0	08	31
	110	0	03	78
	105	0	30	22
	103	0	35	51
	102	0	21	91

1	2	3	4	5
सुप्रोसण	59	0	13	60
	14	0	18	89
	15	0	23	42
	18	0	12	84
	19	0	12	84
	16	0	07	55
	20	0	12	84
	21	0	18	89
	33	0	03	02
भद्रेवाडी	164	0	06	93
	165	0	65	41
वालपुरा	265	0	71	06
	268	0	22	29
	269	0	09	75
	270	0	18	11
	271	0	16	03
	272	0	00	70
	273	0	29	26
	276	0	00	70
	275	0	55	73
	282	0	26	47
	280	0	13	93
	284	0	10	45
	285	0	31	35
	293	0	15	33
	292	0	19	51
	291	0	40	41
	15	0	20	90
	27	0	19	51
	26	0	43	19
	24	0	26	47
मानपुरा	19	0	06	97
	23	0	22	29
	20	0	06	97
	21	0	12	54
	52	0	01	39
	51	0	30	65
	50	0	19	51
	49	0	44	58
	38	0	00	70
	48	0	00	70
	81	0	20	90
	155	0	44	91
	154	0	58	84
	153	0	37	16

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5
भामपुरा	218	0	35	62			25	0	26	35
	222	0	18	58			26	0	01	06
	223	0	07	74			24	0	34	69
	216	0	10	84			20/1	0	23	00
	226	0	06	19			20/2	0	00	35
	228	0	34	07			19	0	17	34
	230	0	24	78			18	0	01	06
	232	0	24	78			17	0	22	65
	231	0	34	07			16	0	23	36
	238	0	57	29			15	0	15	58
	239	0	21	68			14	0	15	58
	241	0	30	97			11	0	21	24
	242	0	43	36			10	0	07	08
							8	0	25	49
							7	0	19	11
						Sudrosen	136	0	14	35
							135	0	19	64
							133	0	08	31
							110	0	03	70
							105	0	30	22
							103	0	35	51
							102	0	21	91
							59	0	13	60
							14	0	18	89
							15	0	23	42
							18	0	12	84
							19	0	12	84
							16	0	07	55
							20	0	12	84
							21	0	18	89
							33	0	03	02
						Bhedrevadi	164	0	06	93
							165	0	65	41
						Valpura	265	0	71	06
							268	0	22	29
							269	0	09	75
							270	0	10	11
							271	0	16	03
							272	0	00	70
							273	0	29	26
							276	0	00	70
							275	0	55	73
							262	0	26	47
							280	0	13	93
							284	0	10	45
							205	0	31	35
							293	0	15	33
							292	0	19	51
							291	0	40	41
							15	0	20	90
							27	0	19	91
							26	0	43	19
							24	0	26	47
							19	0	06	97
							23	0	22	29
							20	0	06	97
							21	0	12	54
							52	0	01	39
							51	0	30	65
							50	0	19	51
							49	0	44	58
							38	0	00	70

[सं. ओ.-31015/8/89 ओ.आर.-1]

S.O. 44.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 2847, dated 10-11-1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 15th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil	District	State: Gujarat		
Kankaraj	Banaskantha			
Name of Village	Survey No.	H.	Area A.	Sq. Mtrs.
1	2	3	4	5
Sohonpura	29	0	50	97
	30	0	14	16

1	2	3	4	5
Valpura (Concl'd.)	48	0	00	70
	81	0	20	90
Manpura	155	0	44	91
	154	0	58	84
	153	0	37	16
	219	0	35	63
	222	0	18	58
	223	0	07	74
	216	0	10	84
	226	0	06	19
	228	0	34	07
	230	0	24	78
	232	0	24	78
	231	0	34	07
	238	0	57	29
	239	0	21	68
	241	0	30	97
	242	0	43	36

[No. O-31015/8/89-O.R.D.]

का.आ. 45—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और 6 खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 2848 तारीख 10 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और राजपद अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 4 की उपधारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगामों से रहित, इंडियन प्रायिल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची				
तहसील : रापर जिला : कच्छ राज्य : गुजरात				
गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	आरे	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
चित्रोड	541	00	20	88
	543	00	10	44
	544	00	18	00
	546/1	00	27	54
	589/1	00	20	88
	590	00	10	44
	591	00	35	10
	592	00	19	08
	593/1	00	17	10
	601	00	39	78
	602	00	16	20
	623	00	23	76
	621	00	04	77
	624	00	28	44
डेहरवा	159/1	00	22	14
	158/1	00	12	06
	153/1	00	12	06
	150/1	00	00	99
	146/1	00	09	00
	147	00	36	18
	122/5	00	14	04
	122/4	00	16	02
	122/1	00	00	45
	121	00	43	20
	120	00	30	42
डेहरवा (क्रमशः)	119/1	00	38	16
	101	00	30	24
	102	00	46	26
	100/2	00	10	08
	98	00	26	10
	81	00	40	32
	80	00	46	26
	79	00	08	10
	76	00	21	06
	75	00	16	02
	74/1	00	40	32
	74/2	00	16	02
सई	437	00	03	78

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
सई (क्रमशः)	436	00	38	16	बेकनास	63	00	13	50
	435	00	32	40		105	00	30	78
	432	00	01	44		98/2	00	25	20
	433	00	13	50		98/1	00	00	90
	430	00	39	96		95/1	00	25	20
	429/3	00	02	43		95/2	00	07	74
	354	00	21	96		94	00	18	00
	358/1	00	23	04		85	00	37	80
	358/2	00	03	78		89	00	30	78
	360/1	00	13	50					
	360/2	00	14	40					
	363/1	00	19	98	भीमासर	960/1	00	42	66
	364/1	00	21	24		960/2	00	18	54
	345/1	00	15	30		955	00	46	44
	344	00	34	38		919/1	00	53	56
	341	00	42	12		894/2	00	07	38
	187	00	15	30		893	00	37	08
	185	00	14	22		890/2	00	13	86
	184	00	30	60		890/1	00	12	96
	183	00	10	44		888/2	00	13	86
	160/1	00	35	28		888/4	00	00	90
	161	00	19	98		887/1	00	11	16
	162	00	23	04		887/2	00	18	54
	178	00	02	43		882/3	00	20	34
	163	00	07	20		881/1	00	09	36
	164	00	57	24		881/2	00	12	96
	122	00	15	20		880	00	29	70
	119/1	00	13	50		878/1	00	16	74
	118	00	27	72		878/2	00	27	90
	112	00	07	74		872/1	00	12	06
	115/1	00	17	28		872/2	00	08	37
	113	00	21	24		872/3	00	27	90
किडियानगर	571	00	01	44		872/4	00	13	86
	269/2	00	14	22		871/1	00	15	84
	569/1	00	13	23		871/2	00	03	69
	568	00	07	56		871/3	00	03	69
	1222	00	16	02		874/1	00	03	69
	1223/1	00	10	44		870	00	29	70
	1223/2	00	00	90		869	00	37	08
बादलपर	11	00	00	67.5		866/3	00	22	50
छोटापर	93	00	13	32		865	00	18	54
	89	00	14	22		864/3	00	28	08
	86	00	26	46		863/1	00	01	35
	85/1	00	13	32		863/3	00	01	35
	85/2	00	03	78		863/4	00	08	28

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
भीमावर (क्रमशः)	862/4	00	11	16	भीमावर (क्रमशः)	2081/6	00	05	58
	862/1	00	11	16		2081/5	00	04	68
	2186/2	00	19	44		2081/3	00	02	34
	2187	00	42	66		2081/4	00	03	69
	2188/2	00	09	36		2080/6	00	02	79
	2188/1	00	16	02		2080/3	00	02	79
	2185/2	00	37	08		2080/4	00	02	79
	2185/1	00	05	58		2080/5	00	02	79
	2183/1	00	12	06		2078/1	00	14	76
	2179/3	00	09	36		2077/5	00	12	96
	2189/2	00	01	35		2074/4	00	18	54
	2174/2	00	13	86		2073/4	00	16	74
	2174/1	00	04	68		2069/4	00	16	74
	2173/1	00	14	94		2069/5	00	02	70
	2172/4	00	07	38		2069/3	00	20	34
	2169	00	04	14		2070/1	00	00	45
	2170/3	00	01	80		2068/4	00	11	16
	2170/1	00	01	80		2068/5	00	11	16
	2161/1	00	07	38		2067/1	00	00	45
	2158/3	00	01	80		2065/6	00	04	68
	2154/1	00	01	80		2065/5	00	04	68
	2155/2	00	12	06		2065/4	00	00	45
	2156/1	00	03	60		2066	00	06	48
	2156/2	00	05	58	नखागढ़	147	00	44	64
	2140/1	00	18	54		146	00	03	60
	2142/1	00	05	13		135	00	11	16
	2142/3	00	04	77		134	00	24	12
	2142/2	00	09	36		133/1	00	29	70
	2136/3	00	05	58		132	00	16	74
	2136/1	00	10	26					
	2132/2	00	11	16					
	2133/1	00	09	36					
	2124	00	22	14					
	2123/1	00	00	90					
	2093/2	00	01	80					
	2093/1	00	09	36					
	2094	00	11	16					
	2095/1	00	04	68					
	2097/2	00	10	26					
	2097/1	00	04	68					
	2098/2	00	06	48					
	2085/3	00	00	90					
	2084	00	12	96					
	2083/1	00	14	76					
	2081/8	00	05	58					
	2081/7	00	04	68					

[सं. ओ. -31015/8/89-ओमर 1]

S.O. 45.— Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 2848, dated the 10th November, 1990. issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the Gazette notification were made available to the public on 15th November, 1990;

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited

SCHEDULE

Tehsil -Rapar	District Kachchh	State — Gujarat		
Name of Village	Survey No.	Area		
		Hectare	Acre	Square Metres
1	2	3	4	5
Chitrod	541	00	20	88
	553	00	10	44
	544	00	18	00
	546/1	00	27	54
	589/1	00	20	88
	590	00	10	44
	591	00	35	10
	592	00	19	08
	593/1	00	17	10
	601	00	39	78
	602	00	16	20
	623	00	23	76
	621	00	04	77
	624	00	28	44
Dedra	159/1	00	22	14
	158/1	00	12	06
	153/1	00	12	06
	150/1	00	00	99
	146/1	00	09	00
	147	00	36	18
	122/5	00	14	04
	122/4	00	16	02
	122/1	00	00	45
	121	00	43	20
	120	00	30	42
	119/1	00	38	16
	101	00	30	24
	102	00	46	26
	100/2	00	10	08
	98	00	26	10
	81	00	40	32
	80	00	46	26
	79	00	08	10
Sai	76	00	21	06
	75	00	16	02
	74/1	00	40	32
	74/2	00	16	02
	437	00	03	78
	436	00	38	16
	435	00	32	40
	432	00	32	40
	433	00	13	50

1	2	3	4	5
SAI (Contd.)				
	430	00	39	96
	429	00	02	43
	354	00	21	96
	358/1	00	23	04
	358/2	00	03	78
	360/1	00	13	50
	360/2	00	14	40
	363/1	00	19	98
	364/1	00	21	24
	345/1	0	15	30
	344	00	34	38
	341	00	42	12
	187	00	15	30
	185	00	14	22
	184	00	30	60
	183	00	10	44
	160/1	00	35	28
	161	00	19	98
	162	00	23	04
	178	00	02	43
	163	00	07	20
	164	00	57	24
	122	00	16	20
	119/6	00	13	50
	118	00	27	72
	112	00	07	74
	115/2	00	17	28
	113	00	21	24
Kidiyanagar	571	00	01	44
	569/2	00	14	22
	569/1	00	13	23
	568	00	07	56
	1222	00	16	02
	1223/1	00	10	44
	1223/2	00	00	90
Badalpar Chhotapar	11	00	00	67.5
	93	00	13	32
	89	00	14	22
	86	00	26	46
	85/1	00	13	32
	85/2	00	03	78
Verka	63	00	13	50
	105	00	30	78
	98/2	00	25	20
	98/1	00	00	90
	95/1	00	25	20
	95/2	00	07	74
	94	00	18	00
	85	00	37	80
Bhimasar	89	00	30	78
	960/1	00	42	66
	960/2	00	18	54
	955	00	46	44
	919/1	00	43	56
	894/2	00	07	38
	893	00	37	08
	890/2	00	13	86
	890/1	00	12	96
	888/2	00	13	86
	888/4	00	00	90
	887/1	00	11	16
	887/2	00	18	54
	882/3	00	20	34

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Bhimasar—Contd.	881/1	00	09	36	Bhimasar—Contd.	2081/8	00	05	58
	881/2	00	12	96		2081/7	00	04	68
	880	00	29	70		2081/6	00	05	58
	878/1	00	16	74		2081/5	00	04	68
	878/2	00	27	90		2081/3	00	02	34
	872/1	00	12	06		2081/4	00	03	69
	871/2	00	08	37		2080/6	00	02	79
	872/3	00	27	90		2080/3	00	02	79
	872/4	00	13	86		2080/4	00	02	79
	871/1	00	15	84		2080/5	00	02	79
	871/2	00	03	69		2078/1	00	14	76
	871/3	00	03	69		2077/5	00	12	96
	871/4	00	03	69		2074/4	00	18	54
	870	00	29	70		2073/4	00	16	74
	869	00	37	08		2069/4	00	16	74
	866/3	00	22	50		2069/5	00	02	70
	865	00	18	54		2069/3	00	20	34
	864/3	00	28	08		2070/1	00	00	45
	863/1	00	01	35		2068/4	00	11	16
	863/3	00	01	35		2068/5	00	11	16
	863/4	00	08	28		2067/1	00	00	45
	862/4	00	11	16		2065/6	00	04	68
	862/1	00	11	16		2065/5	00	04	68
	2186/2	00	19	44		2065/4	00	00	45
	2187	00	42	66		2066	00	06	48
	2188/2	00	09	36	Lakhagadh	147	00	44	64
	2188/1	00	16	02		146	00	03	60
	2185/2	00	37	08		135	00	11	16
	2185/1	00	05	58		134	00	24	12
	2183/1	00	12	06		133/1	00	29	70
	2179/3	00	09	36		132	00	16	74
	2189/2	00	01	35					
	2174/2	00	13	86					
	2174/1	00	04	68					
	2173/1	00	14	94					
	2172/4	00	07	38					
	2169	00	04	14					
	2170/3	00	01	80					
	2170/1	00	01	80					
	2161/1	04	07	38					
	2158/3	00	01	80					
	2154/1	00	01	80					
	2155/2	00	12	06					
	2156/1	00	03	60					
	2156/2	00	05	58					
	2140/1	00	18	54					
	2142/1	00	05	13					
	2142/3	00	04	77					
	2142/2	00	09	36					
	2136/3	00	05	58					
	2136/1	00	10	26					
	2132/2	00	11	16					
	2133/1	00	09	36					
	2124	00	22	14					
	2123/1	00	00	90					
	2093/2	00	01	80					
	2093/1	00	09	36					
	2094	00	11	16					
	2095/1	00	04	68					
	2095/2	00	04	68					
	2097/2	00	10	26					
	2097/1	00	04	68					
	2098/2	00	06	48					
	2085/3	00	00	90					
	2084	00	12	96					
	2083/1	00	14	76					

[No. O-31015/8/89-O.R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy

का.आ. 46 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2850 तारीख 10 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिलाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 15 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना में उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विल्लंगमों से रहित, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : हरीज जिला मेहसाना राज्य : गुजरात

गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	आर	वर्ग मीटर

1	2	3	4	5
दूनावडा	187	0	71	13
	207	0	18	83
	208	0	13	95
	216	0	10	46
	211	0	06	97
	243	0	28	94
	212	0	26	50
	242	0	01	04
	241	0	23	71
	240	0	15	69
	239	0	11	16
	219	0	04	53
	238	0	16	39
	250	0	18	83
	251	0	51	25
	161	0	72	97
	154	0	72	87
	158	9	01	04
	155	0	18	83
	125	0	30	68
	121	0	21	62
	122	0	07	67
	112	0	27	89
	102	0	18	83
	101	0	18	83
	99	0	18	13
	98	0	06	97
	62	0	62	76

1	2	3	4	5
दूनावडा (क्रमणः)	61	0	15	69
	70	0	10	46
	71	0	08	37
	120	0	07	67
	98	0	50	46
	97	0	04	15
	102	0	04	15
	103	0	29	72
	120	0	36	29
	122	0	04	49
	119	0	15	20
	127	0	34	56
	128	0	33	18
	134	0	38	71
	144	0	26	95
	143	0	12	44
	2/2	0	08	98
	3	0	31	79
	16	0	15	21
	15	0	14	51
	14	0	21	43
	13	0	09	68
	20	0	09	68
	28	0	20	73
	27	0	01	38
मासा—क्रमशः	26	0	15	90
	25	0	15	90
	30	0	20	74
	31	0	07	60
	33	0	26	27
	35	0	06	22
	36	0	06	22
	37	0	05	53
	39	0	20	74
	55	0	35	25
	760	0	27	48
	761	0	01	07
	759	0	28	20
	762	0	01	07
	700	0	14	99
	698	0	29	98
	687	0	25	70
	686	0	16	42
	705	0	90	66
	616	0	24	27
	615	0	11	78

					SCHEDULE				
1	2	3	4	5	Tohsil—Harij	District—Mehsana	State—Gujarat		
रोडा (क्रमशः)	614	0	04	64	Dunavada	Name of Village	Survey No.	Area	
	612	0	07	85				Hec-	Arc Square
	613	0	13	56				tare	M.
	611	0	07	85					
	610	0	08	57					
	609	0	09	28					
	607	0	19	99					
	606	0	16	42					
	547/1	0	42	48					
	547	0	07	50					
	554	0	27	13					
	558	0	06	78					
	559	0	06	78					
	560	0	17	13					
	563	0	07	85					
	412	0	24	99					
	411	0	17	85					
	410	0	01	07					
	409	0	28	20					
	401	0	17	85					
	402	0	12	85					
	400	0	05	71					
	394	0	23	56					
	395	0	01	78					
	391	0	38	91					

1	2	3	4	5
	</			

[सं.ओ.-31015/8/89-ओ.प्रार. I]

S.O. 46.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. SO 2850, dated the 10th November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 15th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government.

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

Dunavada

Mesa

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hec-tare	Acre	Square M.
1	2	3	4	5
Dunavada	187	0	71	13
	207	0	18	83
	208	0	13	95
	216	0	10	46
	211	0	06	97
	243	0	28	94
	212	0	26	50
	242	0	01	04
	241	0	23	71
	240	0	15	69
	239	0	11	16
	219	0	04	53
	238	0	16	39
	250	0	18	83
	251	0	51	25
	161	0	72	97
	154	0	72	87
	158	0	01	04
	155	0	18	83
	125	0	30	68
Mesa	121	0	21	62
	122	0	07	67
	112	0	27	89
	102	0	18	83
	101	0	18	83
	99	0	18	13
	98	0	06	97
	62	0	62	76
	61	0	15	69
	70	0	10	46
	71	0	08	37
	120	0	07	67
	98	0	50	46
	97	0	04	15
	102	0	04	15
	103	0	29	72
	120	0	36	29
	122	0	04	49
	119	0	15	20
	127	0	34	56
	128	0	33	18
	134	0	38	71
	144	0	26	95
	143	0	12	44
	2/2	0	08	98
	3	0	31	79
	16	0	15	21
	15	0	14	51
	14	0	21	43
	13	0	09	68
	20	0	09	68
	28	0	20	73
	27	0	01	38
	26	0	15	90
	25	0	15	90
	30	0	20	74

1	2	3	4	5
Masa (Contd.)	31	0	07	60
	33	0	26	27
	35	0	06	22
	36	0	06	22
	37	0	05	53
	39	0	20	74
	55	0	35	25
Roda	760	0	27	48
	761	0	01	07
	759	0	28	20
	762	0	01	07
	700	0	14	99
	698	0	29	98
	687	0	25	70
	686	0	16	42
	705	0	90	66
	616	0	24	27
	615	0	11	78
	614	0	04	64
	612	0	07	85
	613	0	13	56
Roda	611	0	07	85
	610	0	09	57
	609	0	09	28
	607	0	19	99
	606	0	16	42
	547/1	0	42	48
	547	0	07	50
	554	0	27	13
	558	0	06	78
	559	0	06	78
	560	0	17	13
	561	0	07	85
	412	0	24	99
	411	0	17	85
	410	0	01	07
	409	0	28	20
	401	0	17	85
	402	0	12	85
	400	0	05	71
	394	0	23	56
	395	0	01	78
	391	0	38	91

[No. O-31015/8/89-O.R.-I]

का.आ. 47 :—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन गंतालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2851 तारीख 10 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 15 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी विवर्तनों से रहित, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : सिधपुर जिला : मेहसाना राज्य : गुजरात

गांव का नाम	सर्वेक्षण संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	आरे	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5
सिधपुर	107	0	28	10
	106	0	11	94
	118	0	07	03
	117	0	19	67
	143	0	70	96
	181	0	10	54
	182	0	05	62
	179	0	05	62
	178	0	18	27
	286	0	16	16
	287	0	15	48
	288	0	16	16
	293	0	04	21
	292	0	14	05
	291	0	11	59
	290	0	01	05
	308	0	07	03
	309	0	21	07
	327	0	07	03
	328	0	08	43

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
पिप्रा पुर—क्रमशः	329	0	16	16	देथली	286	0	33	28
	335	0	08	08		288	0	02	12
	334	0	07	03		289	0	17	00
	336	0	01	05		290	0	35	41
	333	0	11	94		291	0	07	08
	343	0	09	48		292	0	07	08
	340	0	01	05		306	0	13	45
	342	0	04	21		310	0	17	70
	354	0	17	92		309	0	22	66
	353	0	01	05		319	0	12	75
	351	0	09	12		320	0	14	16
	350	0	28	10		321	0	15	58
	397	0	04	21		339	0	26	91
	396	0	12	65		340	0	22	66
	395	0	12	65		577	0	06	02
	398	0	16	86		577/3	0	06	02
	400	0	12	65		576	0	12	04
	401	0	20	02		575	0	13	81
	402	0	08	08		574	0	13	81
	406	0	08	43		568	0	12	03
						567	0	01	42
						570	0	14	87
खोलवाडा	608	0	15	65		496	0	14	16
	607	0	19	92		497	0	09	21
	606	0	19	92		498	0	13	45
	605	0	27	04		502	0	26	20
	621	0	13	52		501	0	00	71
	520	0	02	13		503	0	27	62
	624	0	09	25		504	0	07	08
	623	0	09	25		505	0	30	45
	626	0	14	23		555	0	14	87
	627	0	20	64		544	0	23	37
	651	0	14	94		544/1		25	49
	650	0	14	23		553	0	03	54
	384	0	11	58		554	0	03	54
	383	0	07	12		543/2	0	09	21
	362	0	27	04		543/4	0	18	70
	338	0	14	94		543/9		04	25
	346	0	04	98		3			
	341	0	05	69		543	0	12	04
	342	0	09	25		531/1	0	17	70
	345	0	02	13		530	0	17	70
	344	0	20	64		543/10	0	03	90
	347	0	11	39		3			
	348	0	02	85		542	0	03	90
	294	0	27	75		529	0	12	04
	270	0	20	63		532	0	03	54
	271	0	32	73		533	0	08	50
	273	0	26	33					

1	2	3	4	5
चांदणसर	322	0	18	13
	329	0	27	89
	328	0	29	98
	363	0	02	79
	362	0	13	94
	387	0	12	55
चांदणसर (क्रमशः)	388	0	49	50
	390	0	14	64
	201	0	13	94
	200	0	06	62
	199	0	01	05
	196	0	15	34
	195	0	13	25
	126	0	20	91
	127	0	04	18
	118	0	32	76
	117	0	11	85
	140	0	23	70
	141	0	19	82
	142	0	32	07
हीसोर	135	0	32	80
	136	0	14	58
	134	0	05	10
	141	0	04	37
	142	0	15	31
	146	0	20	77
	147	0	01	09
	145	0	16	03
	332	0	18	95
	331	0	13	85
	329	0	18	22
	326	0	22	59
	316	0	06	56

[सं.-ओ.-31015/8/89-ओ.प्रार.-I]

S.O. 47.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S/O. 2851 Dated the November 10, 1990 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette Notification were made available to the public on November 15, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the

lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Taluka - Sidhpur	District - Mehsana	Gujarat State			
Name of Village	Survey No.	Area			
			H.	A.	Sq. Mtrs.
1	2	3	4		
Sidhpur	107	0	28		10
	106	0	11		94
	118	0	07		03
	117	0	19		67
	143	0	70		96
	181	0	10		54
	182	0	05		62
	179	0	05		62
	178	0	18		27
	286	0	16		16
	287	0	15		46
	288	0	16		16
	293	0	04		21
	292	0	14		05
	291	0	11		59
	290	0	01		05
	308	0	07		03
	309	0	11		07
	327	0	07		03
	328	0	08		43
	329	0	16		16
	335	0	08		08
	334	0	07		03
	336	0	01		05
	333	0	11		94
Sidhpur (Contd.)	343	0	09		48
	340	0	01		05
	342	0	04		21
	354	0	17		92
	353	0	01		05
	351	0	09		13
	350	0	18		10
	397	0	04		21
	396	0	12		65
	395	0	12		65
	398	0	16		86
	400	0	12		65
	401	0	20		02
	402	0	08		08
	406	0	08		43
Kholavada	608	0	15		65
	607	0	19		92
	606	0	19		92

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Kholavada (Contd.)	605	0	27	04	Dethali (Contd.)	543	0	12	04
	621	0	13	52		531/1	0	17	70
	620	0	02	13		530	0	17	70
	624	0	09	25		543/10	0	03	90
	623	0	09	25					
	626	0	14	23		3			
	627	0	20	64		542	0	03	90
	651	0	14	94		529	0	12	04
	650	0	14	23		532	0	03	54
	384	0	11	58		533	0	08	50
	383	0	07	12	Chandansar	322	0	18	13
	362	0	27	04		329	0	27	89
	338	0	14	94		328	0	29	98
	346	0	04	98		363	0	02	79
	341	0	05	69		362	0	13	94
	342	0	09	25		387	0	12	55
	345	0	02	13		388	0	49	50
	344	0	20	64		390	0	14	64
	347	0	11	39		201	0	13	94
	348	0	02	85		200	0	06	62
	294	0	27	75		199	0	01	05
	270	0	20	63		196	0	15	34
	271	0	32	73		195	0	13	25
	273	0	26	33		126	0	20	91
Dethali	286	0	33	28		127	0	04	18
	288	0	02	12		118	0	32	76
	289	0	17	00		117	0	11	85
	290	0	35	41		140	0	23	70
	291	0	07	08		141	0	18	82
	292	0	07	08		142	0	32	07
	306	0	13	45	Hisor	135	0	32	80
	310	0	17	70		136	0	14	58
	309	0	22	66		134	0	05	10
	319	0	12	75		141	0	04	37
	320	0	14	16		142	0	15	31
	329	0	15	58		146	0	20	77
	339	0	26	91		147	0	01	09
	340	0	22	66		145	0	16	03
	577	0	06	02		332	0	18	95
	577/3	0	06	02		331	0	13	85
	576	0	12	04		329	0	18	22
	575	0	13	81		326	0	22	59
	574	0	13	81		316	0	06	56
	568	0	12	03					
	567	0	01	42					
	570	0	14	87					
	496	0	14	16					
	497	0	09	21					
	498	0	13	45					
	502	0	26	20					
	501	0	00	71					
	503	0	27	62					
	504	0	07	08					
	505	0	39	45					
	555	0	14	87					
	544	0	23	37					
	544/1	0	25	49					
	553	0	03	54					
	554	0	03	54					
	543/2	0	09	21					
	543/4	0	17	70					
	543/9	0	04	25					

[No. O-31015/8/89 O.R.-I]

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1991

का.अ. 48.--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबंधन के संबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 10th December, 1991

S.O. 48.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the

Industrial dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL CUM LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this 3rd Day of December, 1991

PRESENT :

Shri M. B. VISHWANATH, B.Sc., B.L.

Presiding Officer.

Central Reference No. 36/1990

I PARTY : Vs. II PARTY:

Shri B. P. Nagendra Rao, The Divisional Manager,
Kuppe Village,
S. B. Hally (Post),
Bilakera Hobli,
Hunsur Taluk,
Mysore District.
(By Sri. H. Gonsalves,
Mysore).

The LIC of India,
J. C. Road,
Bangalore-560002.
(By Shri. M. L. Visweswarai
Advocate, Banagalore).

AWARD

By Order No. L-17012/6/89-IR BI/BIH dated 25-5-1990, the Hon'ble Central Government had referred this dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) to this Tribunal.

2. The point for adjudication as per schedule to reference is as follows :—

"Whether the action of the management of LIC of India in terminating the services of Shri B. P. Nagendra Rao w.e.f. 16-8-83 is justified or not? If not, to what relief the workman is entitled to?"

3. It is not necessary to summarise the claim statement and the counter statement.

4. A preliminary issue regarding Domestic Enquiry has been framed.

"Whether the II party proves that it has held the domestic enquiry against the I party in accordance with Law?"

5. On the Preliminary issue MW-1 B. S. Subba Rao, a retired LIC officer has been examined-in-chief. Cross examination was deferred at request. At this stage the parties have filed a joint Memo of settlement. The Joint Memo of settlement has been signed by the I party and his authorised representative (Trade Union leader). The learned counsel for the II party and the Manager of the legal cell of the II party have signed the joint Memo of settlement filed on 31-12-1991.

6. In view of the settlement, I am going to pass the award in accordance with the terms of the settlement. The joint Memo shall form part and parcel of the award.

AWARD

The I party shall be appointed by the II party afresh as a peon in the minimum scale. The I party is not entitled to any backwages from the date of termination of his services. The I party is not entitled to any other benefit like seniority, computation of past services etc., on the basis of his services before termination. Award passed as stated herein.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me.)

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-17012/6/89-IR(B.I)/IR(B.II)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BANGALORE

C. R. No. 36/1990

First Party :—Shri B. P. Nagendra Rao

Vs

Second Party :—LIC of India

JOINT MEMO FILED BY THE PARTIES

The parties have come to an understanding for settlement in respect of the dispute as follows :

1. The first party shall be appointed to the services of the second party afresh at the minimum of the scale of a peon.

2. The first party withdraws his claim for backwages for the period during which he was terminated from the services of the second party and as such he will not be entitled to any such back wages for the said period.

3. The first party shall not be entitled to nor shall be claim any other benefit from the second party such as seniority in the cadre, leave, computation of past services etc. on the basis of his earlier services with the second party i.e. before his removal from service.

4. Notwithstanding this settlement, proceedings if any, initiated against the I Party on the allegation that he had fraudulently obtained the surrender value cheque under a life insurance policy by impersonation shall continue but it is specifically recorded that no departmental enquiry in this behalf was pending against him at the time of his removal from service.

5. The absorption/reinstatement of the first party in the services of the second party on the above terms and conditions shall be effective only after an award is passed by this Honourable Tribunal in accordance with the terms of the settlement recorded herein.

6. The parties shall bear their own costs in respect of the proceedings before this Honourable Tribunal.

Both the parties pray that this Honourable Tribunal may kindly approve the terms of settlement as above and pass an award accordingly.

For and on behalf of the Second Party
Sd/-

MANAGER (LEGAL)

FIRST PARTY

B. P. Nagendra Rao
Trade Union Leader
assisting the first Party.

Sd/-

Advocate for the Second Party
28-11-91

DECLARATION

I, Shri H. GONSAIVES, the Trade Union Leader assisting the I party do hereby solemnly declare that I have explained to the I party in vernacular i.e. Kannada the terms and conditions of the settlement set out herein and he has understood the same and he has affixed his signature to this joint memo out of his free will and volition.

Bangalore,

Dated : 3-12-1991

Signature of the Trade Union Leader
Representing the First Party

का.आ. 49.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 49.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Baroda and their workman which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
DEOKI PALACE ROAD, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 167 of 1987

In the matter of dispute between:

Shri Harmangal Prasad,
State Assistant General Secretary,
Shri Assistant General Secretary,
U.P. Bank Employees Union,
36/1, Kailash Mandir, Kanpur.

AND

The Regional Manager,
Bank of Baroda
Gumti No. 5,
Kanpur.

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its notification No. L-12011/57/86-D.II(A) dated 20-11-87, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of management of Bank of Baroda in denying advance privilege leave from 2-7-77 to 16-7-77 and consequently postponing the date of increment from 16-11-77 to 1-12-77 in relation to Shri A. K. Khanna Asstt. Head Cashier is justified?

2. The Industrial dispute in this case on behalf of workman Shri A. K. Khanna has been raised by U.P. Bank Employees Union (hereinafter referred to as Union), Kanpur.

3. The case of the Union is that the workman who is a permanent employee in the clerical cadre, in terms of Bipartite Settlement was assigned the duties of Asstt. Head Cashier at Bank's Gumti No. 5 Branch Kanpur w.e.f. 10-10-85. The Union alleges that while the workman was posted at Kashipur Branch District Nainital of the Bank he was on leave from 2-7-77 to 16-7-77 on account of the serious illness of his mother. The Branch Manager of the Branch where the workman was working treated the above period as leave on loss of pay. Thereupon the workman gave representation dt. 6-8-77 for sanction of leave with pay in terms of bank's circular No. 72 of 1963 dt. 20-9-63, but to no effect. Because of the said decision of the bank the workman's annual increment was postponed from 16-11-77 to 1-12-77. However, on oral as well as on written representation dt. 29-6-82, the date of increment was corrected but not with retrospective effect. The Union has, therefore, prayed that the action of the management in denying the privilege leave to the workman from 2-7-77 to 16-7-77 and consequently postponing his date of increment from 16-11-77 to 1-12-77 be declared as unjustified. The Union has, further prayed, that the management be directed to allow privilege leave to the workman for the said period treating his date of annual increment as 16-11-77 instead of 1-12-77 with further consequential relief on treating the date of annual increment as 16th November, each year.

4. The case is contested by the management. The management while admitting the fact that the workman offered the assignment of duties of Asstt. Head Cashier of Gumti No. 5 Kanpur Branch w.e.f. 8-10-85 pleaded that subsequently on 10-10-85 it came to the notice of the management that inadvertently the workman had been assigned the duties of Asstt. Head Cashier at the said branch as he had availed of 15 days leave on loss of pay from 2-7-77 to 16-7-77 while working at Kashipur Branch as a result of which his date of increment was also shifted for the period of 15 days. According to the management with regard to the above period no application or representation at the relevant time was made by the workman for sanction of leave with pay in terms of circular referred to by the Union in the claim statement. The workman originally joined his service at Kashipur Branch on 16-11-76. In 1977 his request for his transfer to Kanpur Station was considered and as a result of it he was transferred to Sisamau Branch. The salary particulars sent to Sisamau Branch by Kashipur Branch indicated that the date of increment of the workman was to be taken as 1-12-77 as the workman had availed leave on loss of pay from 2-7-77 to 16-7-77. In 1982 the workman was transferred from Sisamau Branch to Bithana Road Branch. Again while forwarding his salary particulars the Sisamau Branch indicated his due date of annual increment as 16th November instead of 1st December. According to the management the original record in the salary register was tampered resulting in indicating wrong due date of annual increment of the workman. Since the workman himself did not object to his annual date of increment being 1st December, 1982, it becomes evident that he raised the present dispute regarding inaction of the management only after tampering the records. As such the workman is entitled to no relief. Rather the management is entitled to recover the amount from the workman which had been wrongly paid to him after 1982 on the basis of interpolation made in the record.

5. In this case the Union has led both oral as well as documentary evidence. The Union examined the workman whose cross examination was concluded on 3-11-89. Thereafter, the management filed their affidavit evidence on 17-1-90 whereupon 26-2-90 was fixed for the cross examination of the management witness. Thereafter on one ground or the other the case got adjourned and 16-10-91 came to be fixed as a date for cross examination of the management witness. As on 16-10-91 the court was closed due to Dussehra Holiday, it was changed to 18-10-91. On 21-10-91 Shri Soni appeared as the authorised representative for the workman. Since he had not filed his authority on behalf of the Union which has raised the dispute it was submitted by Shri Soni that he would file it subsequently.

6. On 30-10-91, Shri K. N. Soni, filed his authority on behalf of the Union. The same day the workman moved an application with the prayer that the Industrial Dispute be treated as withdrawn without prejudice to his rights. Since it was not an application on behalf of the Union which has raised the dispute it was ordered to be put up on the next date. Similarly it was not understood as to what the workman meant by the words "WITHOUT PREJUDICE", while moving the said application. It was on 6-11-91 that Shri Soni his authorised representative adopted the said application of the workman on behalf of the Union and further submitted that the above words should be treated as not existing in the application. The workman also appeared that very day i.e. on 6-11-91 and endorsed the above action of Shri Soni with regard to his application.

7. In view of the facts stated above the reference is answered in terms of the application dt. 30-10-91 of the workman as adopted subsequently by the Union. Consequently the workman is held entitled to no relief.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12011/57/86-D.II(A)]

का.आ. 50.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिडीकेट बैंक के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और

उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 50.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 55/90,

Dharam Pal Singh Vs. Syndicate Bank.

For the workman—Shri M. R. Garg.

For the management—Shri Gopal Mahajan.

AWARD

Central Govt. vide Gazette Notification No. L-12012/629/89-D.II(A) dated 24-4-1990 issued U/S 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Shri Dharam Pal Singh is justified ? If not, what relief the workman concerned is entitled to ?”

2. Present case was taken up in the Lok Adalat. However, Dharam Pal petitioner had moved an application for the withdrawal of the present case in view of the fact that the management had taken him in employment w.e.f. 16-2-89. In view of this No Dispute Award is returned to the Ministry.

Chandigarh
29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-12012/629/89-D.II(A)]

का.प्र. 51.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिंडीकेट बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 51.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Syndicate Bank and their workmen which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 56/90

Krishan Singh Vs. Syndicate Bank.

For the workman—Shri M. R. Garg.

For the management—Shri Gopal Mahajan.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/633/89-D.II(A) dated 24th April 1990 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Shri Krishan Singh son of Kartar Singh is justified ? If not, what relief the workman concerned is entitled to?”

2. Case was taken up in the Lok Adalat. However an application has been filed by Mr. M. R. Garg rep. of the workman that the union has decided to take up this dispute with the management in the next joint meeting and prayed for the withdrawal of the present case. In view of this application moved by the Rep. of the workman the present reference is returned to the Ministry.

Chandigarh

29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-12012/633/89-D.II(A)]

का.प्र. 52.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंधतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 52.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Management of Punjab National Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th December 1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR
Industrial Dispute No. 81 of 1987

In the matter of dispute between:

The Deputy General Secretary,
Punjab National Bank Employees Union,
C/o Punjab National Bank,
Civil Lines Moradabad.

AND

The Regional Manager,
Punjab National Bank,
Meerut 'B',
Regional Office E. K. Road,
Meerut.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/78/36-D.IV(A), dated 7-7-1987, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

Whether the action of the management of Punjab National Bank in relation to their Dhampur Branch in not posting Shri R. S. Gupta as Cashier/IC w.e.f. 27-4-85 at Extension Counter, Dhampur is justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?

2. The industrial dispute on behalf of the workman has been raised by the Punjab National Bank Employees Union Moradabad (hereinafter referred to as Union).

3. The case of the Union in brief is that a vacancy of Cashier Incharge fell vacant at Extension Counter of Dhampur Branch of the bank on 27-4-85, due to transfer of Shri Vinay Grover posted as Cashier Incharge at the Extension Counter in the said branch. In terms of the Policy of the Bank for filling up the vacancies of Cashier Incharge the workman, who happened to be the Senior Most Clerk-cum-Cashier at the said branch was entitled to be posted as Cashier Incharge. But in utter violation of the said Policy, Shri Ram Siya who was junior to the workman was posted as Cashier Incharge on 27-4-85 in the said vacancy. Prolonged correspondence and negotiations with the management of the bank brought out no fruitful result. The Union thereupon raised an industrial dispute before ALC(C), Dehradun in November, 1985. Before ALC(C), Dehradun, it was submitted on behalf of the management that the vacancy of cashier incharge extension counter at Dhampur Branch in fact fell vacant on 8-8-84 and since it was not filled up permanently, Shri Vinay Grover worked as Cashier Incharge Temporarily till the time of his transfer on 27-4-85. The Union alleges that on 8-8-84 the branch seniority was as under:—

1. Smt. Usha Rani—Clerk Cashier
2. Shri Rajiv Kumar—Clerk Cashier
3. Shri Vinay Grover—Clerk Cashier
4. Shri Ram Siya—Clerk Cashier.

Since Smt. Usha Rani refused to accept the offer, she was debarred for a period of one year i.e. from 9-8-84 to 8-8-85 as per Promotion Policy of the Bank. Similarly Shri Rajiv Kumar who showed his disinterestedness in the said post, he too was debarred like Smt. Usha Rani. Thus Shri Vinay Grover the rightful claimant after the above named two clerks-cum-cashiers were posted as Cashier Incharge Extension Counter in the said Branch. In the circumstances, upon the transfer of Shri Vinay Grover it would be deemed that the vacancy of Cashier Incharge again fell vacant on 27-4-85. The Union has, therefore, prayed that the action of the management be declared as illegal motivated and unjustified and further the management be directed to treat the workman Shri R. S. Gupta, as permanent cashier incharge Extension Counter, Dhampur Branch w.e.f. 27-4-85, with all consequential benefits.

4. The management of the bank contested the case. The management plead that in terms of the bipartite settlement an employee in the clerical cadre who is called upon to work as cashier incharge is entitled to a Special Allowance of Rs. 164. Since the procedure for filling up the post carrying special allowance in the clerical cadre has not been prescribed in the bipartite settlement, with a view to avoid dispute in this regard, the bank has laid down Rules for filling up such post. These Rules are found in Bank's Personnel Division Circular Letter No. 19/79 dated 21-3-79 in terms of which the posting of cashier incharge is to be made on basis of seniority taking the town as a Unit.

5. The management further plead that a vacancy of Cashier Incharge at Extension Counter, Dhampur Branch of the Bank fell vacant on 8-8-84. The Branch Manager vide office order called upon Shri Vinay Grover to officiate as Cashier Incharge at Extension Counter of the branch. The said office order was passed on the application of seniority by taking Town as a Unit on the date on which the vacancy of Cashier Incharge occurred upon the transfer of Shri Vinay Grover on the basis of seniority as on 8-8-84. Shri Ram Siya was offered the post of Cashier Incharge Extension Counter, Dhampur Branch. According to the management the post was not offered to Shri R. S. Gupta as he had joined Dhampur Branch on 15-4-85. Since Shri Vinay Grover was never posted permanently at Extension Counter, the question for treating the post having fallen vacant on 27-4-85 does not arise at all. Now if the claim of the workman is accepted, it would lead to further industrial dispute as the bank cannot post two head cashier in the same office.

6. A long rejoinder has been filed but the sum and substance of it is that the vacancy of the cashier incharge extension counter of Dhampur Branch would be deemed to have occurred on 27-4-85 and since Shri R. S. Gupta, had joined the branch earlier to it, the post of cashier incharge extension

counter should have been offered to the workman as per bank's policy.

7. In support of their respective cases both sides have led oral as well as documentary evidence. Whereas the Union has examined Shri O. P. Gupta, General Secretary, All India P.N.B. Staff Federation and President National Confederation of Bank Employees, the management have examined Shri A. K. Saxena, an officer of the bank, who is also a representative of the bank in this case.

9. In his cross-examination the management witness has given the procedure for filling up the vacancy of cashier post of clerk-cum-Godown Keeper is not to be considered. The same thing has been deposed to by the management witness in para 5 of his statement in cross examination.

9. In his cross-examination the management witness has given the procedure for filling up the vacancy of cashier incharge. In para 2 of his statement in cross examination, he has deposed that on the basis of seniority list, the senior most is offered the post and if he refuses then the next man on the seniority list is offered the post. This according to him is about the permanent arrangement to be made. The practice is that for giving effect to the above arrangement, the branch manager seeks the approval of the Regional Manager's Office, in the mean while at his own level makes an interim arrangement. Until the receipt of approval from the Regional Manager's Office the person so deputed by the branch manager gets the allowance of cashier incharge on prorata basis.

10. Annexure 1 to the affidavit dated 17-4-89 of Shri Saxena refers to the office order dated 10-8-84 of the manager, Dhampur Branch. By means of this office order the Manager directed Shri Vinay Grover to take over charge on extension counter. With regard to Shri Vinay Grover the management witness in para 3 of his statement in cross examination states that he does not know whether or not the name of Shri Vinay Grover was sent by the Manager, Dhampur Branch to the Regional Office for approval. According to him vacancy of cashier incharge which had occurred on 8-8-84 was filled up on permanent basis by the Regional Office in October, 1985. In this connection reference may be had to Annexure 3 to the affidavit dated 17-4-89 of the management's witness. It is the copy of letter dated 29-10-85 from the Manager, Dhampur Branch of Shri Ram Siya with copy to the Regional Manager, Meerut Region. By means of this letter he informed Shri Ram Siya that the Regional Office vide its letter dated 12-10-85 had approved his posting as cashier incharge Extension Counter Dhampur Branch. He also called upon Shri Ram Siya to deposit security immediately.

11. Thus from the above evidence and admitted facts it comes out that whereas according to the management no approval of the posting of Shri Vinay Grover as Cashier Incharge Extension counter was accorded during the period 10-8-84 to 27-4-85 in case of Shri Ram Siya it was accorded on 12-10-85. I may refer to annexure 2 to the affidavit dated 17-4-89, of the management witness. It is the copy of order dated 30-4-85 by means of which the manager directed Shri Ram Siya to take charge of the Extension Counter.

12. In his cross-examination, the management witness has deposed that on 17-4-85 Shri R. S. Gupta came to be designated clerk-cum-godown keeper at Dhampur Branch by the Branch Manager as per need of the branch. However, the Regional Manager, who is the Competent Authority for the Change of Designation did not accord his approval whereupon, the Branch Manager redesignated him as clerk-cum-cashier w.e.f. 2-8-85.

13. The only dispute between the parties, as far as I can understand, is when the vacancy of Cashier Incharge at Dhampur Branch fell vacant whether it took place on 8-8-84 or on 27-4-85 when Shri Vinay Grover was transferred. It is the admitted case of the parties that Shri R. S. Gupta the concerned workman joined the branch on 15-4-85. Now if the vacancy is treated as having fallen vacant on 27-4-85 the post of cashier incharge on account the workman being senior to Shri Ram Siya should have been offered to the workman and not to Shri Ram Siya.

14. Facts and circumstances smacks of mala fide on the

part of the management. It appears that with a view to accommodate Shri Ram Siya, the Branch Manager either of his own accord or at the behest of some body, designated the workman as clerk-cum-godown keeper so that he could not be considered for his posting as cashier incharge. Not only that even after the Regional Manager had refused to accord approval to the change in designation of the workman he was considered as having become clerk-cum-cashier w.e.f. 2-8-85 as has been deposed to by the management witness towards the end of his cross-examination. In case of such refusal because of status quo ante having been restored the workman should be deemed to have been working as clerk-cum-cashier from the date of joining the branch i.e. 15-4-85.

15. For reasons best known to the management, the correspondence which had taken place between 10-8-84 and 27-4-85 between the branch manager and the Regional Manager has not been filed by the management. After having directed Shri Vinay Grover to take over charge as Cashier Incharge at Extension Counter by means of his office order dated 10-8-84, the branch manager would have surely written about it to the Regional Office seeking approval of the arrangement made by him. It does not appeal to mind that during the period of more than 8 months the Regional Office would have kept mum. The Regional Office would have surely replied the Branch Manager in the affirmative or in the negative. The question of reply being in the negative would not have arisen in the case for otherwise Shri Vinay Grover would not have continued for such a long period. If it is taken that no approval was accorded to the proposal made by the Branch Manager and the matter was allowed to hang on it would be deemed that even the Regional Office was interested in Sri Ram Siya and it is no wonder if in that event the R.M. Office might have thought it fit to transfer Sri Vinay Grover in order to make room for Shri Ram Siya and put the case that vacancy had actually occurred on 8-8-84, when on the basis of seniority after Sri Vinay Grover, Sri Ram Siya was the senior most clerk-cum-cashier. Thus everything seems to be manipulated and motivated.

16. The action of the management having been found to be mala fide, the vacancy of cashier incharge Extension Counter, Dhampur Branch would be deemed to have occurred on 27-4-85 and not on 8-8-84. Sri R. S. Gupta the workman being the senior most should have been offered this posting. It would have been another matter if his name having been referred by the branch manager to the Regional Office for approval, the Regional Office had refused to accord approval for his posting for reasons to be recorded by it.

17. In para 19 of the written statement the management have taken the plea that in case, the case put up by the Union is accepted then it would lead to an anomaly as there cannot be two posts of cashier incharge at Extension Counter Dhampur Branch. The question does not arise. The simply way is to revert Sri Ram Siya from the said post and in his place post Sri R. S. Gupta, after doing that the branch manager should seek approval from the Regional Office about workman's posting as Cashier Incharge.

18. Hence it is held that the action of the management of Punjab National Bank in relation to their Dhampur Branch in not posting Sri R. S. Gupta, Head Cashier Incharge within a reasonable time after the transfer of Shri Vinay Grover on 27-4-85 is not justified. Consequently Shri R. S. Gupta is held entitled to special allowance of Cashier Incharge w.e.f. 1-5-85 on prorata basis according to Rules.

19. Before parting with it I may remark that the Bank's money is a PUBLIC MONEY and since double the payment is going to be made for the same post, the management should recover the excess amount from the officer who is ultimately found guilty for this lapse.

20. Reference is answered accordingly.

ARIAN DEVI, Presiding Officer
[No. L-12012/78/86-D.IV(A)]

का.प्र. 53 .—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सिडीकेट बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और

उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 53.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Mgt. of Syndicate Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I.D. 58/90

Sudesh Kumar Vs. Syndicate Bank.

For the workman—Shri M. R. Garg.

For the management—Shri Gopal Mahajan.

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/654/89-D.2(A) dated 24th April 1990, issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act 1947, referred the following dispute to this Tribunal for decision :—

“Whether the action of the management of Syndicate Bank in terminating the services of Shri Sudesh Kumar son of Shri Om Parkash, is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Case was taken up in the lok adalat. However an application has been filed by Mr. M. R. Garg, rep. of the workman that the Union has decided to take up this dispute with the management in the mini joint meeting and prayed for the withdrawal of the present case. In view of this application moved on the rep. of the workman the present reference is returned to the Ministry.

Chandigarh.
29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-12012/654/89-D.II(A)]

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर 1991

का.प्र. 54 .—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार इलाहाबाद बैंक के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कातपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the-13th December, 1991

S.O. 54.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARIAN DEVI, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 63 of 1987

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Pheru Ram C/o Dr. P. C. Bajpai, Allahabad Bank
Swarup Nagar, Kanpur.

AND

Dy. General Manager, Allahabad Bank, Hazratganj,
Lucknow.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/298/II/86-D.II(A) dated 12-6-88 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Allahabad Bank in relation to their Maharajganj Branch, Bahraich in terminating the services of Shri Pheru Ram w.e.f. 1-1-83 is legal and justified? If not, to what relief the workman is entitled?

2. On 27-11-1991, the parties representatives filed a settlement in the case. They also requested that the present reference may be decided in terms of the said settlement. The terms of the settlement dated 27-11-1991 is as under :—

1. It is agreed that the appointment of the workman concerned Shri Pheru Ram, will be made afresh from a prospective date on probation on the initial basic pay as applicable in sub-staff cadre and on the same terms and conditions of services are applicable to the sub-staff cadre employee of the bank within a period of six months from the date hereof provided he submits his application for appointment within a period of one month from the date hereof and complies with the other requirement for appointments in the bank's service.

2. It is further agreed that the posting of the workman concerned Shri Pheru Ram will be made against a sanctioned vacancy in the state as per bank's requirement.

3. It is further agreed that the workman concerned Shri Pheru Ram will not claim any other benefit, monetary, service seniority or otherwise for his past service in the bank and also not claim any other benefit following the principles of No Work No Wages.

4. This fully and finally resolve the entire matter of dispute under reference.

I may state here that the settlement (paras) was read over and explained to the workman and also to the auth. representative for the parties who had verified the correctness of the same before the Tribunal.

3. Thus from the above it stands proved that there remains no dispute between the parties. Therefore, the reference is decided in the light of the prayer made by the parties in the settlement dated 27-11-91 filed on 27-11-91 in the Tribunal.

4. Reference is decided accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012/298/II/86-D.II (A)]

का.प्रा. 55.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार कार्पोरेशन बैंक के प्रबंधन के संबंध निषेधकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 55.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras

as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Corporation Bank and their workmen, which was received by the Central Government on 11-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMIL NADU,
MADRAS

Friday, the 29th day of November, 1991

PRESENT :

Thiru M. Gopalaswamy, B.Sc. B.L., Industrial Tribunal,
Industrial Dispute No. 48 of 1990

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the management of Canara Bank, Mangalore).

BETWEEN

The workman represented by

The General Secretary,
All India Ex. Servicemen Bank Employees
Federation, 17, Viswaspuri, 4th Street,
Madurai-625016.

AND

The Chairman, Corporation Bank,
Head Office, Mangladevi Temple Road,
PB No. 88, Mangalore-575001.

REFERENCE :

Order No. L-12012/23/90-IR.B.II, dated 7-6-90, Ministry
of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvallargal S. Mohandass and M. Chinna-chamy, Advocate for workman and Tvl. Row and Reddy, Balan Haridas and S. Vaidyanatha advocates for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the workman having filed a memo for not pressing his claim and recording the same, this Tribunal passed the following :

AWARD

This dispute between the workman and the management of Corporation Bank, Mangalore arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-12012/23/90-IR.B.II dated 7-6-90 of the Ministry of Labour, for adjudication of the following issue :

Whether the action of the management of Corporation Bank in imposing the punishment of stoppage of 3 future increments with cumulative effect to Shri Kolappa Pillai on the basis of the findings of the domestic enquiry conducted against him is justified? If not to what relief the workman concerned is entitled?

2. Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

3. Petitioner-Union filed its claim statement on 29-6-90 putting forth the claim of the workman. In repudiation thereof the Management has filed their counter statement on 20-8-1991.

4. After several adjournments, when the dispute was called today, the Secretary of the Petitioner-Union filed a memo praying to dismiss the claim petition as not pressed. It is recorded.

5. In view of the memo, industrial dispute is dismissed as not pressed.

Dated, this 29th day of November, 1991.

M. GOPALASWAMY, Industrial Tribunal

[No. L-12012/23/90-IR (B-II)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1991

का.अ. 56.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th December, 1991

S.O. 56.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Saurashtra and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 119 of 1988

In the matter of dispute :

BETWEEN

Shri Gopal Trivedi
C/o Shri V. N. Sekhari
26/104 Birhana Road,
Kanpur.

AND

The Manager,
State Bank of Saurashtra
Nai Sarak Branch,
Kanpur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/653/87-D.III (A), dated 28-9-88 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of State Bank of Saurashtra in relation to their Nai Sarak Branch Kanpur in terminating the services of Shri Gopal Trivedi Clerk w.e.f. 22-7-84 is fair and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

2. The workman's case in brief is that the management adopted an unfair labour practice of appointing temporary employees for a period not exceeding 90 days as per bank's head office policy/instructions to its branches with a view to deprive persons so appointed from the benefits of modified Sastry Award including their regularisation in service. In pursuance of the said policy the bank management appointed him at its Nai Sarak Branch Kanpur as clerk on 25-4-84. He worked as clerk in the said branch for 87 days upto 21-7-84 whereafter his services were terminated illegally and in an unjustified manner. He was not the junior most at the time of his termination of his services. The bank even employed fresh hands after termination of his service without affording him any opportunity of reemployment. He was not even given any notice nor notice pay, no retrenchment compensation was even paid to him. That bank thus violated the provisions of Section 25-G read with Rule 77 and Section 25-H read with Rule 78 of I. D. Act and I. D. (Central) Rules 1957, besides violating the various provisions of modified Sastry Award and Article 14, 16 and 21 of the Constitution of India. He has, therefore prayed for his reinstatement with full back wages and all consequential benefits.

3279 GI/91—13

3. The management admit the fact that the workman had worked against leave vacancies for 82 days during the period 25-4-84 to 21-7-84. The management deny violation of any provisions of I. D. Act and I. D. Central Rules, violation of any provisions of modified Sastry Award and violation of Articles 4, 16 and 21 of the Constitution of India. According to the management the concept of seniority is applicable to permanent/probationer/temporary employees appointed for indefinite period. It is not applicable to an employee engaged/employed against leave vacancies. The management have filed a statement annexure A showing the persons against whom leave vacancies the workman had worked during the above period. Thus the workman is entitled to no relief.

4. In support of the case the workman has examined himself and has relied on documentary evidence. No evidence, oral or documentary, has been adduced by the management.

5. In this case 20-11-91 was fixed as the date for hearing of arguments. On 20-11-91, Shri Soni, the authorised representative for the workman, got filed written arguments with an application through Shri Lalta Prasad. The written arguments so filed was described in the application as copy of the written arguments sent to the Tribunal by registered post acknowledgement due on 19-11-91. This practice is not seen as good by the Tribunal. If the Tribunal could receive the copy of the written arguments and keep it on file it could have also kept written arguments in original on record. This should be avoided in future as it is not liked with favour by the Tribunal.

6. As the case stands it has no merit at all. Even rulings referred to in the written arguments, photo copies of which have also been sent by registered post alongwith written arguments in original have no application to the facts of the present case. Rulings have been given in cases where the workman had worked for more than 240 days during a period of one year preceding the date of termination of their services.

7. It is the admitted case of the parties that the workman had worked for only 87 days during the period 25-4-84 to 21-7-84. Prima facie, therefore, the provisions of Sections 25-F and 25-G, read with Rule 77 and 78 of I. D. Act and I. D. Central Rules are not applicable in his case. The workman referred to in the above two rules is one of the kind described in Rule 76. Rule 76 refers to a workman who has not put in less than one year of continuous service before the termination of his services.

8. In the written arguments much stress has been given on the alleged unfair labour practice on the part of the management. It is a well known fact that since 1978 recruitment to clerical cadre in the Banking Industry has been through Banking Service Recruitment Board. So if in order to meet the exigencies of work, some persons had been employed as clerks from time to time as a stop gap arrangement that would not amount to unfair labour practice. Rather the regularisation in service of persons so employed as clerks would amount to unfair labour practice on the part of the management of the bank. It is not the case of the workman that there had been an advertisement for recruitment of clerks and that in pursuance of that he had been selected on the basis of some written test and interview. The facts of the case go to show that the workman is seeking a back door entry in the bank's service as clerk which cannot be described as fair on the part of the workman.

9. Now I refer to the various rulings filed by the authorised representative for the workman with the written arguments.

1. The Kanurthala Central Cooperative Bank Limited, Kanurthala Versus Presiding Officer, Labour Court, Jullundur and others 1984 Lab. IC 974 (P&H)—

In this case it was held that termination of services of employees on verge of their completing 240 days service amounts to unfair labour practice. In the said case, the workman were found to have worked for 230 days during the period of one year before the termination of their services. In the instant case the workman had admittedly worked for 87 days which comes to 1/3rd of 240

days working during the period of one year preceding the date of his termination.

2. *Ram Bilas Versus State of U.P.* 1990 (60 FLR 567 Allahabad. It was again a case where the workman had worked for more than 240 days during the period of one year preceding the date of termination of his services. It was a case under U.P. I. D. Act.

3. *Shailendra Nath Shukla and others Versus Vice Chancellor Allahabad University*, 1987 Lab. IC 1607 (All). This was a case of workmen employed as daily wagers on contract basis having nearly 5 years service, contract having being renewed every 3 months. From para 5 of the judgment it appears that the workman had completed 240 days of service prior to the amendment of section 2(oo) which came to be amended in 1984. At page 1610 their Lordships examined the question in the alternative also and while so examining they observed that if contractual employment is resorted to as a mechanism to frustrate the claim of employee to become regular or permanent against the job which continues or the nature of it is such that the colour of contractual engagement is given to take out it from the sub-clause then such agreement shall have to be tested on the anvil of bonafide and fairness. An agreement for arm twisting or to perpetuate the policy of fire and fire cannot be designed to be included in such clause (bb). I have already observed above that since 1978 recruitment to the clerical cadre in banking industry has been through Banking Service Recruitment Board. Therefore, the present case is not covered by the above observation of their Lordships.

4. *H. D. Singh Versus Reserve Bank of India and others* 1985 SCC (L&S) 975. It is a famous case of *Tikka Mazdoor* engaged by the R.B.I. From the facts stated towards the end of para 10 of the Ruling it becomes evident that it was also a case where the Hon'ble Supreme Court found that the workman had worked for more than 240 days during the period of one year preceding the date of his termination.

10. I may make it clear that had the workman been found in the present case to have worked for 240 days or more during the period of 12 calendar months preceding the date of his termination of his services all the provisions such as 25-F, 25-G read with Rules 77 and 25-H read with rule 78 of I. D. Act and I. D. Central Rules would have become applicable to his case.

11. Hence, the action of the management of State Bank of Saurashtra in terminating the services of the workman w.e.f. 22-7-84 cannot be held as unfair or unjustified. Consequently the workman is held entitled to no relief.

12. Reference is answered accordingly.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12012/653/87-D.III (A)]

का.आ. 57.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय चंडीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 57.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 96/89

Chander Prabha

Vs.

State Bank of India.

For the workman—Shri J. G. Verma.

For the management—Shri Ashok Khullar.

AWARD

Central Government vide gazette Notification No. L-12012/50/84-IR (B-III) dated 19th May 1989 issued U/S 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :

"Whether the action of the management of State Bank of India, in relation to the Regional Manager, R. I SBI Regional Office Punjab Sector-17, Chandigarh, in terminating the services of Smt. Chander Prabha, clerk, Hosiarpur Branch of SBI, without payment of retrenchment compensation without taking into account total service rendered in the bank's valid? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Present case was taken up in the lok adalat. The dispute has been amicably settled between the parties. Shri Ashok Khullar appearing on behalf of the management has stated that management is ready to pay back wages from 7-4-88 to 24-1-1990 by applying increments from 21-4-74 and no interest shall be paid on the back wages and the payment shall be made within three months. Mrs. Chander Prabha workman also endorsed settlement and as agreed to the back wages from 7-4-1988 to 24-1-1990 by applying increments from 21-4-1974.

In view of the statement by the respective parties as indicated above, no dispute award is returned to the Ministry. However the management is directed to make the necessary payment within three months.

Chandigarh.
29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer

[No. L-12012/50/84-IR (B-III)]

का. आ. 58.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, व श्रम न्यायालय, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 58.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Reserve Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 128/90

C. S. Negi and Ors.

Vs.

Reserve Bank of India.

For the workman—Shri Rajesh Chand.

For the management—Shri K. B. Pandit.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12011/20/90-I.R. B(III) dated 1st October, 1990 issued U/S 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :—

“Whether the action of the management of Reserve Bank of India, Jammu, in deducting wages of the following workmen for the whole day instead of actual hours of absence on 6-11-89 is justified ? If not, to what relief the workman are entitled to ?”

1. Shri C. S. Negi—Record Clerk
2. Shri Ram Lubaya—Daftry
3. Shri Rajesh Chand—Daftry
4. Shri Krishan Lal—Subedar Gr. II
5. Shri Satdev Sharma—Peon
6. Shri G. P. Yadav—Peon
7. Shri Jeet Singh—Peon
8. Shri Bahadur Singh—Peon
9. Shri Ishwar Das—Peon
10. Shri Ashok Kumar—P.C.K.
11. Shri Ganshyam Banoria—P.C.K.
12. Shri S. S. Rawat—P.C.K.
13. Shri Bachhan Singh—S.C.F.
14. Shri Nisar—S.C.F.

2. Present case was amicably settled. Rajesh Chand Chief Secretary of the Union has stated that his claim has been settled by the management. The wage cut shall only be apply from 10-25 AM to 2-25 PM minus the lunch hours from 1-00 PM to 1-30 PM. However for the remaining time the wages will be paid by the management. He also asked to be paid TA and DA for going to Chandigarh on 19-6-91 of Rs. 320.

Mr. K. B. Pandit appearing on behalf of the management had stated that he has heard the statement of Shri Rajesh Chand and the management is agreed to settle the dispute to the extent as referred above. The management shall deduct the wages from 10-25 AM to 2-25 PM minus lunch hours from 1-00 PM to 1-30 PM. He has also stated that so far T.A. and D.A. claim by Shri Rajesh Chand the same shall be paid subject to the orders of this Court.

In view of the statement made by the representative of the parties and since the parties have amicably settled the dispute and the management has agreed to cut the wages only from 10-25 AM to 2-25 PM minus the lunch hour from 1-00 PM to 1-30 PM and has agreed to pay the wages for the remaining time no dispute award is returned to the Ministry. However the management is directed to compute the amount in accordance with the settlement within three months. However so far the T.A. and D.A. of Rajesh Chand is concerned, amount of Rs. 320 is on excessive side and the management is directed to re-imbursement Rs. 250 to him. Chandigarh,

Dated : 29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-12011/20/90-IR (B-III)]

का. सा. 59.—औद्योगिक विवाद अधिनियम,

1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में,
इ बैंक आफ पाटियाला के प्रवर्धन के

संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 59.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on 9-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH

Case No. I. D. 70/90

Mohinder Kumar

Vs.

State Bank of Patiala

For the workman—Shri D. L. Sikka.

For the management—Shri A. S. Kamboj.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12012/71/90-I.R. (B-III) dated 23-5-1990 issued u/s 10(1)(d) of the I. D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :—

“Whether the action of the management of the State Bank of Patiala in relation to their Charkhi-Dadri Branch in paying Rs. 200 P.M. consolidated Salary to Shri Mohinder Kumar workman as Watchman-cum-peon for the period from 8-4-86 to 31-12-87, and termination of the service w.e.f. 1-1-88 is just, fair and legal ? If not, to what relief the workman is entitled to and from what date ?”

2. Present case has been amicably settled by the parties. Mr. A. S. Kamboj appearing on behalf of the management has made statement that case has been amicably settled. The management has agreed to re-instate the workman as peon-cum-frash without back wages, however with continuity of service from the date of reference i.e. 23-5-90. However, the fresh posting shall be at Bhiwagi or near by place within a radius of 10 K.M. from the main branch and stated that agreement will be implemented before 25th of September, 1991. Mr. D. L. Sikka appearing on behalf of the workman has also agreed to this settlement and he has also stated that in view of the above said conditions in agreement are acceptable to him and he shall have no claim except contained in settlement and thus no dispute award may be passed.

3. Shri J. S. Madan appearing on behalf of the management has also stated today in the lok adalat that the above said settlement which has been agreed upon had been implemented and the workman has been given appointments as peon-cum-frash. In view of the above the award may be passed accordingly.

In view of the circumstances and the statement made today no dispute award is returned to the Ministry.

Chandigarh.

Dated : 29-10-1991.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-12012/71/90-IR (B-III)]

का. भा. 60.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ इन्दौर के प्रबन्धतंत्र के संवद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, व श्रम न्यायालय कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 60.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby makes the Award of the Central Government Industrial Tribunal cum Labour Court, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Indore and their workman, which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL CUM LABOUR COURT PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 68 of 1988

In the matter of dispute between :

Shri Kedar Nath Tewari,
C/o Sh. V. N. Sekhari
26/104 Birhana Road,
Kanpur.

AND

Regional Manager,
Region III
State Bank of Indore
Zonal Office Roor House
4 Maharana Pratap Nagar II
Bhopal (M.P.).

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/654/87-D.II(A), dt. 1-5-88 has referred the following dispute for adjudication in this Tribunal :—

Whether the action of the management of State Bank of Indore in relation to its Gunit No. 5 Branch Kanpur in terminating the service of Shri Kedar Nath Tewari. Peon and not considering him for further employment while recruiting fresh hands under sec. 25H of the ID Act, is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

2. The workman's case in brief is that the management adopted an unfair labour practice of appointment temporary employees for a period not exceeding 90 days as per bank's instructions to its branches with a view to deprive persons so appointed from the benefit of modified Sastry Award including their regularisation in service. In pursuance of the said policy the bank management appointed him at its Ram Krishan Branch Kanpur as a peon on 16-8-80 and he worked as such for 75 days till 30-10-90 whereafter his services were terminated illegally and in an unjustified manner. He was not the junior most at the time of his termination from service. The bank even employed fresh hands after termination of his service without affording him any opportunity of re-employment. He was not even given any notice nor notice pay. No retrenchment compensation was even paid to him. The bank then violated the provisions of section 25G I.D. Act read with Rules 77 of I.D. Central Rules, 1957, and Sec. 25-H of I.D. Act read with Rule 78 of I.D. Central Rules, 1957, besides violating the various provisions of modified Sastry Award. He has, therefore, prayed for his reinstatement with full back wages and all consequential benefits.

3. The management in their W.S. admit that Shri Kedar Nath Tewari had worked for 75 days w.e.f. 16-8-80 to 29-10-80 but the management did not violate any provisions of modified Sastry Award or the provisions of Sec. 25G I.D. Act, read with Rule 77 of I.D. Central Rules, 1967 and

Sec. 25-H read with rule 78 of I.D. Act, and I.D. Central Rules. The management further deny any violation of any provision of Shops & Commercial Establishments Act on their part. The management also deny that they were guilty of unfair labour practice as alleged by the workman. The other plea raised by the management are that Shri Kedar Nath Tewari was not the workman within the meaning of sec. 2(s) I.D. Act, and that the reference is bad in law.

4. In his rejoinder the workman has simply denied the facts alleged by the management in the written statement and has further challenged the legal pleas raised by the management.

5. In support of his case, the workman has relied upon oral as well as documentary evidence. In support of his case he examined himself. On the other hand, the management have not led any evidence in defence.

6. The admitted position is that the workman had worked for 75 days from 16-8-80 to 29-10-80 under the management bank. Therefore, prima facie in his case the provisions of Sec. 25F I.D. Act, Sec. 25G read with Rule 77 and Sec. 25H read with Rule 78 of the I.D. Act & I.D. Central Rules, 1957 respectively are not attracted. These provisions apply to a workman who had been in continuous service for not less than one year within the meaning of Section 25B of the I.D. Act before the termination of his services. I may state here that the workman referred to in Rules 77 & 78 of the I. D. (Central) Rules, 1957 is one of the kind referred to in Rule 76 which specifically states that such a workman should be one who had not put in less than one year of continuous service before termination of his service.

7. Even otherwise the workman has been unable to make out a case under Sections 25G & 25H I.D. Act. Both in the claim statement and in his rejoinder he has not named persons who were junior to him at the time of termination of his services and the names of the persons who were appointed by the bank after the termination of his services.

8. This is despite the fact that in para 21 of the written statement the management have taken a plea that the workman has not named junior employees. With his list of documents dt. 28-2-89, the workman has filed the copy of his petition by means of which he has raised an industrial dispute before ALC(C) Kanpur. He has proved it by his affidavit. Even in it has not named the persons who were junior to him at the time of his alleged retrenchment and the names of persons who were appointed after his alleged retrenchment.

9. In para 24 of the w.s. it has been pleaded by the management that it is the established practice to call the names of 70 per cent candidates from the Employment Exchange and to regularise/appoint 30 per cent candidates from temporary employees. As per the said practice 43 candidates were invited for interview out of which 28 candidates including the workman appeared. Of them two were selected and three were kept in the waiting list. The workman was not selected. In this connection the workman was questioned during his cross examination. He admitted that he was called for interview. Had he been selected his name would have appeared in the list of selected candidates. So it cannot be said that the bank did not offer him an opportunity of re-employment, of course subject to passing of test.

10. Another plea raised by the workman is that the management indulged in unfair labour practice by appointing temporary employees for periods not exceeding 75 days. Here again I find no substance in his plea. He has not named person in his pleadings or in his petition before ALC(C) as to who were the persons who were so appointed by the management prior to his appointment, so, I find no force in it.

11. In the written arguments Shri K. N. Soni, authorised representative for the workman has referred to 4 rulings in para 10. All these 4 rulings were considered by me in industrial dispute No. 119 of 1988, Shri Gopal Trivedi Versus State Bank of Saurashtra, while giving my award. They are not applicable even to the facts of the present case. All the rulings were given in cases where the workman had admittedly worked for 240 days during the period of one year preceding the date of their termination/retrenchment or where they were

just on the average of completing 240 days of service before the termination of their services.

12. Thus I find no force in the case of the workman. Accordingly, I hold that the action of the management bank in terminating the services of Shri Kedar Nath Tewari and not considering him for further employment is justified and legal. The result is that the workman is entitled to no relief.

13. Reference is answered accordingly.

RAJAN DEV, Presiding Officer

[No. L-12012/654/87-D.II(A)]

S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1991

का. आ. 61.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, ओ. एन. जी. सी. आयल एण्ड नेचुरल गैस कमीशन, देहरादून के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 12th December, 1991

S.O. 61.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of ONGC, Oil and Natural Gas Commission, Dehradun and their workmen, which was received by the Central Government on 10-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI RAJAN DEV, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR.

Industrial Dispute No. 162 of 1988

In the matter of dispute :

BETWEEN

The President ONGC Karamchhari Union, 87-1/1, Ballu-
pur Dehradun.

AND

The Chief Engineer (Civil) ONGC Tel Bhawan, Dehra-
dun.

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour vide its Notification No. L-30012/7/88-D.III (B) dated 1-12-88, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of ONGC Oil and Natural Gas Commission Dehradun in terminating the services of Shri Narendra Kumar S/o Shri Raja Ram Contingent Attendant w.e.f. May 1983 was justified? If not to what relief the workman is entitled?

2. The industrial dispute on behalf of the workman Shri Narendra Kumar has been raised by Oil and Natural Gas Commission Karamchhari Union, Dehradun (hereinafter referred to as Union).

3. The case of the Union in brief is that the workman had been working as contingent attendant in the Civil Engineering Department ONGC, Dehradun since October,

1980. He continued working as such till April 1983 whereafter his services were terminated in an unfair and unjustified manner. Because of his long service he was entitled to be absorbed permanently in the department. In para 6 of the claim statement, the Union has given the number of working days of the workman from October, 1980 to April, 1983 and from the said statement it comes out that he had worked for 238 days from May 1982 to April 1983. The Union alleges that at the time of termination of his services he was not given any notice nor paid any notice pay and retrenchment compensation. Further the management employed new persons after the termination of the workman without giving any opportunity to the workman for re-employment. Thus the management violated the provisions of Sections 25-F and 25H I. D. Act. The Union has, therefore, prayed for the reinstatement of the workman with continuity of service and benefits accruing upon his reinstatement in service.

4. The case is contested by the management. The management plead that in 1980, the management undertook a project for the construction of about 50 residential quarters of Phase VI Group-II in the colony. In connection with the said project a number of undertakings were set up in the colony from time to time as per requirements and the last undertaking set up in this connection was closed after completion of the construction work in December 1986. In one of such undertaking the workman was engaged on daily paid casual basis at the rate of Rs. 9 per day as unskilled labour for carrying mortar to the masons. The nature of work on which he was engaged was essentially of temporary nature and of short duration. During the period of one year preceding the close of month of April 1983 he had worked for only 211 days as per details given in para 6 of written statement. From July 1982 to October 1982 he worked for only 122 days and thereafter from Feb. 1983 to April 1983, he had worked for 89 days. After Oct. 1982, the workman left the job of his own accord for better employment elsewhere. Again he turned up in February 1983 and after working till April 1983 he left the job of his own accord for better engagement elsewhere and better remuneration. In May 1983 he finally came to collect his wages for the month April 1983. At that time it was given out by him that he was no more interested in the work given to him in the construction work of residential quarters in the colony. The management plead that it was after 4½ years after his last engagement that the management received a summons dated 15-9-87 from the office of ALC(C) Dehradun on the filing of a petition raising industrial dispute about the workman. The management have then pleaded that the work of building construction in which the workman was engaged as casual labour is not an industry and as such the reference made by the Central Government to this Tribunal is not an industrial dispute within the meaning of I. D. Act 1947. Moreover the legality of the alleged management's action cannot be adjudicated upon in this case as it has not been specifically referred to in the reference order. It is not even incidental to the reference made. Lastly it is pleaded by the management that the workman did not suffer monitorily as he was engaged in some gainful employment elsewhere. Even otherwise it was the duty of the workman to mitigate the loss and it cannot be imagined that the workman had remained idle all along during his long period of six years from the date of his leaving the casual employment with the management.

5. In the rejoinder the Union alleges that the workman had in fact worked continuously from October, 1980 to April 1983. In the statement of the claim wherever against the month the number of working days have not been shown, it is due to the fact that the statement regarding number of his working days of these months could not become available to it. In para 15 of the rejoinder the Union has given the names of some contingent employees employed by the management after the termination of the services of the workman and in para 22 it has given the names of some persons whose services have been regularised by the management although they too had worked with the management like the workman.

6. In support of their respective cases both sides have led oral as well as documentary evidence. The Union examined three witnesses, namely, PW-1 Narendra Kumar,

the workman, PW-2 Sri Sunil Dev Kukreti and PW-3 Shri Subhash Chandra Nautiyal. On the other hand, the management have examined Shri A. K. Rai Dy. Suptd. Engineer O.N.G.C., Dehradun.

7. The Union has set up the case that the workman has worked as contingent attendant and the management have set up the case that he had been a mortar mate employed to carry mortar to masons. I have examined the evidence on this point and find that it is even admitted to the witness of the Union that the workman had been working as a mortar mate.

8. In his affidavit the workman has cleverly omitted to state as to in what capacity he was employed. In para 11 of his affidavit he has simply stated that he had been in the employment of the management since 1980. However, both PW-2 Sunil Dev Kukreti and PW-3 Subhash Chandra Nautiyal had deposed in their cross examination that the workman had worked as mortar mate. Even in the documents summoned by the Union from the management by means of its application dated 9-5-89, he has been described as mortar mate. Therefore, it stands proved that he had worked as mortar mate carrying mortar to mason and not as contingent attendant.

9. The second point to be considered is as to for how many days the workman had worked during the period of one year preceding the date of his alleged retrenchment. In para 6 of the claim statement, the Union has given the number of working days during which the workman had worked from May 1982 to April 1983 against each month. The statement as given in the said para of the claim statement is as under—

May 1982	27
June 1982	x
July 1982	31
August 1982	31
September 1982	30
October 1982	30
November 1982	x
December 1982	x
January 1983	x
February 1983	28
March 1983	31
April 1983	30

The total number of working days in this way comes to 238. On the other hand, the management in their written statement have admitted the above figures except figure of the working days of the month May 1982. So we have to see whether the workman had worked for 27 days in the month of May 1982 or not. Here I would like to refer to the Ruling in the case of Kapurthala Central Cooperative Bank versus Presiding Officer, Labour Court Jullundur 1984 Lab. IC 974 (P&H), in which the termination of services of employees who had worked for 230 days was held as unjustified and the workmen were held entitled to reinstatement with full back wages.

10. On 9-5-89, the authorised representative for the Union on behalf of the Union moved an application for summoning attendance register and muster rolls of the period October, 1980 to April 1983. The said application came up for disposal on 5-6-89. On the said date it was given by Shri V. K. Gupta, the authorised representative for the management that the management had already filed copies of Muster Rolls for the months of March and April 1983. He further submitted that no other document was available and in support of the contention he was prepared to get an affidavit filed. On his said submission 4-7-89 was fixed for filing such affidavit. On 4-7-89 the management filed copies of muster rolls with the affidavit of the management witness Shri A. K. Rai. In the list of documents it is found mentioned that muster roll for the following period were being filed—

1. May 1982 to April 1983 (40 sheets)
2. April 1983 to March 1984 (43 sheets)
3. March 1983
4. April 1983

However, on checking I found that muster roll for May, 1982 was not filed by the management. The sheets are numbered and they begin with figure (1). So it appears that the management and their authorised representative have tried to throw dust in the Eyes of the Tribunal as well as the authorised representative for the Union.

11. Again on 14-8-89, the authorised representative for the Union on behalf of the Union moved another application for summoning of muster rolls of contingent employees for the months of April and May 1982 specifying the muster roll numbers of two months.

12. This application came up for disposal on 28-8-89. On 28-8-89 it was submitted by Shri V. K. Gupta, that the case of the workman is covered by Section 25-FFF(2) of the I. D. Act. He also submitted that whatever muster rolls were available their copies had been filed by the management. It was also submitted by him that the management had filed the copy of muster rolls of May 1982, when as already said by me above no such muster roll has been filed by the management with the affidavit of the management witness. In view of that it was ordered that the Union, might prove its case by secondary evidence.

13. After considering the evidence of the parties and the above circumstances, I am of the view, that the case set up by the Union should be believed. If the management could file the muster roll from June 1982 it could have also filed the muster roll of May 1982. From the submissions made by Shri Gupta, to which I have earlier referred it cannot be said that the muster roll for May 1982 is not with the management. Even no affidavit has been filed to the effect that the muster rolls of May 1982 has been weeded out as per Rules.

14. Another important circumstances which goes in favour of the Union's case is that whereas in para 6 of the claim statement the Union has given monthwise number of working days of the workman right from October, 1980 to April 1984, no such thing has been done by the management in their reply. Para six of the written statement simply refers to the first engagement and the second engagement of the workman. The first engagement has been shown as beginning from July 1982 and the second engagement has been referred to as beginning from February 1983. Rest of the contents of the para six of the claim statement are stated as not admitted. In this connection I would like to refer to three certificates Ext. W-1, W-2 and W-3 filed by the Union with the list of documents dated 14-8-89 and proved by the workman in his examination in chief. Ext. W-1 is the certificate dated 17-8-81 issued by the Executive Engineer showing that during 1980-81 the workman had worked for 89 days. The second certificate is dated 6-7-82 and it shows that the workman had worked from January 1982 to March 1983 and the third certificate Ext. W-3 is dated 30-11 (year not mentioned) showing that the workman had worked from August 1982 to October 1982. These certificates thus go to show that the workman had worked in 1980, 1981 and 1982. These certificates cannot be said as given out the total period of working of the workman. This will be evident from the fact that although certificate Ext. W-3 is for the period August 1982 to October 1982, it is admitted to both the sides that the workman had worked for 31 days in July 1982. The certificates referred to above are the photostat copies of the original certificates. It appears to me that the muster roll for the month of May 1982 has been deliberately withheld by the management. Had the workman not worked even for a single day in the month of May 1982, the management would have certainly produced it. I, therefore, believe the case of the Union that the workman had worked for 238 days during the period of one year preceding the date of his alleged termination.

15. The management have set up the plea that the workman has of his own accord left the job and as such there was no termination of his services by the management.

16. There is oral evidence from both the side in support of their respective cases on this point. The circumstances do not support the plea raised by the management. The admitted position is that during February, March and April 1983, the workman had worked for whole of each month. It does not appeal to mind that he would have left the

job when he was getting employment through out the month. I therefore hold that the workman did not leave the job after April 1983 voluntarily. Rather his services were terminated thereafter by the management

17. There was no compliance with the provision under Section 25-F I. D. Act. The action of the management in terminating the services of the workman cannot be held as justified and legal. The normal rule in such a case is of reinstatement of the workman with full back wages but in this case it is not possible to observe the normal rule.

18. Section 25-FFF(2) lays down that where any undertaking set up for construction of building etc., is closed down on account of completion of work within two years from the date on which the undertaking was set up no workman employed therein shall be entitled to any compensation under clause (b) of Section 25-F I. D. Act, but if the construction is not so completed within two years he shall be entitled to notice and compensation under Section 25-F I. D. Act.

19. I have referred to this section because of its reference having been made by the management in their written statement. In para 24 of the W.S. the management have pleaded that the management undertook a project for the construction of 50 residential quarters in the colony. It means that the project could not be completed within two years. So the workman was entitled to the protection granted to him under Section 25-F I. D. Act. I therefore, find no force in the plea about the application of Section 25-FFF (2) I. D. Act to the facts of the present case.

20. However it has come in the evidence of P.W.-3, Sri Subhash Chandra Nautival that the work of construction of houses finished in 1983. According to him only finishing work was left. The whole of the project was over by the December, 1986 as has been stated by the management in para 25 of the written statement. Execution of work regarding construction of houses consists of constructions work carpentry work and electrical work. These are three separate and independent works. As we have seen earlier the workman was simply a mortar mason. Therefore, his job was over with the completion of construction work. He had nothing to do with the carpentry work and the electrical fittings. It therefore appears to me to be a fit case for grant of compensation.

21. Considering the facts and circumstances of the case I think a sum of Rs. 5000 would be sufficient compensation in lieu of his reinstatement which cannot be ordered because of the completion of the project work.

22. Shri O. P. Mathur authorised representative for the Union has argued that some persons who had been working although workman had been taken in employment by the management in some other project. It may be so but that will not improve the case of the present workman in the least. The question is whether the project in which the workman was employed has finished or not. There is no dispute about the fact that it had finished long back.

23. Held that the action of the management of ONGC in terminating the services of the workman Sri Narendra Kumar w.e.f. May 1983. was not justified and legal. As observed above he is held entitled to a sum of Rs. 5000 as compensation.

24. Reference is answered accordingly.

ARIJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-30012/7/88-D.III (B)]

का. प्र. 62.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मै. भारत गोल्ड मन्स लि., औरगाम के. जी. एफ. प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर के पंचाट को

प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 62.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Gold Mines Ltd., Oorgaum K.G.F. and their workmen, which was received by the Central Government on 6-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this 2nd day of December, 1991

Central Reference No. 22/1990

I PARTY :

The Secretary, B.G.M. Employees Union, Marikuppam
P.O. K.G.F.-563119.

(By Smt. B. J. Hemavathi, Advocate)

Vs.

II PARTY :

The Managing Director, Bharat Gold Mines Ltd., Oorgaum P.O. K.G.F.-563120.

(By Sri T. Raja Ram, Advocate)

AWARD

By Order No. L-43012/28/89-IR (Misc.) dated 30-3-1990, the Hon'ble Central Government had referred this dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), to this Tribunal.

2. The point for adjudication as per the schedule to reference is as follows :—

"Whether the action taken by the management of B.C.M. L., K.G.F. in dismissing the services of Shri Thirumalai, T. No. 1029/123364, general labourer in Nundydroog Mine w.e.f. 9-11-1987 is justified? If not, what relief he is entitled to?"

3. After filing the claim statement and the Counter statement, the parties have filed a joint Memo of compromise. This joint Memo has been signed by both the parties and their counsel.

4. The joint Memo of compromise says :—

"Both the parties have entered into settlement and the matter has been settled out of Court. Accordingly it is agreed between the parties that the I party workman would be reinstated in the II party company without any back wages with continuity of service."

5. In accordance with the joint Memo, the I party shall be reinstated with immediate effect with continuity of service, but without back wages. The Memo shall form part of the Award. Award passed as stated herein.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer
[No. L-43012/28/89-IR (Misc.)]

BEFORE PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BANGALORE

Case No. 22/90

BETWEEN

The Secretary, BGML Employees Union —1st Party

AND

M/s. Bharath Gold Mines Ltd., —IInd Party

JOINT MEMO

Both the parties have entered into settlement and the matter has been settled out of court. Accordingly it is agreed between the parties that the 1st party workman would be reinstated in the IInd party company without any back wages with continuity of service.

BANGALORE,

Dated : 26-6-1991.

Sd/-

1st PARTY :

1st Party Representative
Advocate

Sd/-

IInd PARTY :

IInd Party Advocate

का. आ. 63.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में केन्द्रीय सरकार में भारत गोल्ड माइन्स कम्पनी लि. के प्रबन्धतंत्र के संबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलौर के पंचपट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 63.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Bangalore as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Bharat Cold Mines Company Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this the 29th Day of November, 1991

Central Reference No. 33/1988

I PARTY

Vs.

II PARTY

Shri A. K. Patil, The General Manager,
S/o Shri Anant Rao Patil, M/s. Hutti Gold Mines
H. No. 3-7-57, Fort, Co. Limited,
RAICHUR. HUTTI, Lingasur Taluk,
Karnataka. Raichur District,
(By Shri Anant Rao Patil, Karnataka.
Advocate, Raichur). (By Shri K. V. Shivangi
Advocate, Bangalore).

AWARD

By Order No. L-43012/6/88-D.III(B) dated 12-5-1988, 29-7-1988, the Hon'ble Central Government had referred this dispute for adjudication under clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) to this Tribunal.

2. The point for adjudication as per the schedule to reference is as follows :—

"Whether the action of the Management of M/s. Hutti Gold Mines Co. Limited, Hutti, Raichur District in dismissing Shri A. K. Patil, clerk, w.e.f. 18-4-87 is justified. If not, what relief the workman is entitled to?"

3. In the claim statement it is contended :—

The I Party was appointed in 1981 as Clerk in the Company of the II Party. The I Party was working to the satisfaction of the II Party. On 23-4-1986 and 23-7-86, it is alleged that the I Party had altered certain bills. The allegations are false. The domestic enquiry was held against the I Party. The domestic enquiry was held without giving adequate opportunity to the I Party to defend himself. The Enquiry Officer has given a false report that the I Party had altered the bills and committed misconduct. On the basis of this report the II Party dismissed the I Party from service. The dismissal of the I Party is illegal. The I Party had worked for more than six years under the II Party. In any case the order of dismissal is harsh. The I Party had not committed any misconduct. The termination of the services of the I Party is illegal. The II Party has done unfair labour practice. The II Party has victimised the I Party.

4. In the counter statement it has been contended :—

It is true that the I Party workman was appointed as Clerk in 1981. As part of his duty the I Party was required to clear the goods from the transporters and forward the same to the Company or to the destination. For meeting the expenses the I Party had some advance and submit the Bills along with the supporting cash receipts or vouchers to the Accounts Department. On suspicion, it was noticed that in respect of 3 Bills, the I Party workman deliberately altered the figures in the Bills and collected higher amount from the incharge of the clearing and forwarding office at Raichur and paid lesser amount as per the Bills as they stood before altering to the parties and thus made a wrongful gain on three occasions totalling to the sum of Rs. 280 and caused a wrongful loss to the II Party. The I Party acts constituted acts of dishonesty and fraud and causing loss to the Company. A regular domestic enquiry was held against the I Party, giving him all opportunities to defend himself. The enquiry held against the I Party is proper and valid. The enquiry officer submitted his findings, hold-

ing that the I Party was guilty. In view of the seriousness of the charge against the I Party, after issuing a second show-cause notice, ordered dismissing the I Party was made by the competent authority. The order of dismissal, dismissing the I Party with effect from 18-4-87 is justified and legal. The allegations that the domestic enquiry held is invalid is incorrect.

5. My learned predecessor, as could be seen from the order sheet dated 30-9-88, has framed a preliminary issue "Whether the II Party proves that it has held the domestic enquiry in accordance with law."

6. On the preliminary point the II Party has examined the enquiry Officer and has got marked exhibit M-1 to M-20. On behalf of the I Party has got himself examined on the preliminary point.

7. My learned predecessor by his considered order dated 22-4-1989 has held that the domestic enquiry is in accordance with law. Thereupon the case was posted to hear regarding the perversity of findings of the enquiry report exhibit M-17, victimisation and adequacy of punishment.

8. The order of dismissal dated 18-4-87, passed by the General Manager of the II Party, has not been marked. But, it is found in the records.

9. The learned counsel for the I Party did not argued on victimisation or the perversity of findings given by the enquiry officer.

10. The learned counsel for the I Party argued only on adequacy of punishment. He contended that the punishment of dismissal was very harsh and disproportionate. He prayed for reinstatement with back wages. As against this argument, the learned counsel for the II Party has argued that the order of dismissal is proper and no mercy should be shown to I Party. The learned counsel for the II Party has argued that if the case had been proved in a criminal Court the I Party would have been convicted and sent to Jail. It is not for the Tribunal to consider what the Criminal Court would have done, if the I Party had been convicted.

11. Exhibit M-5 is the charge sheet. (first show cause notice) I have carefully gone through the charge sheet exhibit M-5. The I Party had misappropriated in all a sum of Rs. 60/- + Rs. 20/- + Rs. 200/- = Rs. 280/-.

It is stated in the claim petition that the I Party had worked for six years. The I Party is young and poor. I am opinion that, taking into consideration the amount involved is Rs. 280/-, there is not much magnitude in the misconduct committed by the I Party and that the punishment of dismissal is disproportionate.

12. It has been laid down by the Supreme Court in A.I.R. 1989 S.C. page 149 (Scooter India Limited Lucknow Vs. Labour Court, Lucknow) that though disciplinary enquiry is found to be fair and lawful and its findings were not vitiated in any manner, that by itself would not be a ground for non interference of 3279 GI/91-14

the order of termination of service. The Supreme Court has been pleased to lay down in this authority that the erring workman should be given an opportunity to reform himself and prove to be loyal disciplinary employees.

13. In view of the law laid down by the Supreme Court and bearing in mind the facts and circumstances of the case, I am opinion, the I Party should be given an opportunity to reform himself. If backwages are denied to the I Party that is enough punishment for the misconduct committed by the I Party. The learned counsel for the II Party has relied on Vol. 32 FIR 1976 page 72 (MESSRS. BHARAT IRON WORKS and BHAGUBHAI BALUBHAI PATEL and others) I have carefully and respectfully gone through the authority of the Supreme Court. The Supreme Court has laid down in this authority the power of the Tribunal to interfere with the findings of the domestic enquiry. This authority does not deal with the adequacy of punishment given when the charge is held proved.

14. For the aforesaid reasons, I pass the following :—

AWARD

The order of dismissal of the I Party passed by the II Party is set aside. The II Party is directed to reinstate the I Party with continuity of service. No backwages to the I Party. Award passed as stated herein.

Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me.

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-43012/6/88-D.III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1991

का. आ. 64.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसर्ण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स बी. सी. सी. एल. की ईना कोलियरी के प्रबन्धन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्म-कारों के बीच, अनुबन्ध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं.-2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 13th December, 1991

S.O. 64.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ena Colliery of M/s. B.C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1) (d) of the I. D. Act., 1947.

Reference No. 201 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Ena Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri S. Bose, Secretary, RCMS Union.

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE.—Bihar. INDUSTRY.—Coal.

Dated, Dhanbad, the 29th Nov., 1991

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(2)86-D. III(A), dated, the 6th June, 1986.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Ena Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P. O. Kustore, District Dhanbad in dismissing from service their workman, Shri Shyamdeo Beldar, General Mazdoor with effect from 20-2-1985 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. Soon after the receipt of the order of reference notices were duly served upon the parties for filing their respective W. S. documents etc. Thereafter both the parties appeared before me and submitted a joint petition under their signature stating that the concerned workman Shri Shyamdeo Beldar General Mazdoor involved in the present reference had already resumed his duties and still continuing and therefore there is no more dispute existing between the parties.

Since there is no dispute existing between the parties I am constrained to pass a ‘No dispute’ Award in the reference.

B. RAM, Presiding Officer
[No. L-20012(2)86-D. III(A) [IR (Coal-I)]]

का. आ. 65.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स बी. सी. सी. एल. की वेस्ट मुडी-डीह कोलियरी का कनरास क्षेत्र के प्रबंधन से संबंध

नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 65.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of West Muddih Colliery of Katras Area of BCCL and their workmen which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947.

Reference No. 242 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of West Mudidih Colliery of Katras Area of Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S. Dhanbad. }

On behalf of the employers.—Shri B. Joshi, Advocate

TATE.—Bihar. INDUSTRY.—Coal.

Dated, Dhanbad, the 29th Nov., 1991

AWARD

The Govt. of India of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(41)86-D. III(A), dated, the 4th July, 1986.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of West Mudidih Colliery of Katras Area of M/s. Bharat Coking Coal Limited in terminating the services of Smt. Dulari Kamin, Quarry Loader with effect from 29-10-1983 and placing her on badli list is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. In this reference both the parties appeared but did not file any W. S. documents, instead of filing their respective W. S. both the parties appeared and submitted before me a petition stating that the concerned workman namely Smt. Dulari Kamin involved in the reference did not press the union to

contest the case and the concerned workman had already applied for payment of gratuity and expressed her inability to continue in the service, and accordingly prayed for passing a 'No dispute' Award.

3. In view of the above submissions made by both the parties I am of the opinion that there is no dispute existing between the parties and as such I am constrained to pass a 'No dispute' Award.

B. RAM, Presiding Officer
[No. L-20012/41/86.III(A)]IR(Coal-I)]

का. आ. 66.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैमर्स बी. सी. सी. एल की गोलुकडीह ओपन कास्ट प्रोजेक्ट के बस्ताकोल क्षेत्र-9 के प्रबन्धतंत्र से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करने है, जो केन्द्रीय सरकार को 9-12-91 प्राप्त हुआ था।

S.O. 66.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Golukdih Open Cast Project of Bastacolla Area IX of M/s. BCCL and their workmen which was received by the Central Government on the 9-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

Reference No. 6 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Golukdih Open Cast Project of Bastacolla Area IX of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S. Union.

On behalf of the employers : Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, Dhanbad, the 29th November 1991

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Sec-

tion 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-24012(76)/87-D.IV(B), dated the 17th/31st December, 1987.

SCHEDULE

"Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh (INTUC) for employment of Shri Radhey Shyam Singh, dependant son of Shri Satya Narain Singh, Ex-loading Supervisor of Golukdih Open Cast Project of Bastacolla Area IX of M/s. B.C.C.L. Ltd. is justified? If so, to what relief the person concerned is entitled?"

2. In this case both the parties appeared and filed their respective W.S. documents etc. During the course of hearing of the case both the parties appeared before me and submitted that Shri Radhey Shyam Singh, dependant son of Sri Satya Narain Singh, Ex-loading Supervisor of Golukdih Open Cast Project of Bastacolla Area IX of M/s. BCCL involved in the present reference had already been provided with employment and as such there is no dispute now existing between the parties.

In view of the above submissions made by the parties, I find that there is no dispute existing between the parties. Accordingly I pass a 'No dispute' Award.

B. RAM, Presiding Officer
[No. 24012/76/87-D.IV(B)]IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1991

का. आ. 67.—जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसके साथ संलग्न अनुसूची में निदिष्ट मामलों पर नियोजकों अर्थात् भारतीय खाद्य निगम और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उपर्युक्त विवादि प्रश्न राष्ट्रीय महत्व का है ;

और जबकि केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उपर्युक्त विवाद का व्याय-निर्णयन राष्ट्रीय अधिकरण द्वारा किया जाना चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार

(i) एतद्वारा औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण का गठन करती है, जिसका मुख्यालय मुम्बई में होगा और व्यायमूर्ति श्री एम. एन. खली को इसका पीठासीन अधिकारी नियुक्त करना है; और

(ii) उपर्युक्त अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (1क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त औद्योगिक विवाद को व्याय-निर्णयन के लिए कथित राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण को भेजती है।

अनुसूची

“क्या मेट पद्धति/प्रबंध समिति पद्धति के अंतर्गत 65 डिपुअरों में नियोजित खाद्यान्न लदान तथा दुलायी में लगे कर्मकारों को विभागीय कर्मकारों के समान मजदूरी, हैसियत तथा सेवा शर्तों से संबंधित अन्य लाभ प्रदान न करने की भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन की कार्यवाही अनुकूल और न्यायपूर्ण है ? यदि नहीं तो कर्मकार किन सेवा शर्तों तथा राहत के हकदार हैं और किस तारीख से वे इसके हकदार हैं

[सं. एल-22012(38)/एफ/90-आई. आर. (सी-II)]

राजा लाल, डैस्क अधिकारी

मेट पद्धति/प्रबंधन समिति पद्धति
के अन्तर्गत

भारतीय खाद्य निगम के गोदामों की सूची (रेलवे साइडिंग स्थित गोदामों सहित)

क्रमांक गोदामों के नाम कर्मकारों की संख्या

1	2	3
1.	रायगंज	82
2.	सीतारामपुर	80
3.	कूच बिहार कम्प्लैक्स	324
4.	डायमण्ड हारबर	163
5.	देहोरिया मध्यमगरार	46
6.	बाबरहाट	59
7.	मंगल बारी (भालदा)	210
8.	बोलपुर	63
9.	ए आर डी सी बारवान कम्प्लैक्स	308

बिहार क्षेत्र

1.	मधेपुरा	129
2.	पांतसिलवा	145
3.	सीतामढ़ी	85
4.	भागलपुर-II	104
5.	चाकी धेरूर	92

उड़ीसा क्षेत्र

1.	रायगढ़	117
2.	ऊपरी	107
3.	जयपुर रोड	79
4.	चौद्वार	62

पूर्वोत्तर सीमान्त एवं असम क्षेत्र

1.	बार पेटा रोड	168
2.	बिन्दुकुढ़ी	148
3.	धामजी	109

1	2	3
4.	गोसाईगंज	109
5.	कोकरासार	108
6.	टीहु	107
7.	फकीराग्राम	99
8.	दीफू	102
9.	हाइलाकंडी	95
10.	बदरपुर घाट	85
11.	हाफलोना	126
12.	डीकम	106

उत्तर प्रदेश क्षेत्र

1.	चंदौसी कम्प्लैक्स	407
2.	मुरादाबाद रेलवे साइडिंग	269
3.	मेरठ प्रतापपुर कम्प्लैक्स	333
4.	देहरादून	164
5.	हलद्वानी	128
6.	रूद्रपुर, सेलो	292
7.	संडीला	215
8.	बिलामपुर सी. डब्ल्यू. सी. कम्प्लैक्स	143
9.	रायबरेली	161
10.	भ्यासनगर	275
11.	रामपुर रेलवे साइडिंग	292
12.	देवरिया नुट्टी देवराजा	235
13.	नाखा	85
14.	पादरी बाजार	53
15.	मथुरा	110
16.	कोशी कला	128

दिल्ली क्षेत्र

1.	धेवर	626
2.	ओखला	136
3.	नारायणा	288

राजस्थान क्षेत्र

1.	उदयपुर	225
----	--------	-----

जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्र

1.	न्यू गोदाम जम्मू	378
2.	छाता स्टोर	84
3.	न्यू स्टोर	38
4.	नरौंटा	42
5.	खान्नेवाल	72
6.	श्रीनगर	98

मध्य प्रदेश क्षेत्र

1.	सतना	160
2.	बुर्ग	216
3.	रायपुर	125
4.	कापा	200
5.	रायगढ़	88

1	2	3
6. रायनन्द गांव		125
7. भोपाल कम्प्लेक्स		248
8. महासमुद्र		154
9. बिलासपुर		125

ORDER

New Delhi, the 19th December, 1991

S.O. 67.—Whereas the Central Government is of the opinion that an industrial dispute exists between the employers, that is to say, Food Corporation of India and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government is of the opinion that the said dispute involves a question of national importance;

And whereas the Central Government is of the opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Tribunal;

Now, therefore, the Central Government,

(i) in exercise of the powers conferred by section 7B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), hereby constitute a National Industrial Tribunal with Head Quarters at Bombay and appoints Justice Sri S. N. Khatri as its Presiding Officer; and

(ii) in exercise of the powers conferred by sub-section (1A) of Section 10 of the said Act, hereby refers the said industrial dispute to the said National Industrial Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of Food Corporation of India in not granting the same wages, status and other benefits of service conditions as of the departmental workers, to the food handling workers employed in 65 depots (as per Annexure) under Mate System/Management Committee System is fair and justified? If not, to what relief and service conditions, the workmen are entitled and the date from which they are so entitled?”

[No. L-22012(38)]F[90-IR(C.II)]

RAJA LAL, Desk Officer

ANNEXURE

List of FCI's Depots (including Rly Siding)

UNDER

Mate System/Management Committee System

Sl.No.	Name of Depot	Number of Workers
1	2	3
WEST BENGAL REGION [
1.	Raigunj	82
2.	Sitarampur	80
3.	Cooch Bihar Complex	324
4.	Diamond Harbour	163

1	2	3
5.	Dehoria Madhyamgram	46
6.	Baburhat	59
7.	Mangal Bari (Maldah)	210
8.	Bolpur	63
9.	ARDC Barwan Complex	308

BIHAR REGION

1.	Madhepura	129
2.	Tantisihiwa	145
3.	Sitamari	85
4.	Bhagapthur -II	104
5.	Chakidherour	92

ORISSA REGION

1.	Raigarh	117
2.	Umari	107
3.	Jaipur Road	79
4.	Chowduar	62

N.E.F. & ASSAM REGION

1.	Barpeta Road	168
2.	Bindukuri	148
3.	Dhamaji	109
4.	Gosaigaon	109
5.	Kokrajhar	108
6.	Tihu	107
7.	Fakiragram	99
8.	Diphu	102
9.	Hailakandi	95
10.	Badarpurghat	85
11.	Haflong	126
12.	Dikam	106

UTTAR PRADESH REGION

1.	Chandosi Complex	407
2.	Moradabad Rly Siding	269
3.	Meerut Partapur Complex	333
4.	Dehradoon	164
5.	Haldwani	128
6.	Rudarpur, Salo	292
7.	Sandila	215
8.	Bilaspur C.W.C., Complex	143
9.	Raibareli	161
10.	Byashnagar	275
11.	Rampur Rly Siding	292
12.	Devaria Nutti Deoria	235
13.	Nakha	85
14.	Padri Bazar	53
15.	Mathura	110
16.	Koshi Kalan	128

DELHI REGION

1.	Ghewra	626
2.	Okhla	136
3.	Naraina	288

RAJASTHAN REGION

1.	Udaipur	225
----	---------	-----

JAMMU & KASHMIR REGION

1.	New Godown Jammu	378
2.	Chatta Store	84
3.	New Store	38
4.	Narrota	42
5.	Khannewal	72
6.	Shri Nagar Proper	98

1	2	3
MADHYA PRADESH REGION		
1. Satna		160
2. Durg		216
3. Raipur		125
4. Kapa		200
5. Rai garh		88
6. Rai Nand Garw		125
7. Bhopal Complex		248
8. Mahagamud		154
9. Bilashpur		125

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. आ. 68:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-1-1992 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“कोजीकोड जिले के बादामरा तालुक में राजस्व ग्राम बादामरा, नदाकथाजा, चोरोड, ओन्धियम, अजियूर, इरामाला के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या-एस. 38013/46/91-एस. एस. I]

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 68.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st January, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of sections 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

“The areas within the Revenue Village of Badagara, Nadakkuthazha, Chorode, Onchiyam, Azhiyoor, Eramala in Badagara Taluk of Kozhilode District.”

का. आ. 69:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-1-1992 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और

6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“त्रिचूर जिले के थालापल्ली तालुक में राजस्व ग्राम की वीरुपक्का के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस.-38013/44/91-एस. एस. I]

S.O. 69.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st January, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of sections 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

“The areas within the Revenue Village of Virupakka in Thalappally Taluk of Trichur District.”

[No. S-38013/44/91-SS.I]

का. आ. 70:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-1-1992 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय-5 और 6 (धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात्:—

“त्रिचूर जिले के थालापल्ली तालुक में कुष्नामकुलम नगर पालिका सीमा तथा राजस्व ग्राम कन्डा-नासरी, पजान्नी, चुनदल एवं चिरानल्लूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

“त्रिचूर जिले के त्रिचूर तालुक में राजस्व ग्राम केप्पारवा, इदक्कालथूर, चलाकल एवं अंजूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस.-38013/45/91—एस. एस. I]

S.O. 70.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st January, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been

[No. S-38013/45/91-SS.I]

the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of sections 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely :—

“The areas within the municipal limits of Kunnamkulam and the revenue village of Kandanssery, Pazhanji, Choondal and Chirannellur in Thalappalli Taluk of Trichur District and; The areas within the revenue villages of Kaypparamba, Edakkalathur, Chalakkal and Anjur in Thrissur Taluk of Trichur District.”

[No. S-38013/46/91-SS-I]

का. आ. 71:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1-1-1992 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा 44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81

के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपबन्ध केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र में प्रवृत्त होंगे, अर्थात:—

“त्रिचूर जिले के चवाकाड तालुक में चवाकाड नगर पालिका सीमा तथा राजस्व ग्राम गुरुवायूर एवं इलावल्ली के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[इसख्या-एम. 38013/47/91—एस. एस. 1]

जे. पी. शुक्ला, अवसर सचिव

S.O. 71.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 1st January, 1992 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of sections 76, 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely :—

“The areas within the Municipal Limits of Chavakkad and the revenue villages of Guruvayoor and Elevally in Chavakkad Taluk of Trichur District.”

[No. S-38013/47/91-SSI.]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

